

मेडिकस

- Name.

- Ref.

- Types

- शोधन प्रक्रिया

- मारण

- properties

- Indication

- मात्रा

- आन्त्रिक सामयिक प्रयोग (formulation)

Signature

સાચી

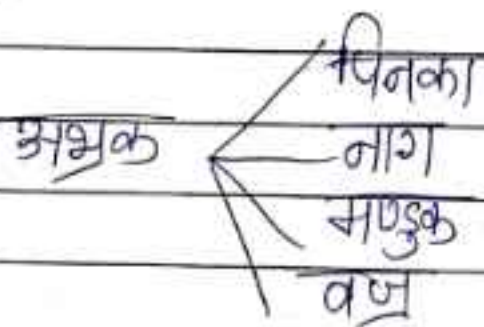
- સ્વર્ગ
- રબાન
- તામ્રા

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

(1) अभ्रक (mica)

Ref - रसशास्त्र

Types -



• शोधन प्रक्रिया -

अशुद्ध मन्धक अभ्रक



Heat it



deep into त्रिफल चवाच / काज्जी / गोमूत्र.



Repeat this 7 times



called निर्वप

शारंग -

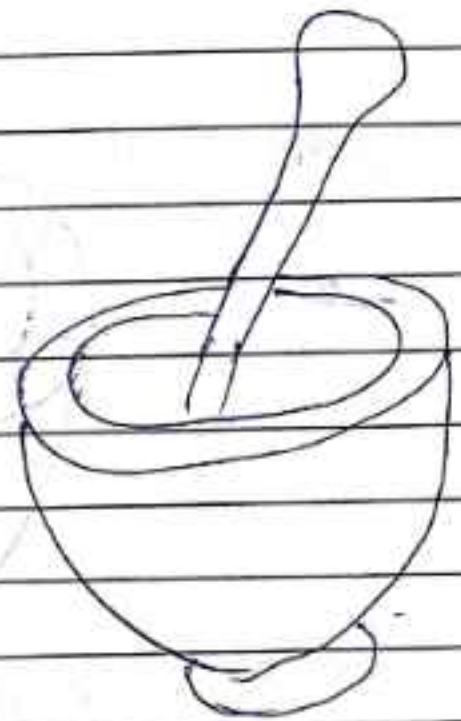
- Done using दान्याभिक

गजपुर - (10 time)

भावना द्रव्य - काशमर्द
उदर.

Indication Property -

- स्निग्ध
- पिचुदाल
- अग्नि स्थित्व



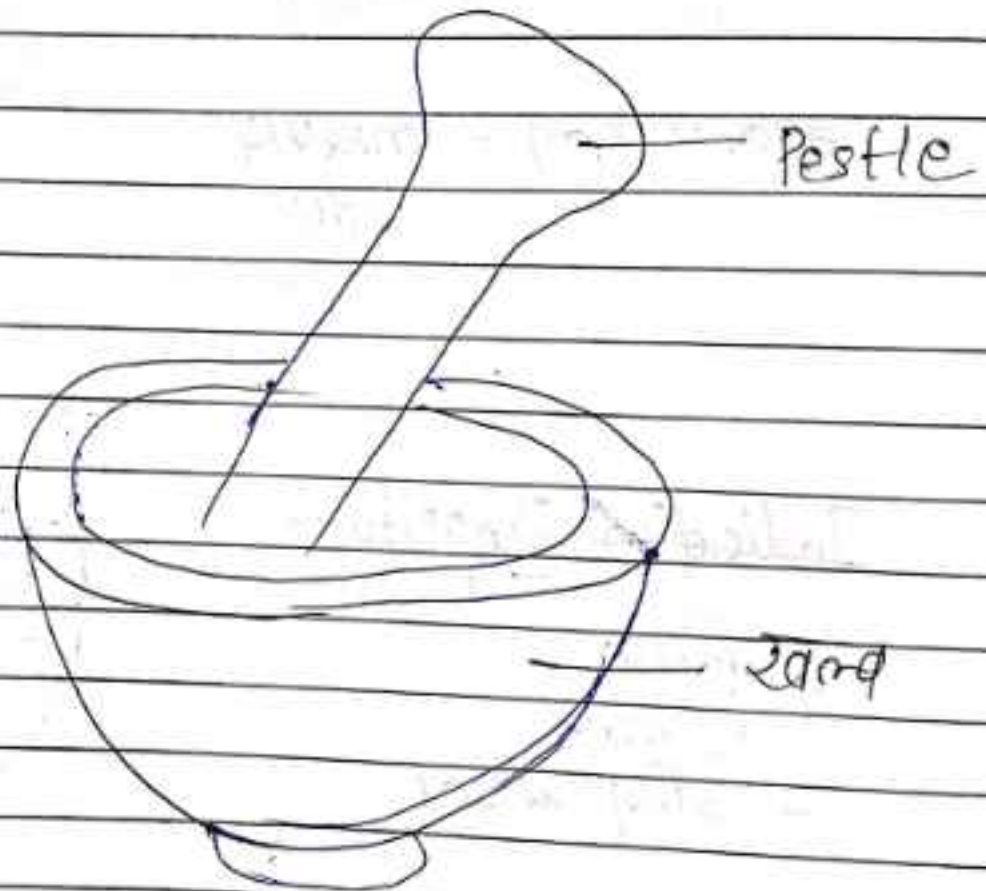
Indication - पाण्डु
- गृहणी
- आमशूल
- कोष्ठ रोग

• शल्प यन्त्र

मात्रा - 2 - 3 गुञ्जा / रति
(250 mg - 375 mg).

- આમશિક પ્રયોગ — ચૂંદકન રસ
- આરોગ્ય વધારીની વતી
 - પૈચામ્લ પપલી

- ૬૦



ચાન્વ ચાન્વ

- So this is about the ---

(2) वैकान्त -

पर्याय Ref. - रसशास्त्र

Types - श्वेत
- रक्त
- पीत
- नील

- paravatprabha (परवट प्रभा)
- chitaka bara (चित्रकंवर)

शोधन प्रक्रिया :-

अशुद्ध वैकान्त taken in खल्ल यन्त्र



- Add अच्छी कृताय चवाय



do आकान्त ~~सहित~~ श्वेदन



for 1 घंटा (3 hrs)

सारण - शोधित वैक्रान्त taken



add गन्धिक



do भावना using निम्बु वक्रस



Give गजपुट



for 8 times.

Properties - अस्त फलकशत्रु

- निर्मल

- Masarine

- धर कोन

Indication - take शोधित वैक्रान्त

- अश

कृच्छ

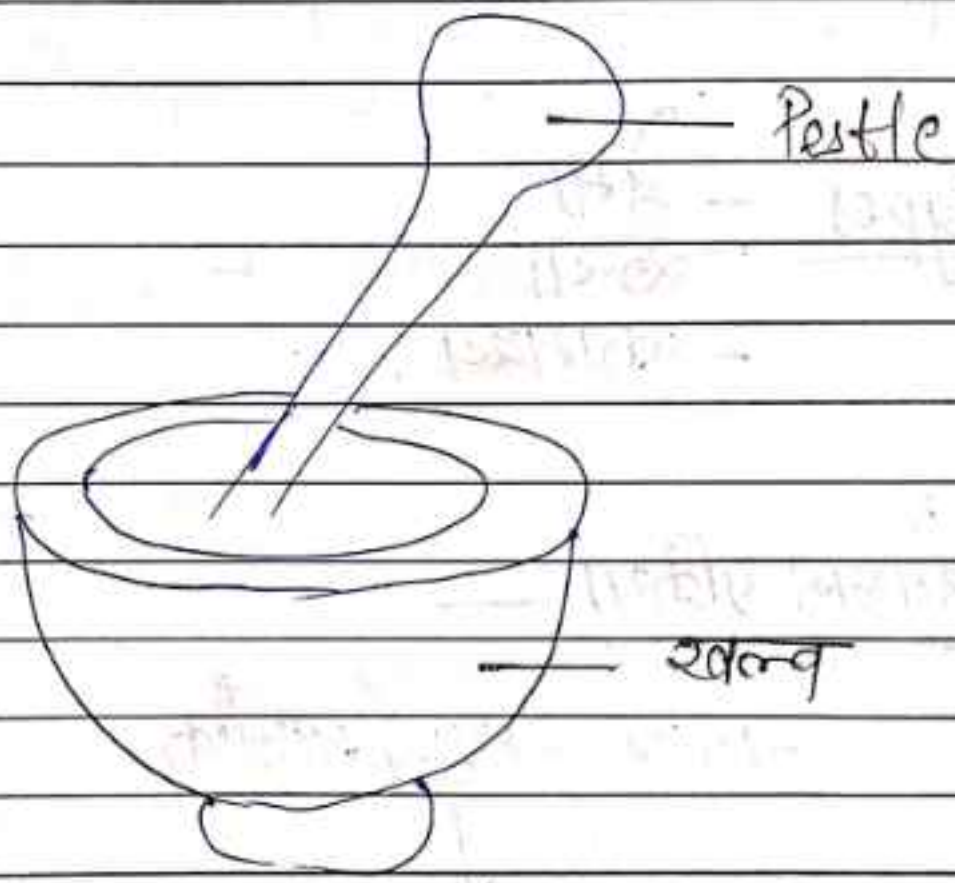
- अशुद्धि

- जलोदर

सात्रा - 5-10mg

• आमयिक प्रयोगाः -

- नीलकण्ठ रस ①
- रत्नप्रभा वली ②
- रत्नगीरि रस ③



• खल्व यन्त्र

- This is about the

(3) माक्षीक

माक्षीक (makshika)

Ref - रसशास्त्र

Types - हेमा
- रूपा
- कामश्य

• शोधन प्रक्रिया -

take अशुद्ध माक्षीक



take असल द्रव, तक्र, मत्तुलुगाम्बु



in ढोला यन्त्र



do स्वेदन 1 घंटा (3hrs.)

भारत —

Take शोधित माक्षिक

↓
add गन्धक, स्फुट तैल and गो घृत

↓
do सर्पन using निम्बु स्वरस

↓
Subject to गजपुट

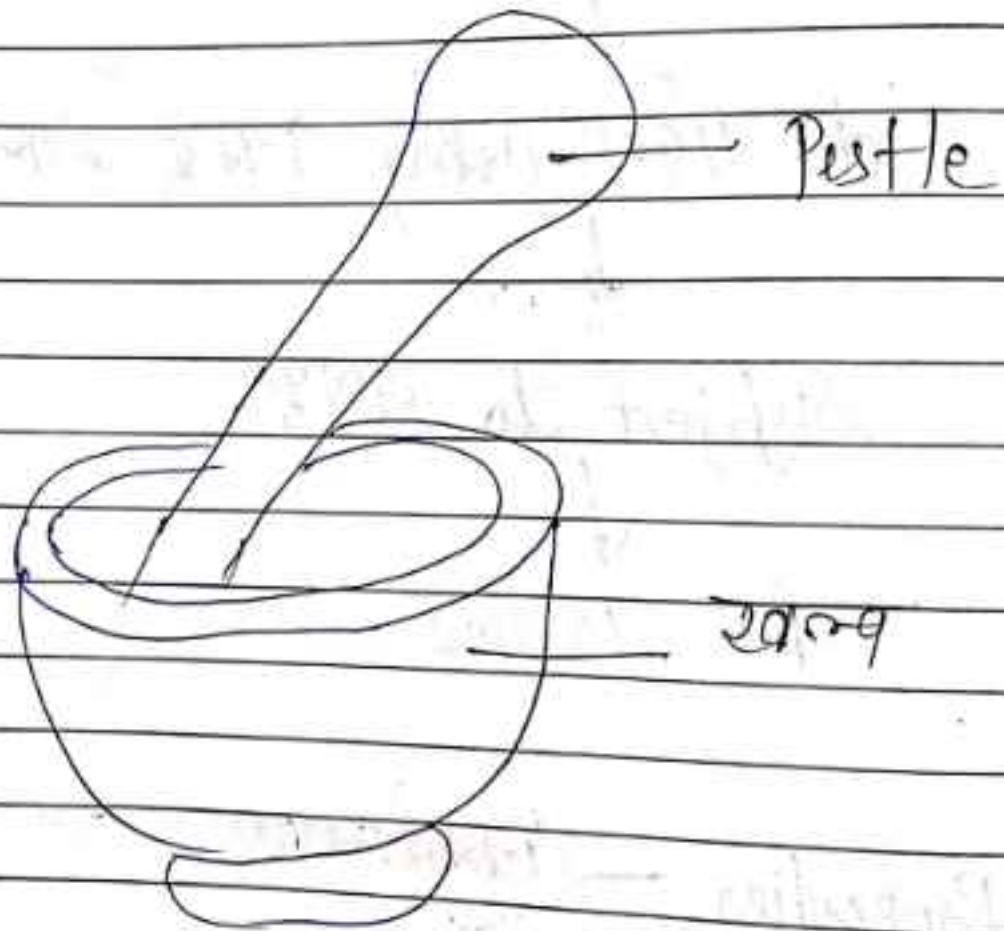
↓
for 10 time.

Properties — निश्कोन
— गुरु
— स्निग्ध
— सुवर्ण

Indication — अम्लपित्त
— रक्तातिसार
— बाजीकरण
— उदर

मात्रा — 60 — 120mg.

आमयिक प्रयोग - जशमंगल रस
- सर्वमादकीक भस्म
- भवग्रह रस



• खल्व यन्त्र

- do this about.

(4) विमल

- विमल (Vimala)

Ref. - रसशास्त्र

Types - सुवर्ण
- कृष्ण
- कन्श्या

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध विमल in 20ml यन्त्र

↓
add वसा स्वस्व / जम्बीर स्वस्व

↓
Mix it and take in बोला यन्त्र

↓
do स्वेदन for 3 hrs.

सारण - take जोधित विमान



add गन्धक and mix it



add निम्बु ज्वरस के भावना



subjected to गजपूर



for 10 time.

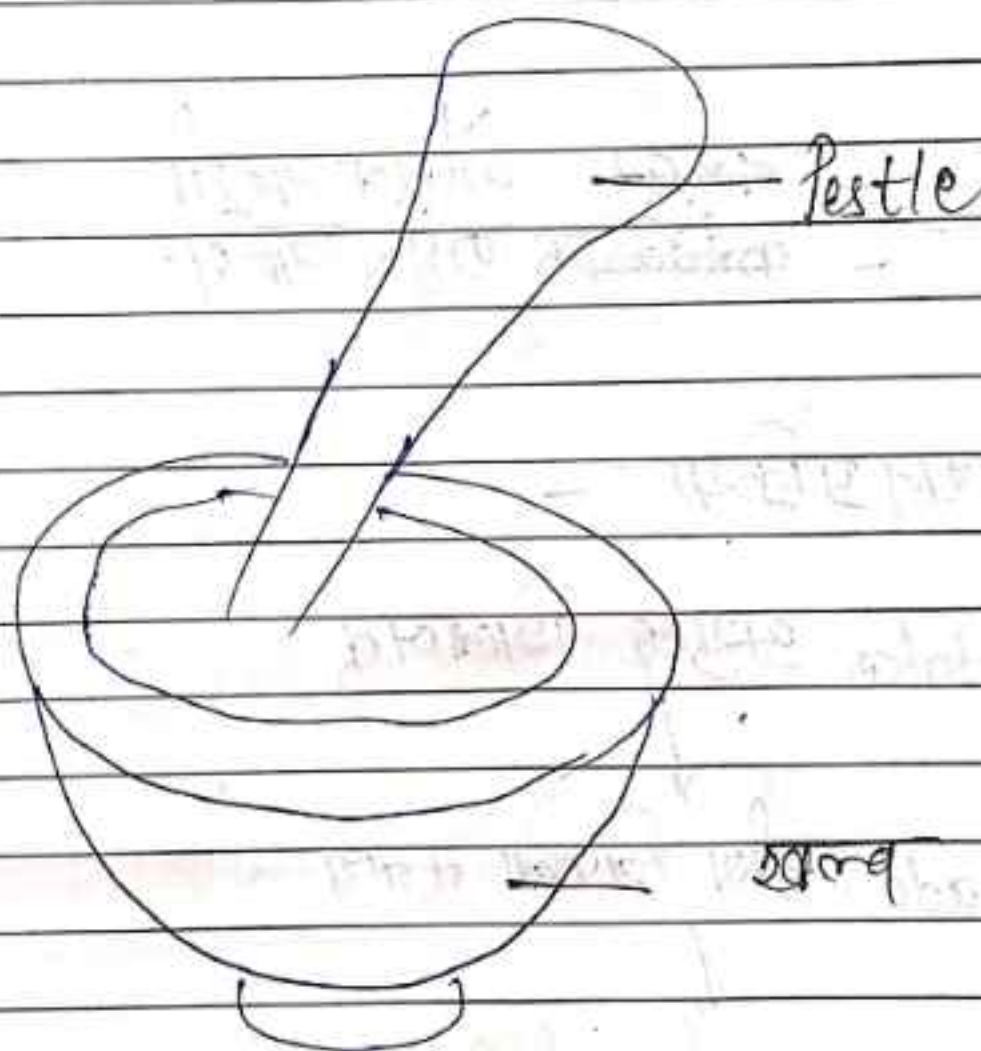
properties - कोन सम्युक्ता
- स्निग्ध
- दारुयुक्ता
- वर्तुल
- फलानवित

Indication - पाण्डु
- ग्रहणी
- क्षय
- पातपित्त
- नस्य

मात्रा - 60 - 120 mg.

आमयिक प्रयोग -

- कषायकेशरी रस
- नवरत्न राजमृगक रस
- रसेन्दु चन्द्रमनी रस
- पपही प्लेप



० खल्व यन्त्र

Join us on Telegram
@56 BOOK STORE

So this is about this

(5) शिलाजतु

शिलाजतु (Shilajatu)

Ref. - रसशास्त्र

Types - हरद्वर गोमूत्र गन्धी
कसेवेल्क कपूर गन्धी.

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध शिलाजतु



add ~~बीज~~ त्रिफला कषाय



Mix it & Heat it



Till the water evaporate.

मात्रा -

Properties -
 - सिग्ध
 - गुरु
 - गोमूत्र मन्धि
 - सस्त्व

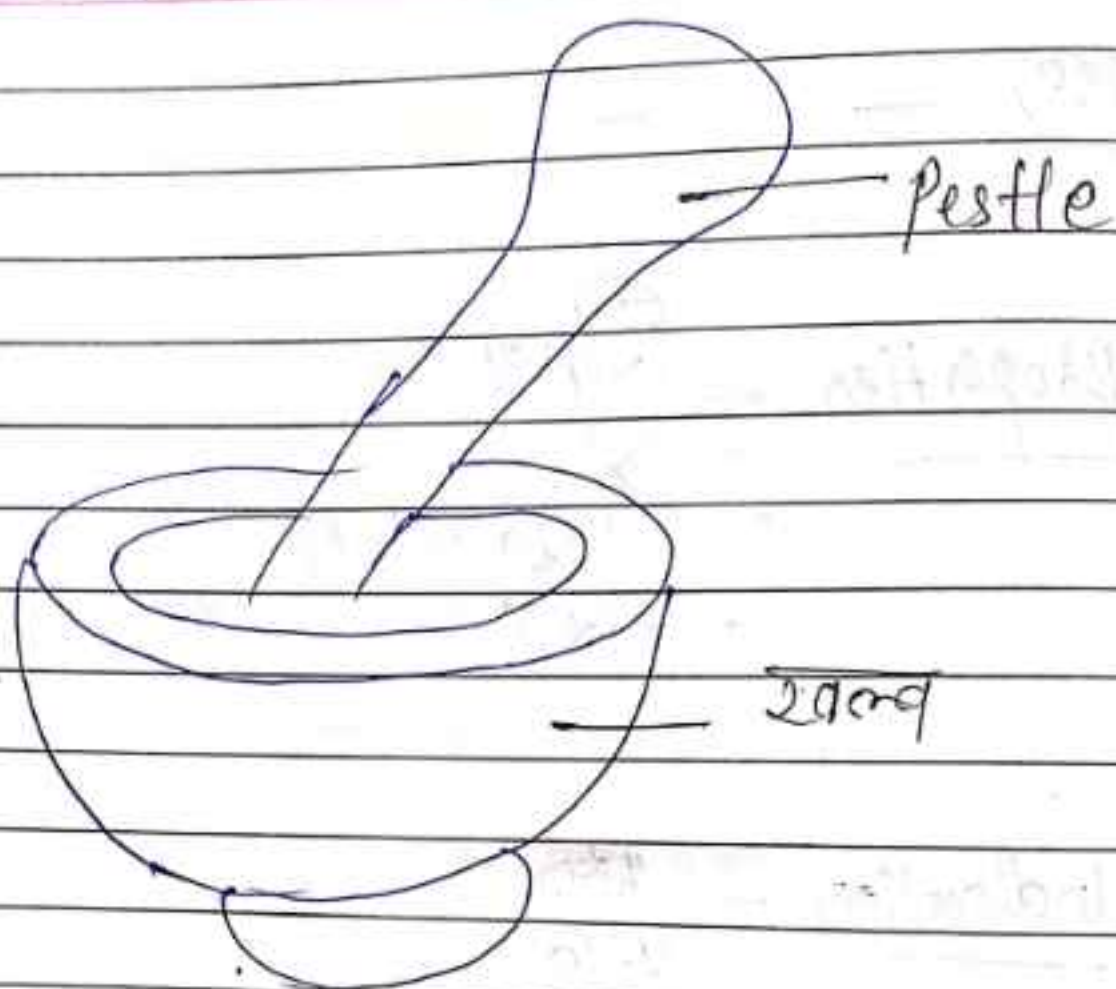
Indication -
 - कुष्ठ
 - प्रमेह
 - मूत्रकृच्छ्र
 - शोथ

मात्रा - 140 - 260 mg.

आमयिक प्रयोग विशिष्ट योम -

- आरोग्यवर्धनी, वली
- चन्द्र प्रभा, वली
- त्रिफल मोदक
- शिलाजतुव्याधि लोह

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE



• मोर्तार यंत्र

- so this

(6) सस्यक

सस्यक (Sasyak).

Ref. - रस शास्त्र

Types I सस्यक
II तुला

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध सस्यक in खल्ल यन्त्र

↓
add रमेर and रक्त की

↓
do भावना for 7 times.

Join us on Telegram
MS6 BOOK STORE

मारण -

Take शोधित सस्यक in खल्ल यन्त्र

↓
add गन्धक and लवक

↓
mixed in

↓
add लकुरे स्वरस

↓
do भावना

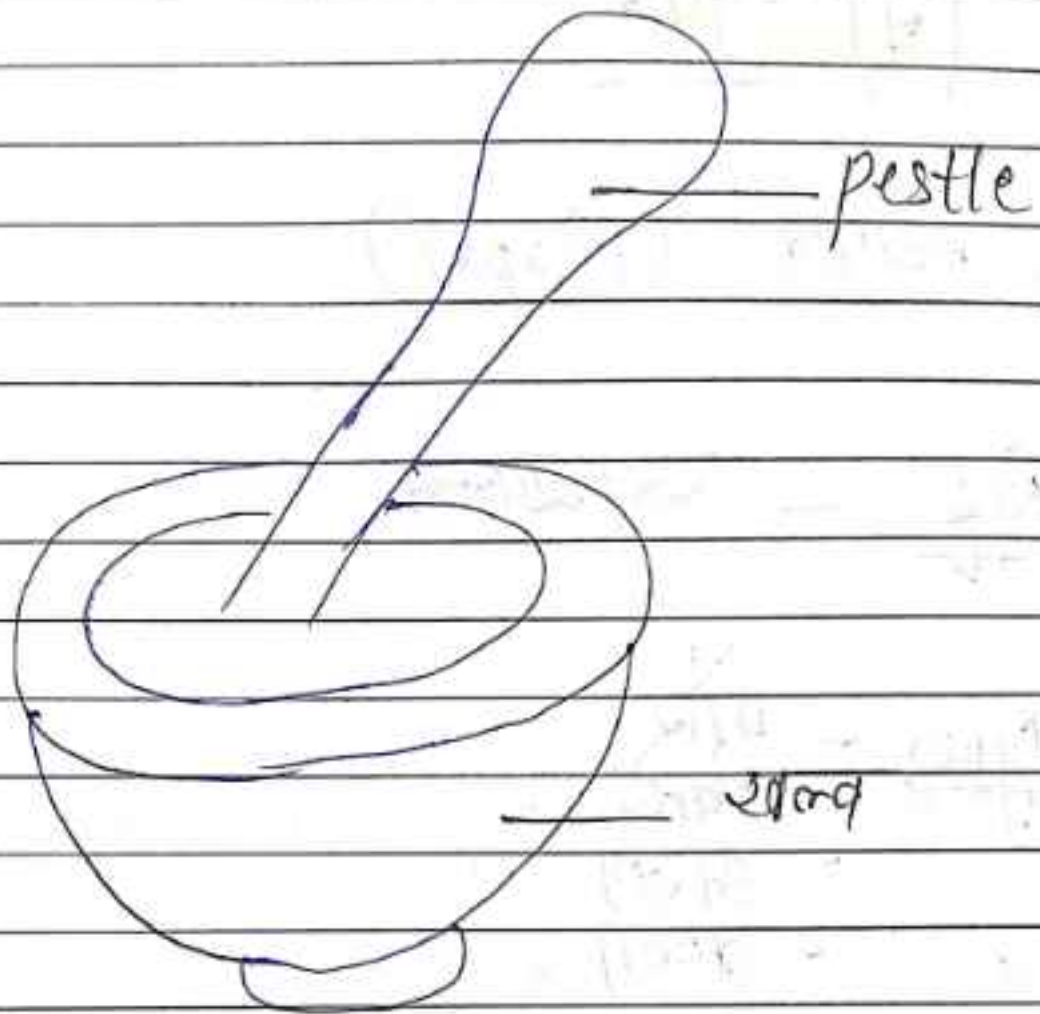
Properties - गुरु
- स्निग्ध
- Lusture like peacock neck

Indication - कण्डू
- कृमि
- विष
- अरु

मात्रा - 15 - 30 mg

आमयिक प्रयोग -

ज्यादि - जात्यादि घृत
- जात्यादि तेल
- रसेन्दु गुलिक
- कर्णिक सुन्दर रस



• 研钵与研杵

~ So this is about ~

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

(३) चपल

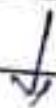
- चपल (chapel)

Ref - रसशास्त्र

Types - गौर
- श्वेत
- अरुण
- कृष्ण

शोधन प्रक्रिया

Take अशुद्ध चपल in खल रन्त्र



add निम्बु स्क्रस



Do the भावना



for 7 times.

Properties -

गुण - स्निग्ध
रस - मधुर
वीर्य - शैतल

वीर्य - शुष्क

रस - तिक्त
मधुर

सारण

Take equal quantity of पक्क and चपल

↓
in सन्वयन में मर्दन along with निरगुडी स्वरस

↓
kept in वालुक शय

↓
Heat till it become रक्त वर्ण भस्म

Indication - लेखन

- योगवही

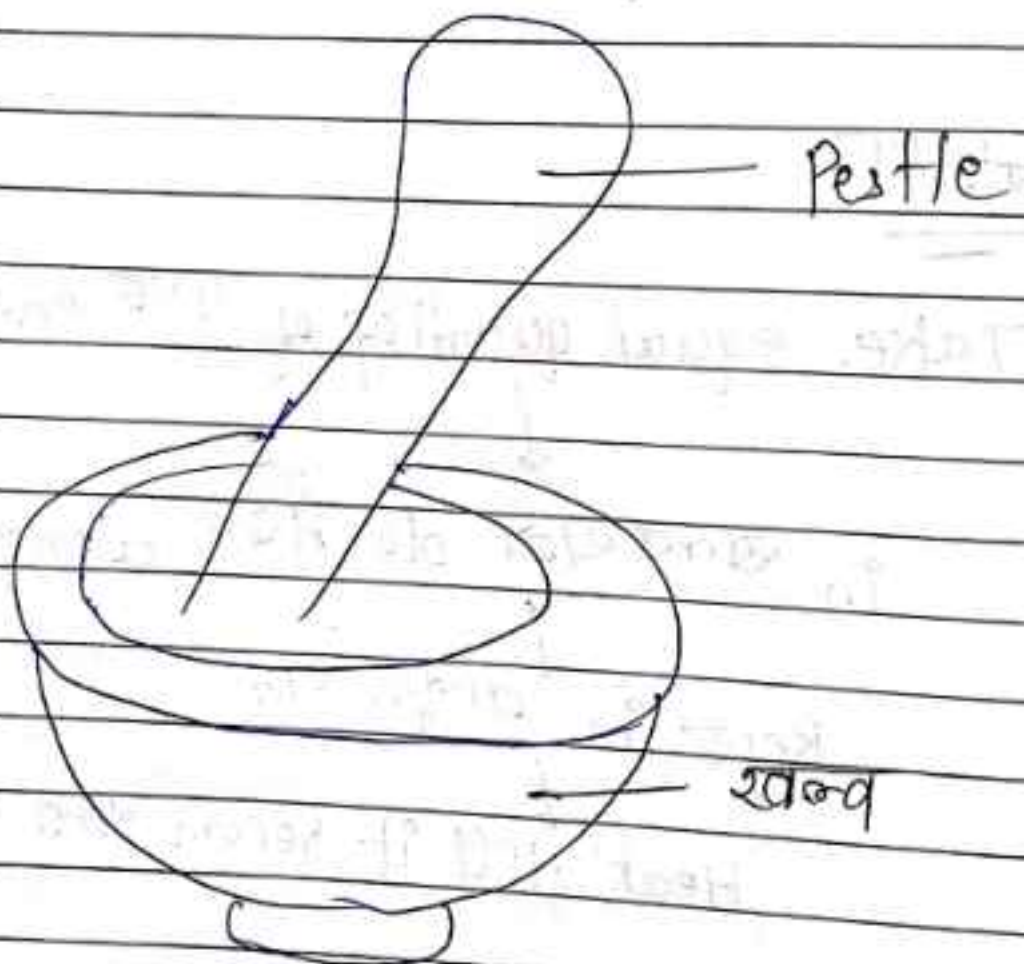
- वृष्य

- त्रिदोषघ्न

Join us on Telegram
@56 BOOK STORE

आमयिक प्रयोग -

- जलपत्र तैल
- कण सुन्दर रस



शाल्व यन्त्र

(8) रसक

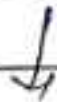
रसक (Rasak)

Ref - रसशास्त्र

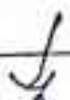
Types - पंक्ति
- करवेण्णक

शोधन -

take अशुद्ध रसक १० खल्लु शिला



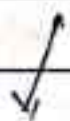
A triturate it.



take बीजपुरक स्वरस



do डालन for 7 times.



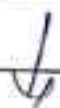
शुद्ध रसक get.

SHRO -

take शु. रसक



Heat it त लवण



Rub with लाश कण.

Properties - पीत

- Look like धुंधी

- doesnot loose weight in fire test

Indication -

- पुमेह

- मेत्र रोग

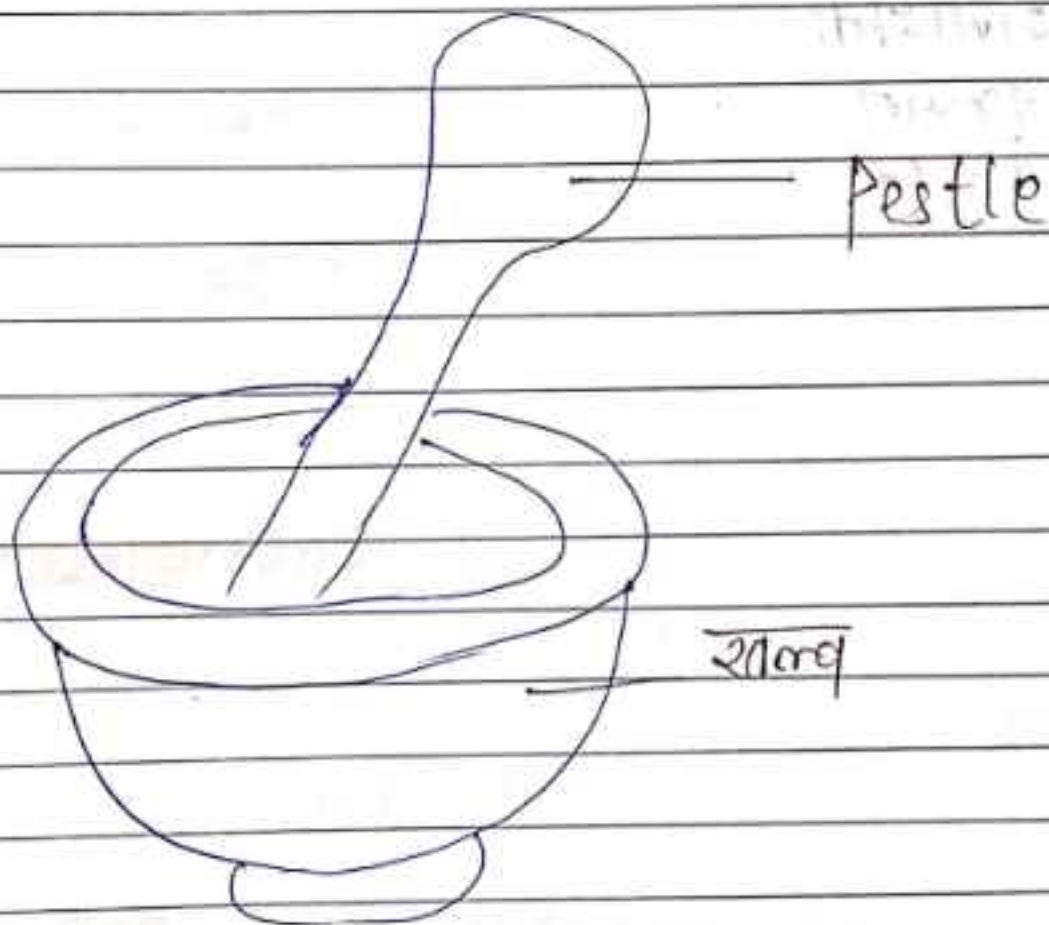
- मूत्र कूच

- जीर्ण ज्वर

आ मात्रा - 60 - 240 mg.

आमरिक् प्रयोग

- लक्ष्मी विलस रस
- कस्तूर विलस रस
- लघु नालिनी विलस रस



शालग्र यन्त्र

- So this is about

उपरास

- मेन्धक
- गैरिक
- कासीरू
- कांसी
- हरताल
- मनशिला
- अज्जन
- कंकुष्ठ

(1) गन्धक

गन्धक (Gandhak)

Ref - रसशास्त्र

Types - रक्त
- पीत
- श्वेत
- कृष्ण

शोधक प्रक्रिया

Take अशुद्ध गन्धक in Iron pan



add गोघृत and melt it



pour into गुग्गुलु through कलश



this procedure is called दालन

भारण - Not Mentioned.

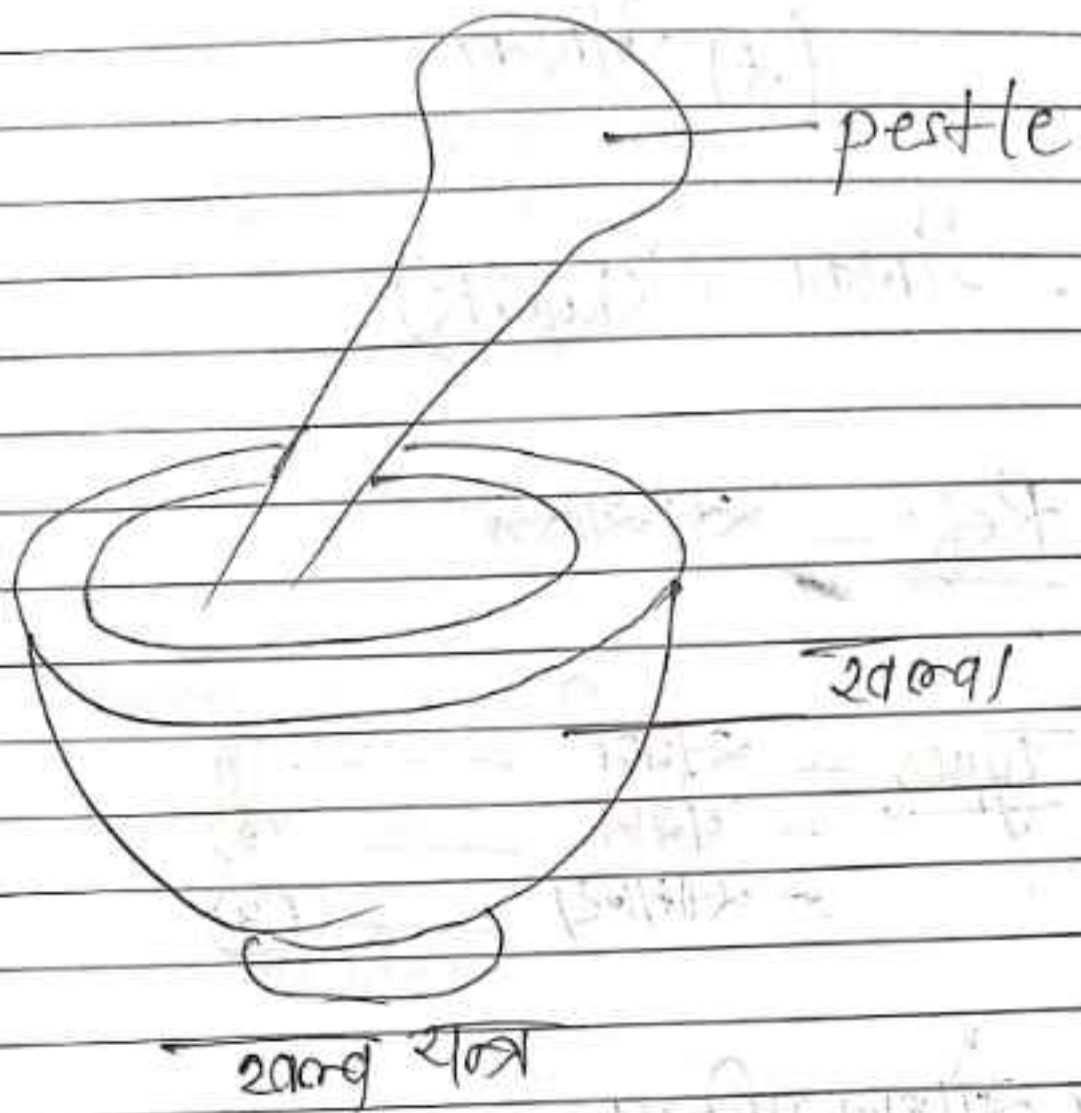
Properties - स्निग्ध - सुकपिन्धु
मुदु - नवनीत सम्पुष्पा
- कठिन
- स्निग्ध
- मसूर

<u>Indication</u> - रक्तपित्त	काण्डू
- हिकका	कुष्ठ
- विषविकार	विरस
- आतकण्डू हर	दाह

मात्रा - 250 - 500mg.

आमयिक प्रयोग -

- लघु सूतशेखर रस	गन्धक द्रुती
- रजपुवर्तनी वली	गन्धक रसायन
- कमोद्धार रस	रस पपली
- पुष्पाङ्गु चूर्ण	रस सिन्दूर



- so this

Join us on Telegram
MSG COOK STORE

(2) गैरिका

गैरिका (Gairik)

Ref - रसशास्त्र

Types - शुक्ल — (1)
 - पेशन — (2)
 - सामान्य — (3)

• शोधन प्रक्रिया -

take अशुद्ध गैरिक in खल्ले यंत्र



triturate it and take in iron pan



add घृत and do मर्दन

मारण - Not mentioned.

Properties —

- सिनेरुद्ध
- मरुतुन सवर्ण
- मृदु सवर्ण
- कठिन
- ताम्रा वर्ण
- रक्षा

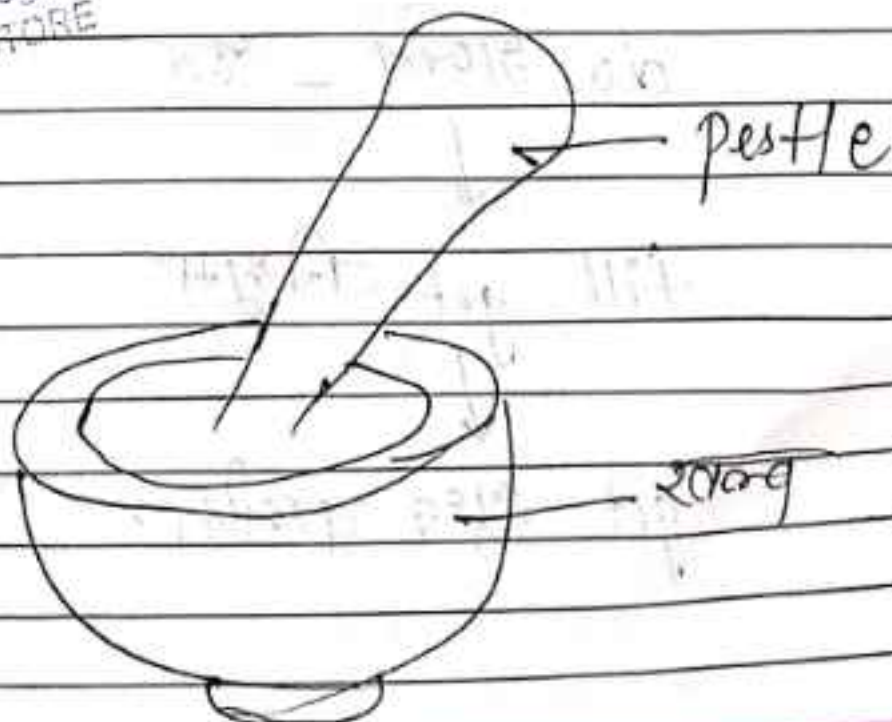
Indication —

- रक्तपित्त
- हिकका
- विष विकार
- अतिकण्डू हर

• आमयिक प्रयोग —

- लघु सूतेश्वर रस
- राज प्रवर्तनी वरी
- कमण्डू रस
- पुष्पाग्र चूर्ण

Join us on Telegram
M50 BOOK STORE



研钵与杵

Page No.
 Date
 (4) कांसीस (रक्तिक)

कासीस (Kankishi Kanbishi).

Ref. — रसशास्त्र

Types — पातुकी — ①
— फूलिक — ②.

शोधन प्रक्रिया —

Take अशुद्ध कासीस in खल्ल शर्त

↓
triturate it and take in pan

do गर्जनी + घृत

↓
till get निष्कृम

↓
get शुद्ध कासीस.

सारण -

take शु. कासीस



add 2 फटिक and mix it



do लघु पुर

Properties = इशापीत

- गुरु
- रिकषध
- शुक्ल
- अम्ल
- निर्भार

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

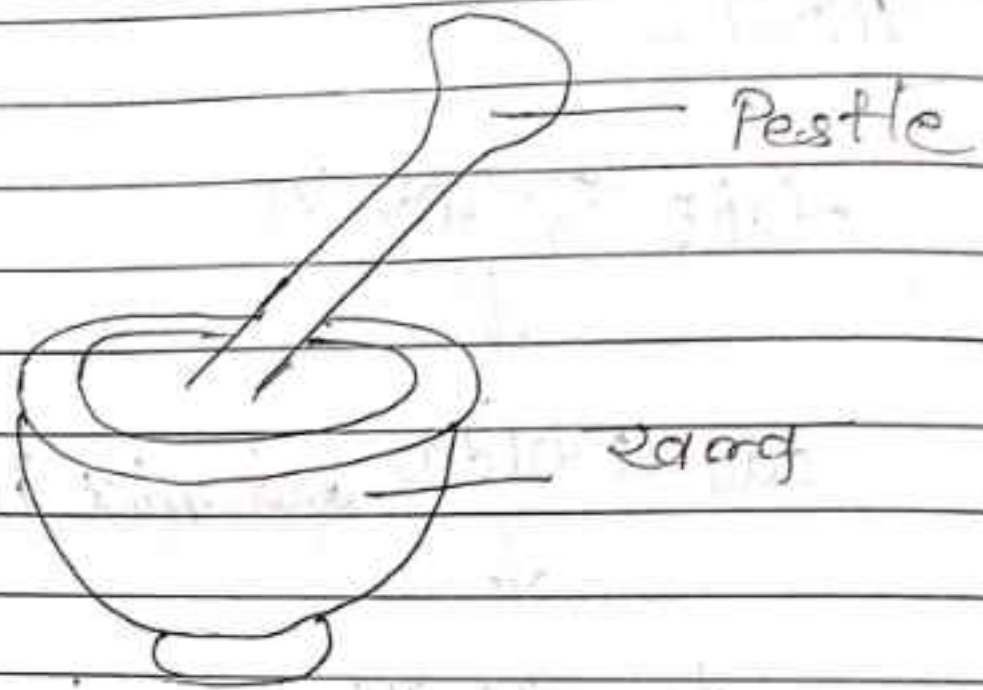
Indication

- रक्त रक्ताव
- रक्त विकार
- केश विकार

मात्रा - 60 - 120 mg. ($\frac{1}{2}$ - 1 रति)

आमयिक रोग - रक्त पर्यंती

- शंख द्रव
- रक्षादि मन्था
- चतुर्मुधादि रस



• खल्व यन्त्र —

(3) कांसीस

- कांसीस (Kasis)

Ref - रसशारत्र

Types I वलुक कांसीस — (1)
II पुष्प कांसीस — (2)

शोधन प्रक्रिया -

Take कांसीस in खल्व यन्त्र



triturate it



add मृगराज स्वरस



170 स्वेदन



in ढोलायन्त्र



म्हणूत कांसीस भस्म

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

मात्रा -

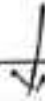
take शुद्ध कासीस in खल्ल यन्त्र



add निम्बु स्वस्स



Do भावना



Subject to लेपु पुट

Properties - Bluish colour

- वलुक कासीस

Indication - घाणू

- कणू

- अश्मरी

मात्रा - कासीसादि तैल

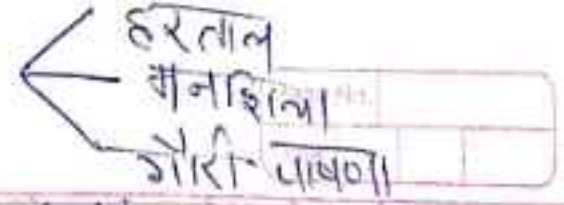
- कासीसादि वली

- कासीसादि मलहर



pestle

खल्ल

arsenic compound 

(5) हरताल (it is an arsenic compound)

- हरताल (Hartal)

Ref. - रसशास्त्र

Types - पात्र — ①
- पिण्ड — ②
- तबकी — ③

शोधन प्रक्रिया -

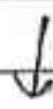
Take शुद्ध हरताल in खम्बे यंत्र



Add कुष्माण्ड, स्वरस, तिल तैल + निम्बु जल



do स्वेदन for 3 hrs



शुद्ध हरताल prepared.

सारण -

take शुद्ध हरताल in खल्व अन्त

↓
Add पुर्नवत् स्वरस

↓
do भावना

↓
Subject ko लपु पुट for (12)

Properties - स्पर्श वर्ण

- रसिगन्ध

- तनु पत्र

- भा सुख

- बहु पत्र

Indication - वातरोग

- श्लेष्म रोग

- रक्तपित्त

- कुष्ठ

मात्रा - 15-60mg.

- आमयिक प्रयोग
- रसमानिक्य
 - हरताल मिश्रण
 - समीरपनाग



Pestle

खल्व

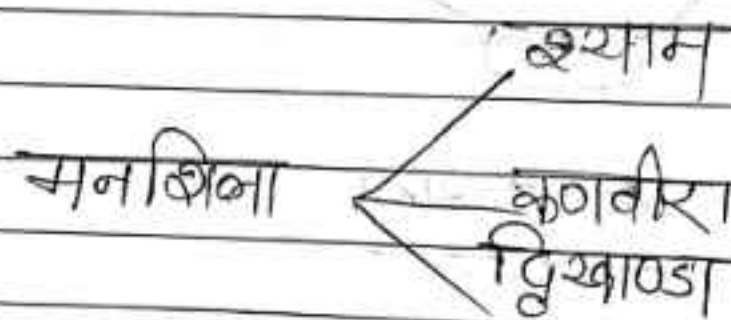
खल्व यन्त्र

(6) मनशिला

मनशिला (Manashila) .

Ref. - ~~संशाखा~~ संशास्त्र

Types -



शोधन प्रक्रिया -

- Take अक्षुब्ध मनशिला in सात्वत यन्त्र



- Add अगस्त्य पत्र / अप्रक स्वस्त



do आवना



- for Seven times

सारण -

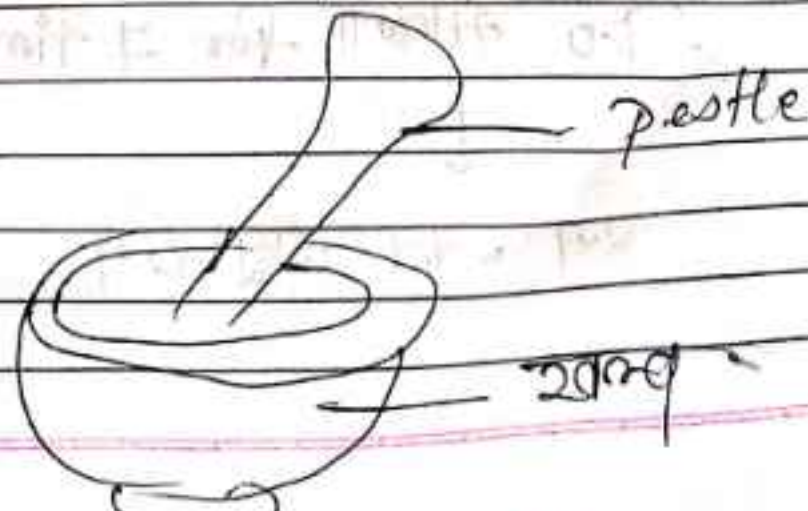
Not mentioned

Properties - रक्तगौर
- गुक्ताभार
- हिङ्गुल्पाप्रक
- पित्तअति दीपतीक

Indication - विषरोग
- अग्निमध्य
- कण्डू
- विषह्न
- वणिकर

मात्रा - 15 - 30 mg

आमयिक प्रयोग - कण्ठधन रस
- गन्धमुरारी रस
- कृमिहर रस
- स्मृति सागर रस

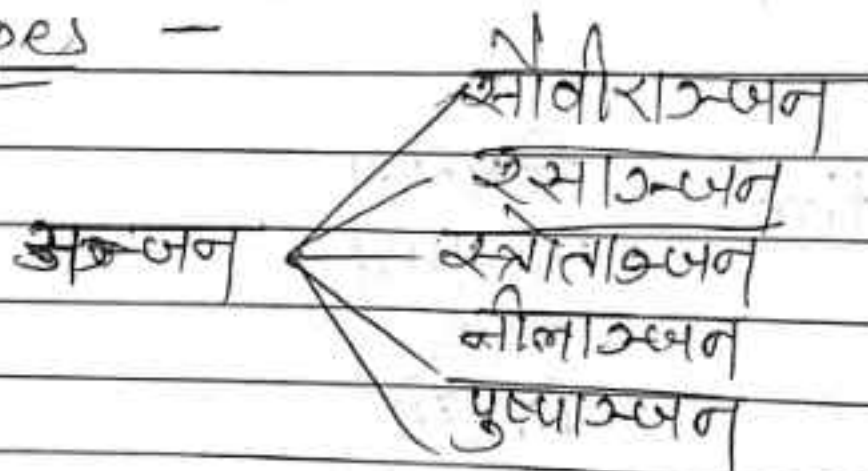


(५) अञ्जन

— अञ्जन (Anjana)

Ref. — रसशास्त्र

Types —



• शोधन प्रक्रिया —

Take अशुद्ध अञ्जन in खल्ल यन्त्र



नद्वे भृंगराज रस in खल्ल यन्त्र



70 भावना नि 3 times



रस रक्त समुच्चय

मारण -

Not mentioned

Properties - स्निग्ध

- शीत

रस - विस्त

कषाय

वीर्य - शीत

विपाक - शीत

Indication - नेत्ररोग

- लेखन

- विष विकार

- श्वास

- हिक्का

- रक्तपित्त

Join us on Telegram
PSS BOOK STORE

मात्रा - $\frac{1}{2}$ to 1 शन्ति

आमशिक प्रयोग - पियुष्मावली रस

- वातरी रस

- चन्द्रमौख रस

- तिमिराञ्जन



pestle

mortar

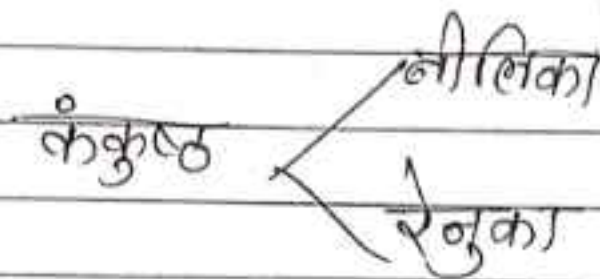
मल यंत्र

(8) कंकुष्ठ

कंकुष्ठ (Kankustha)

Ref. - रस शास्त्र

Types -



शोधन प्रक्रिया

Take रस शास्त्र



Add अशुद्ध कंकुष्ठ



Add निम्बु स्वरस



120 भावना



for 3 times

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

सारण

Not Mentioned

Properties -

- पीतपुष्पा
- सिग्मथ
- गुरु

Indication - वर्ण
 - उद्वर्त
 - प्लीहा रोग
 - अर्श

मात्रा - 1 टैब (35 mg)

• आमयिक प्रयोग - उद्वर्तहर घृत
 - ज्योतिष्मन् रस
 - धनवन्तरी घृत
 - धनवन्तरी रस



Pestle

खल

* खल यंत्र

- So this about:

Join us on Telegram
M55 BOOK STORE

• Contra Natural Opinion of अंकुर

1) A/c to कल्प -

- exudate of श्वेत कीरी.

2) A/c to भालुकी -

Mineral of पड़

3) A/c to रसायन -

Variety of पुवाला (रत्नवर्गीय)

4) A/c to रस वाग्भट्ट -

- Found in हिमालय.

- Umbilical cord of the New born शिशु

5) A/c to सुश्रुत - Herbal root.

6) A/c. शारदजी त्रिकम जी -

मिश्रित of मोरसुख Gamboxe tree.

रत्न वर्ग

Sanskrit Name	Latin name	Chemical formula	ग्रह
- मानिक्य	(Ruby)	Al_2O_3	- सूर्य
- मुक्ता	(pearl)	$CaCO_3$	- चंद्र
- पुवला	(Corals)		- मंगल
- पान / मरका	(Emerald)	Al_2O_3	- बुध
- पुरवराज / पुष्पराग	- Topaz	Al_2O_3	- शुक
- वज्र	(Diamond)		- शनि
- नीलम	(Sapphire)	Al_2O_3	- बृह
- गोमेद	Hessonite (Zircon)	$ZrSiO_4$	- केतु
- वदय (लङ्कसुनिया)	- cat eye	$BeAlO_3$	

General शोधन -

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

(1) मणिक्य

- मणिक्य (Manikyā)

Ref. - रसशास्त्र

पञ्चांग - रागमणिक्य
- पद्मराग
- श्विषल
- सोनू पल
- लोहित

Types -

मणिक्य
 { नील गन्धि
पद्म गन्धि / पद्मराग

शोधन प्रक्रिया -

- take अशुद्ध मणिक्य



- Add अम्लीय वर्ग प्लव



10 स्वेदन for 1 यम (3hrs) (in बेलान)



शुद्ध मणिक्य prepared.

सारण —

Take शुद्ध मणिकय in खल्व यन्त्र

Add शुद्ध गन्धक + शुद्ध मनशिला



add शुद्ध हरताल



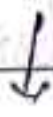
Add लंकुचा स्वरस



do भावना



Subjected to गजपुर



Repeat it for 8 time.

properties — स्निग्ध
— गुरू
— वृ-तायतन
— स्वच्छ

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

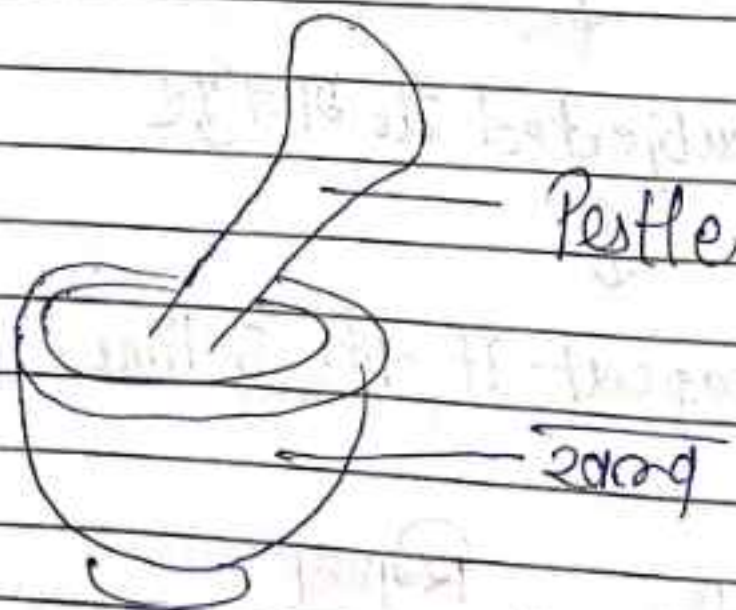
Indication — सेहया
— रसायना

आमयिक मात्रा -

$\frac{1}{8}$ रत्ति - $\frac{1}{4}$ रत्ति

आमयिक म्रयोग -

- नव रत्न राज मृगाङ्ग रस
- ब्रह्मी वरी
- माणि पर्पली वरी



शाल्व यन्त्र

(१) मुक्ता (pearl)

- मुक्ता (Mukta)

Ref. - रत्नशास्त्र

पर्याय - मुक्ता

- फल

- सुक्तीज

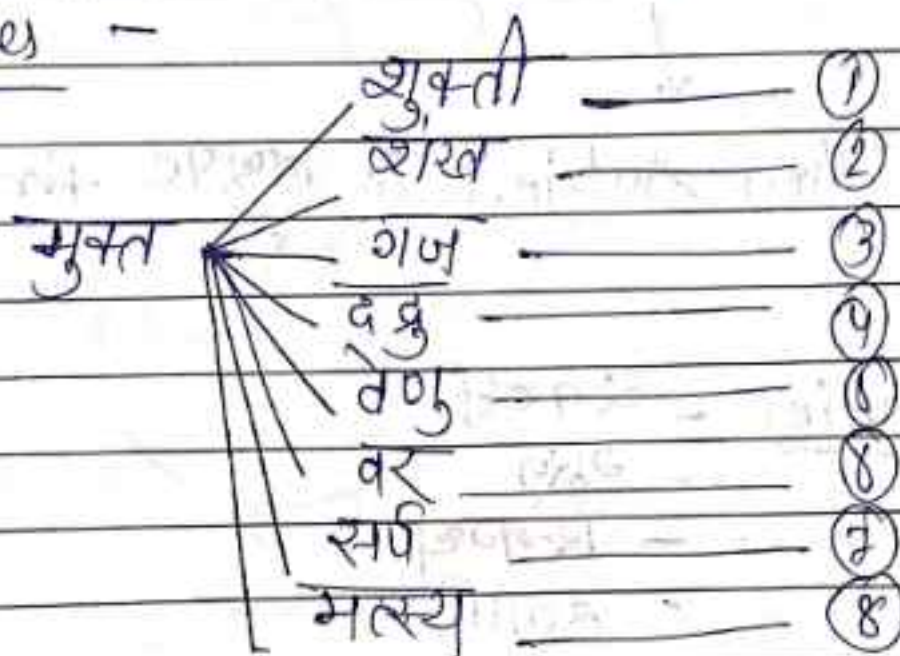
- शशि रत्न

- चन्द्र रत्न

- विन्दु फल

- सौम्य

Types -



• शोधन प्रक्रिया -

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Take मुक्ता in सोलायन्त्र



Add जात्यादि रक्कस



Do स्वेदन for 3 hrs

सार -

Take शोधित मुक्त in खल्व यन्त्र



Add गुलाब जल



do भावना



Then Subject to लघुपट for 3 time

properties - स्वच्छ

- गुरु
- रिनगध
- हलादि
- खूबत
- तयो प्रभा
- लघु

Indication - स्वास

- कास
- नेत्ररोग
- जीर्णज्वर

मात्रा - $\frac{1}{4}$ - 1 रत्ति

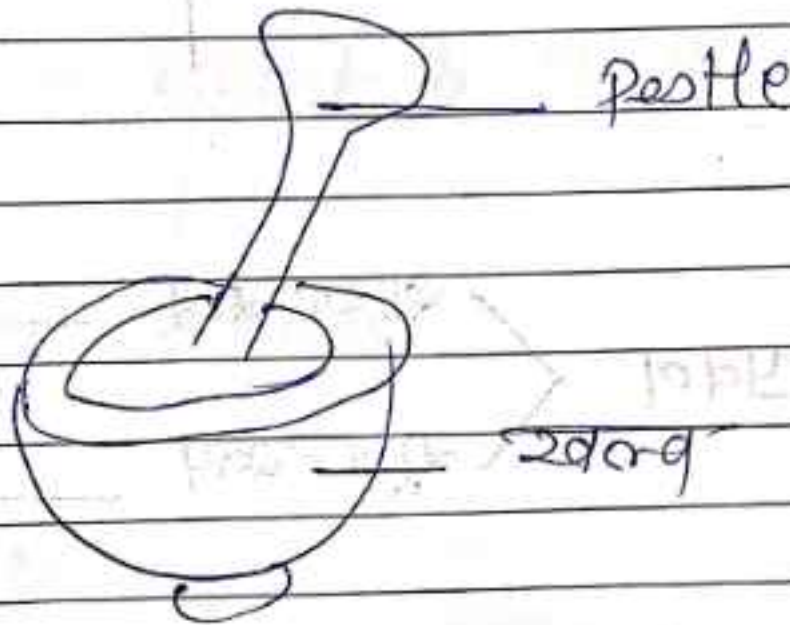
आमयिक प्रयोग

चिन्तामणी रस

- शहणी-कपूत रस

- कषाय केवरी रस

- वसन्तमील रस



• खल्व यन्त्र

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

(3) प्रवला (coral)

प्रवला (pravala)

Ref. - रसशास्त्र

पथसि - रक्ताङ्गु
- लतामणि
- रक्ताङ्कुर
- विष्णुवर्म

Types -

प्रवला $\left\{ \begin{array}{l} \text{शाखा रूप} \text{ ————— } (1) \\ \text{मूल रूप} \text{ ————— } (2) \end{array} \right.$

• शोधन प्रक्रिया -

take अशुद्ध प्रवला



add अम्लीय वर्ग द्रव्य



do स्नेदन



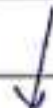
for 3 hrs (1 यम)

साधना -

Take शोधित प्रवाल १० खल्ल यंत्र



Do भावना using कुमारी स्वरस



then subject to गुणक



for 3 times.

Properties -

- पक्का विम्बफल वर्ण
- सूवच्छ
- स्निग्ध
- गुरु

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

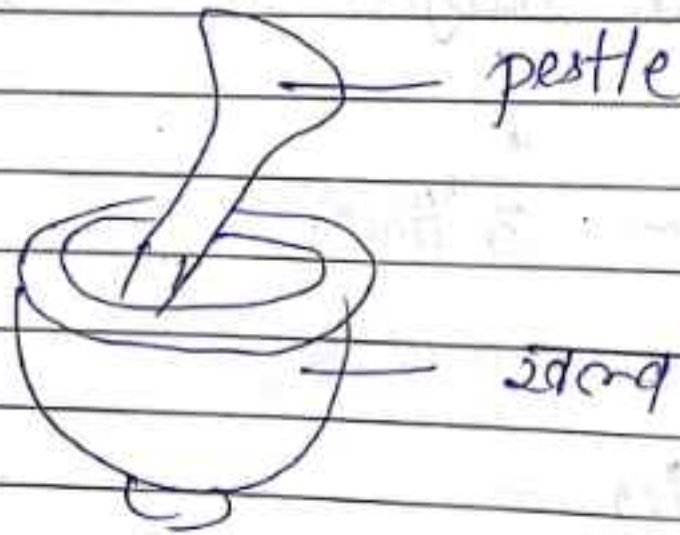
Indication - अग्नि मन्ध

- नेत्र रोग
- रसायन
- शत्रु अति स्वेद

मात्रा - $\frac{1}{2}$ - 1 सेति

आमयिक प्रयोग -

- कस्तूरी भैरव रस
- अपूर्व मालनी वसन्त रस
- पुवन मुक्तादि योग
- कञ्चनाभ्र रस



मर्तल यन्त्र

मर्कत

(4) पन्न (गुरुणा मर्कत)

also called मर्कत

- पन्न (panna)

पर्याय - लाक्षरी

- बुध रत्न

- हरिद्रवण

- हरिमणि

Ref. - रसवैजयन्त

Types

पन्न / मरकत $\left\{ \begin{array}{l} \text{नील} \text{ --- } ① \\ \text{श्वेत} \text{ --- } ② \\ \text{हरीत} \text{ --- } ③ \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया

Take अशुद्ध मरकत in खल्ल यन्त्र



Triturate it



Take गोदूध in ढोला यन्त्र



Do स्वेदन for 3 hrs.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

सारण

Take शोधित वन in खण्ड यन्त्र

↓
Add शोधित गन्धक, मनशिल, हरताल

↓
Mix it and add लकृच स्वरस

↓
Do भावना then Subject to गजपुट

↓
for 8 time.

Properties - हरीप्रवर्ण

- गुरु

- स्निग्ध

- मृक्षरुण

Indication - श्वास

- नेत्ररोग

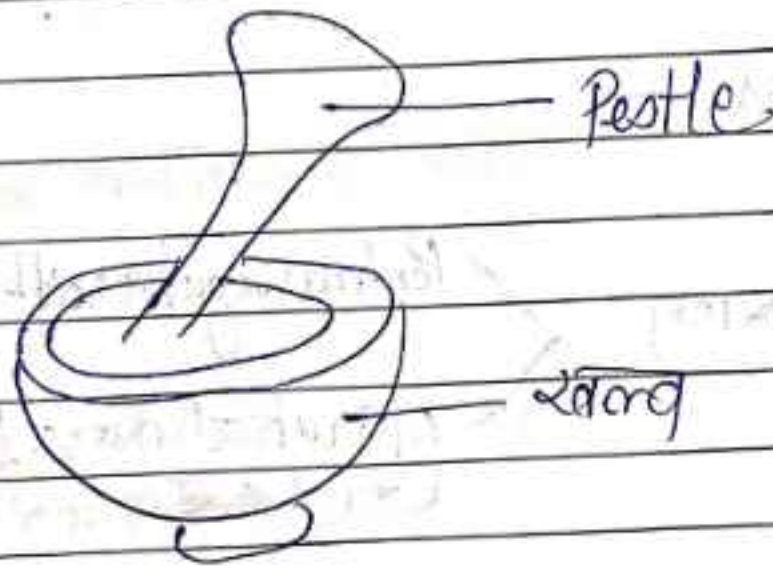
- विष

- ज्वर

मात्रा - $\frac{1}{4}$ - 1 इति

आमयिक यशोग

- नवरत्नराज मृगाङ्क रस
- मणी चर्पटी रस
- वेत्तन भगोतर रस



खोन्न यन्त्र

Join us on Telegram
MAG BOOK STORE

Date: / /

(5) पुरख रत्न (पुष्प राग)

- पुरख रत्न (Pukhraya)

Ref. - रसशास्त्र

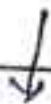
Types -

पद्मराग करोधभाव

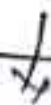
पुरखराज्य { Padmaragakarodbhava
Marakatkarodbhava,
(मरकतकरोधभाव)

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध पुरखराज in खल्ल रत्न



Triturate it add कुन्धा कषाय



do स्वेदन for 4 hrs.



शुद्ध पुरखराज Conduct.

AKOT -

Take शोधित पुरवराज in खन्कयन्त्र

↓
Add शुद्ध माणिक्य + हस्ताल + मंनशिल

↓
Add शुद्ध गन्धक

↓
Add निम्बु स्वस्व do भावना

↓
for 7 day and subject to

↓
गजपुट for 8 times.

Properties - गुरु
- सिग्ध
- शूल
- रूध

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

Indication - क्षर्दि
- दाह
- रक्त विकार
- कुष्ठ

मात्रा - $\frac{1}{4}$ - इ रत्ति

आमयिक प्रयोग - नवशुक्लराज मृगाङ्ग रस
 - मणि पूर्ण
 - शुक्लभगवत् रस

(6) वज्र

- वज्र. (Vajra)

Ref. - रसशास्त्र

Types - Based on gender.

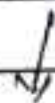
वज्र $\left\{ \begin{array}{l} \text{नर / पुंमवज्र} \\ \text{नारी / स्त्रीवज्र} \\ \text{नपुंसक / नपुंमवज्र} \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया -

Take वज्र add कुलता वचाय



do निर्वपि (कोद्रव)



for 7 days.

Join us on Telegram
MSS BOOK STORE

मरुत -

take शोधित वज्र in खल्व यन्त्र



add शुद्ध हरताल + मनशिल

↓
Add कर्षण मूल र-वर्ष

↓
do भावना then

↓
Subject to महापुट

↓
for 14 times, (Repeat it for 14)

properties - अल्लकोष
- पुष्पा
- कोक

Indication - त्रिदोष
- क्षय
- शोष
- पुमेह

मात्रा - $\frac{1}{32}$ - $\frac{1}{16}$ रन्ति

आमरिक प्रयोग -

- रत्न प्रभा पोटली
- वसन्त कुमार रस
- महालक्ष्मी विलस रस

खण्ड



• खण्ड यन्त्र

— ^{Shape of}
Suitable size and pestle for the

Join us on Telegram
MSU BOOK STORE

7) नील रत्न (Nilam)

- नील रत्न (Nilam)

Ref - रसशास्त्र

Types -

नील $\left\{ \begin{array}{l} \text{जल} \text{ --- ①} \\ \text{वन्द्य} \text{ --- ②} \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया -

नारक अशुद्ध नील रत्न



नारक कुलया चवाय



तो कोदुव निवर्ष



for 30 days for.

MIRO —

take शुद्ध नीलम in खन्व यन्त्र



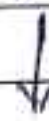
Add शुद्ध गन्धक and शुद्ध मन्त्रिल



add शुद्ध हवताल and लकुरा खर्वर



do the भावना then



Subject to गजपुर



for 8 times.

properties — गुरु
— स्निग्ध
— मृदु

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Indication — कफ
— श्वस
— कुष्ठ
— विषमज्वर

માત્રા - $\frac{1}{8}$ - $\frac{1}{2}$ રૂતિ .

આમરિક પ્રયોગ -

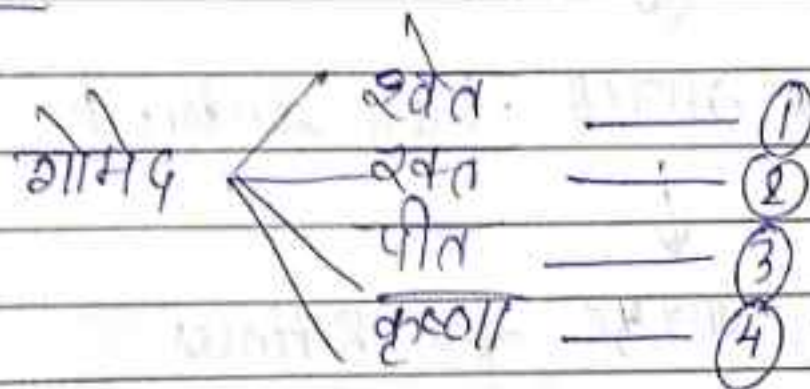
- નવરત્નરાણ મુગાડું રૂત
- મળી પપલી

(8) गोमेद

- गोमेद (Gomed)

Ref. - रसशास्त्र

Types -



शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध गोमेद

↓
Take निम्बु रस

↓
Do स्वेदन in दोलायन

↓
for 3 hrs.

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

सारण -

take शोधित गोमेद १० खल्ल यन्त्र

↓
Add शोधित गन्धक + मनशिल + हस्ताल

↓
Add कुलता स्वरस

↓
Do भावना then subject

↓
to गजमुट for 8 times

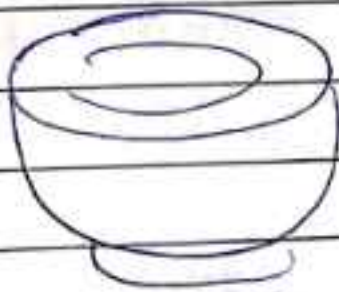
properties - मर्दु पद्मा
- मृदु
- गुरु
- शीत गो वसा वर्ण

Indication - मेघ
- क्षय
- पित्तविकार
- पाण्डू

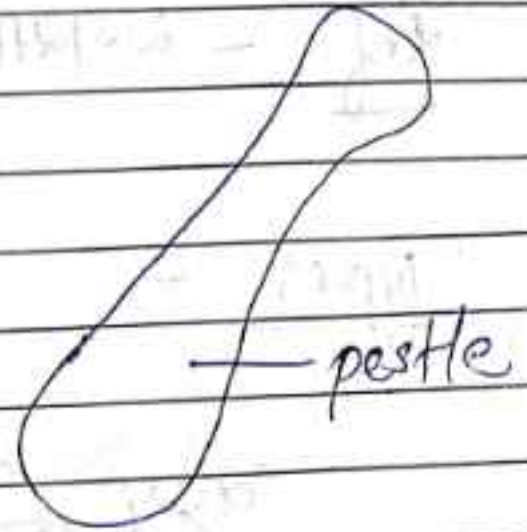
मात्रा - $\frac{1}{4}$ - १ रन्ति

आमयिक प्रयोग -

- गवर्लन राज मृगाङ्क रस
- रत्न प्रभा गोवर रस



मोर्तार



pestle

मोर्तार यन्त्र

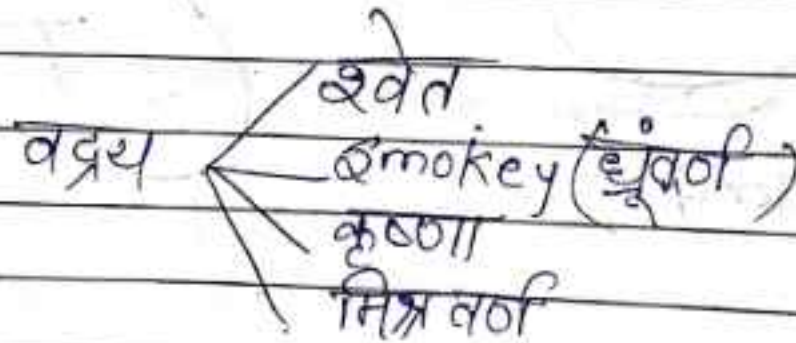
Join us on Telegram
M55 BOOK STORE

(v) वैदूर्य

वदूर्य (Vaidurya) : [cat's eye]

Ref. - रसशास्त्र

Types -



शोधन प्रक्रिया -

Take वदूर्य (अशुद्ध)



Add त्रिफला ववाय



Do स्वेदन



for 3 hrs.

सारणी -

Take शोधित वदय in खण्ड यन्त्र

↓
Add शो. हरताल + मनशिला + घण्टक

↓
Add कुलथा खवरस

↓
Do भावना then Subject

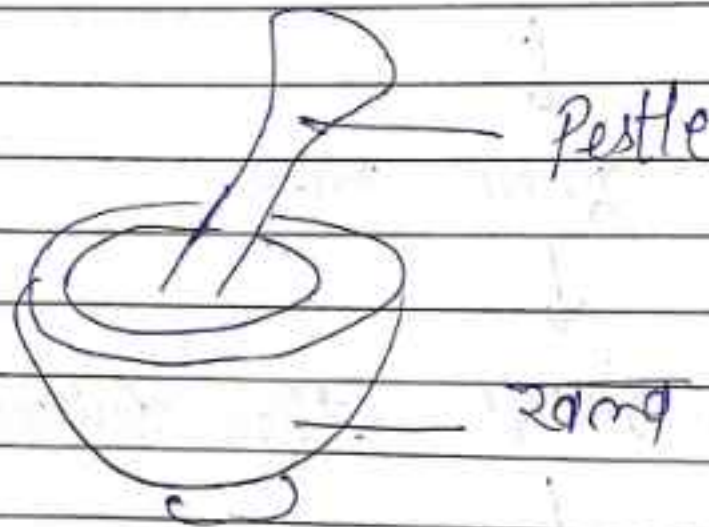
↓
to गणपुट नि 8 times.

properties - हरिप्रवर्ष
- गुरु
- स्निग्ध
- Lasture like cat's eye

Indication - रक्तपित्त
- गुल्म
- चक्षुच्य
- मेढर्यो

मात्रा - $\frac{1}{8}$ - 1 रत्ति

- आमसिक प्रयोग -
- चूर्णोत्पन्न
 - पिण्डोत्पन्न
 - नवश्लेष्मराज सुगावु रस
 - रत्नकुम्भागोत्र रस



खल यन्त्र

(विष)

Page No.	
Date	

- Name
- Ref.
- Major constituents
- शोधन प्रक्रिया
- toxicity
- Dosage
- Indication
- Anti dot
- formulation (आमरिक प्रयोग)

विष वर्ग

- | | | |
|------------|-------|---|
| - तत्सनाभि | _____ | ① |
| - मल्लिक | _____ | ② |
| - धातूर | _____ | ③ |
| - जराफल | _____ | ④ |
| - गुग्गुलु | _____ | ⑤ |
| - अहिफेन | _____ | ⑥ |
| - भंडा | _____ | ⑦ |

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

१॥ वत्सनाभ विष

वत्सनाभ (Vatsanabha)

Ref. - रसशास्त्र

Major Constituent -

- Aconifine
- Aconine
- Picrocone
- Picroconifine

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध वत्सनाभ in पात्र

↓
add गोमूत्र in the पात्र

↓
immersion for 3 day.

↓
Daily change गोमूत्र with fresh one.

↓
Till the pin does not

↓
This process is show perfectness.

Toxicity -

- Myocardial Infarction
- GIT irritation
- Giddiness
- Convulsion.

- Indication - कुष्ठ
- मधुमेह
- अपेचि
- शूल

मात्रा - 7.5 - 15mg.

- Antidote - एलकोल
- हरिद्र
- Atropine
- Digitalin

विशिष्ट योग
आयुर्वेदिक प्रयोग

- कलकुर रस
- त्रिभुवन कृति रस
- स जीवनी तेल
- अनन्त भैरव रस

+ शतव
यन्त्र
Diagram

Page No.
 Date
 (2) भैल्लातक

- भैल्लातक (bhallataka)

Ref - रसशास्त्र

Major Constituent -

- Seme Carpal
- Bhilwanol.

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध भैल्लातक



Add नारिकेल अम्ल / गोदुग्ध



Do स्वेदन for 1 घं

Note - 1 घं = 3 hours.

Toxicity -

- Dyspnoea
- Tachycardia
- Hypotension
- Coma.

Indication -

- गुल्म
- ब्रेह्मी
- कुल्ह
- आमश्म

मात्रा - 1 रति - 4 रति

(125 - 500 mg)

Antidote - दुग्ध
- घृत

आमयिक प्रयोग - भूम्नातक घृत
- भूम्नातक रसायन
- भूम्नातक अश्व
- सेजीवनी वली

१३] धातूरा

- धातूरा (Dhatūra)

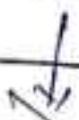
Ref. - रसशास्त्र

• Major Constituent -

- Hyoscyine
- Atropine
- Scopolamine

• शोधन प्रक्रिया -

Take धातूरा (अशुद्ध)



Add गोमूत्र



Do स्वेदन



for 12 hrs (4 यम)

• Toxicity -

- Giddiness — (1)
- Delirium — (2)
- Dysphagia — (3)
- Dysuria. — (4)

• Indication -

- अक्षेपक — (1)
- उन्माद — (2)
- आमविष — (3)
- वरि — (4)

• मात्रा -

25 - 50 mg.

- ## • Antidote -
- गोधूत — (1)
 - लवण जल — (2)

- ## आमयिक प्रयोग -
- कनकशुष
 - सूतशेखर रस
 - ह्यतूर तेल
 - महाकन तेल

(4) જયપાલ

- જયપાલ (Jaypal)

Ref. - રસશાસ્ત્ર

• Major Constituent -

- Crocin
- Crotonoside

• શોધન પ્રક્રિયા -

Take અશુદ્ધ જયપાલ



Remove the નિર્ધારિત shape part.



Do સ્તેવન for 3hrs



Using ગોદુઘ

Toxicity -

- Salivation
- Tachycardia
- Vertigo
- Vesication

Indication -
- अर्श
- अश्मरी
- शोथ
- उदर

मात्रा - 15 - 25 mg.

Antidote - निम्बु रस

आमयिक प्रयोग -
- इन्धुमेदू रस
- जलाक्षरी रस
- ज्वररी रस
- अज्जनक्षरी रस

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

Page No.
 Date
 (5) गुग्गुला

- गुग्गुला (Guggul)

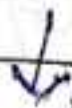
Ref. - रसशास्त्र

Major Constituent -

- Abrin
- Glycyrrhizin
- N-methyltryptophan.

शोधन प्रक्रिया -

Take गुग्गुला फल -



Add गोदुग्ध



Do स्वेदन in बेलथन



for 3 hrs.

Toxicity —

- Nausea
- Abdominal pain
- Diarrhoea
- Necrosis

Indication — इन्द्रमुक्त
— मुख पीक
— मेर
— कृमि

मात्रा — 50 - 150 mg.

Antidote — चक रस

आमयिक प्रयोग — गुंजा मूत्र रस
— गुंजादि तेल.

Page No.
 Date
 (6) अहिफेन

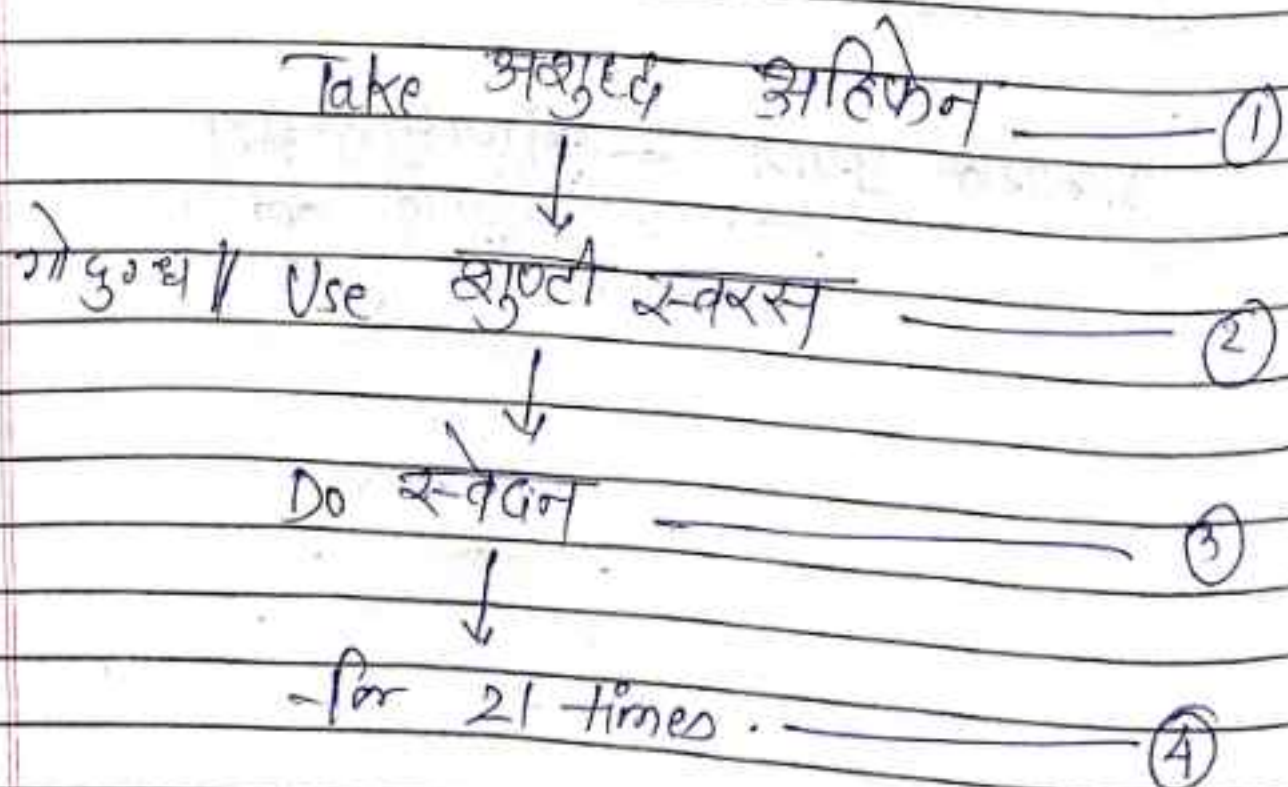
- अहिफेन (ahiphen)

Ref. - रसशास्त्र

Major Constituent -

- Morphine ——— ①
- Codein ——— ②
- Narcotin ——— ③
- Nascopine ——— ④

• शोधन प्रक्रिया -



Toxicity -

- Stage of excitement — ①
- Stage of Sopor — ②
- Stage of Necrosis — ③

Indication -

- रक्ततिसार — ①
- अतिसार — ②
- ज्वर — ③
- शूल — ④

• मात्रा — 60 - 125 mg.

Antidote -

- रीठाफल — ①
- मोहरी — ②
- सरसा — ③

आमशिक प्रयोग - अहिषेन अश्व
- कर्पूर रस
- निद्रादय वली
- क्षीर वली

(7) भांग

1. भांग (Bhang)

Ref: - रसशास्त्र

Major Constituent -

- Tetrahydrocannabinol

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध गांजा



Take गो घृह्य



Do स्वेदन



for 3 hrs.

Toxicity -

- Drowsiness
- Muscular weakness.

Indication -

- अर्श
- शूल
- अग्निमन्द

मात्रा - 250 - 500 mg
(2 रश्ति - 4 रश्ति)

Antidote - अम्ल रसात्मक

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

आमयिक प्रयोग - जातिफलदि चूर्ण
सतज्जोदय मोदक

साधारण रस

Page No.

Date

- कम्पिलक / कम्पलिक — (1)
- गौरी वाषण — (2)
- नक्सुआ — (3)
- कपड़े — (4)
- वहिनजरा — (5)
- गौरि सिन्दूर — (6)
- हिङ्गुल — (7)
- मृदु श्रुङ्गा — (8)

(1) कम्पलिक

- कम्पलिक (Kampallak)

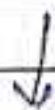
Ref. - रसशास्त्र

Types - not mentioned

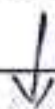
कम्पलिक -

• शोधन प्रक्रिया

Take कम्पलिक फल in खल्व रस



-Add महुलुङ्ग रस + निम्ब रस



Do भावना for 3 hrs.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

भारत -

No mentioned

property -

- Brick red Colour
- Granular in Consistena
- Luster

Indication - लक रोग
- कर्ण
- अध्मान
- गुल्म

मात्रा - 0.5 - 1 gm.

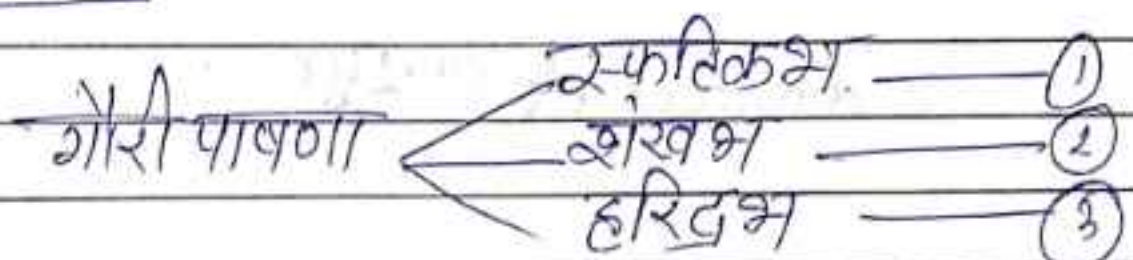
आमयिक प्रयोग - कृमिघ्न दली
- कम्पलिक चूर्ण
- कम्पलिकादि चूर्ण
- बिन्दु घृत

(2) गौरी पाषण

गौरी पाषण (Gauri pashan)

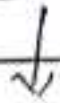
Ref. - रसशास्त्र

Types -



प्रायोगिक प्रक्रिया -

Take अशुद्ध गौरी पाषण



add गोदुग्ध and मेघनद रस



Do स्वेदन for 3 hrs.

Note - समय = 3 hrs.

मारण -

Take सोधित गोरी पावणा in खल्ल यन्त्र



Add अर्क वीर in खल्ल



Do भावना



Subject to लगुपुट

property -

- look like crystal white

Indication -

- कदास

- कास

- कुष्ठ

- वातव्याधि

मात्रा -

1-4 mg.

• आमयिक प्रयोग

- शुचिकभरण रस
- मूलवली
- समीरपन्ध रस
- तदवन्ल रस

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

(3) नक्सादर

- नक्सादर (Navasadar)

Ref - रसशास्त्र

Types -

नक्सादर $\left\{ \begin{array}{l} \text{खनिज} \text{ --- ①} \\ \text{वनस्पतिज} \text{ --- ②} \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया -

Take नक्सादर in खल्ले यन्त्र



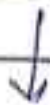
Triturate in powder form



take घोल in the vessel



Add जल and mix it



Heat it in अग्नि



Till the water molecule evaporate.

मरग - Not mentioned.

property - whitish in colour
- soft.

Indication - दीपन
- शुल्म
- प्लीहा
- अह्मान

मात्रा - 2-8 रत्ति

Join us on Telegram
M55 BOOK STORE

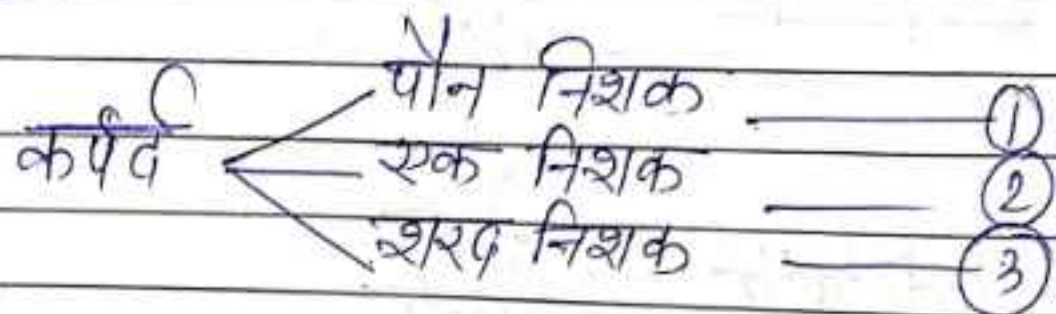
आमयिक प्रयोग - कंशपा चर्पली
- द्रवक रस
- राजवेल्लभ रस

(4) कपद

कपद (Kapardak)

Ref: - रसशास्त्र

Types -



लोचन प्रक्रिया

Take अशुद्ध कपद



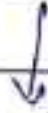
add कुलशा चवाथ



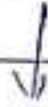
do स्वेदन for 3hrs.

परीक्षण -

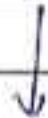
Take रोहित कपड़े in खाली रस



Add निम्बु खरस



Do भावना then



Subjected to गजपुट



for 3 times.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

properties - Yellowish

- अधिकतम उष्ण

- दीर्घ वृत्त (sufficient in length)

Indication - परिणाम अक्षुण्ण

- शहणी

- चक्षुः

मात्रा - 2-4 रत्ति

आमयिक प्रयोग -

- पदरत्नक रस
- लवंगादि वृक्षी
- प्रकल पंचामृत
- राजसृगाङ्ग रस

(5) वहिंजार

Page No.	
Date	

वहिंजार (Vanhijar)

Ref. - रसशास्त्र

Types -

० शोधन प्रक्रिया -

- It is naturally शुद्ध
- in alkaline seawater.
- That's way no need to purify

Join us on Telegram
@BOOK STORE

मात्रा

Property

- लघु
- सुगन्धि
- insoluble in water
- भस्म वर्ण

Indication

- वातरोग
- पक्षघात वृषीकर
- मेहरोग
- कफ रोग

मात्रा

- 30-60mg.

आमयिक प्रयोग

- बृहत् वातरचितमणिरस
- शकुती रस

(6) गिरि सिन्दूर

- गिरि सिन्दूर (Giri Sindoor)

Ref. - रस शास्त्र

Types -

गिरि सिन्दूर { गिरि सिन्दूर — (1)
नाग सिन्दूर — (2)

शोधन प्रक्रिया -

Take गिरि सिन्दूर in खल्ल यन्त्र



Temperate it



add ~~अधिक~~ बरस (जम्बीर)



add तापूलक



do स्वेपन

Join us on Telegram
@320K STORE

मात्रा -

Property - सत रेणु with lustre.

Indication -
- वृणशोधन
- नेत्ररोग
- अस्थिसन्धानकर
- क्षातुनाद

मात्रा - As per requirement.

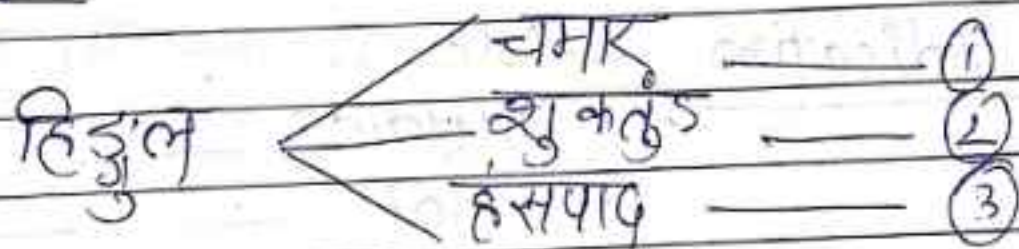
आमशिक प्रयोग -
- सिन्दुरादि लेप
- गन्धक मूलहर
- पददारा लेप मूलहर

(7) हिङ्गुल

- हिङ्गुल (Hingula)

Ref. - रसशास्त्र

Types -



• शोधन प्रक्रिया -

Take हिङ्गुल in खल्ल यन्त्र



add अद्रक स्वरस / लकुच स्वरस



Do भावना



for 7 times

Join us on Telegram
MISS BOOK STORE

Take शोधित हिंगुल + अर्क रक्सा + भत

मार्ग

लंका चूर्ण in खल यन्त्र

make मर्दन and make चक्रकर

kept शराव सम्पुट and subject its मन्दा

Property — श्वेतरेखा — (1)
 — हंसपाद — (2)
 — प्रवलभा — (3)

Indication — एन्तर — (1)
 — आमवात — (2)
 — प्लीहा — (3)
 — कुष्ठ — (4)
 — रसायना — (5)

मात्रा — 60 - 240 mg.

आमयिक प्रयोग — हिङ्गुलेश्वर रस
 — आनंदेश्वर रस
 — वसंत मालती रस

(8) मृदार शृंग

- मृदार शृंग (Mriddashringa).

Ref. - स्तनशास्त्र

Types -

मृदार शृंग $\left\{ \begin{array}{l} \text{पीत वर्ण} \text{ --- } (1) \\ \text{पाँड़ू} \text{ --- } (2) \\ \text{कृत्रिम} \text{ --- } (3) \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया -

Take मृदार शृंग in खल्व यन्त्र



Triturate it in fine चूर्ण



Add water and



Sieve through cotton cloth.



मर्दिन with जल



for 15 days.

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE



शक्र —

property — Reddish
 — Yellowish
 — Having lusture

Indication — दन्त
 — कण्ठ
 — पीरंग.
 — उपदन्त

Dose — External Purpose : 100g शक्र + 25g
 (125 - 500mg) ← internal.

धातु वर्ग

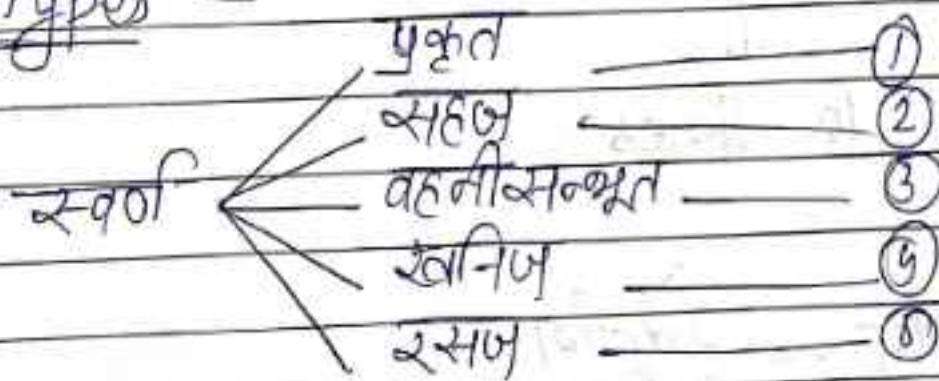
Page No.	
Date	

(1) स्वर्ण (Au)

- स्वर्ण (Gold)

Ref - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -



• शोधन प्रक्रिया -

Take स्वर्ण in खल्व रत्न



Triturate it and add जम्बीर रस



do निर्वीप - नि 7 times

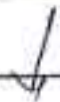


Heat and deeping procedure

Join us on telegram
MS6 BOOK STORE

HIKOT —

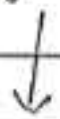
Take शोधित स्वरुप 1m खाली पेट



add पाउडर and पाउडर मेसम



Then Subject to लपेट



10 times

property — श्वेतांग
— कठिन
— विवर्ण
— रक्षा

Indication — प्रमेह — ①
— आमवात — ②
— काश्म — ③
— श्वास — ④
— कास — ⑤

मात्रा — 15-30mg.

आमयिक प्रयोग -

- सुवर्ण पुरा
- हेमागर्भ रस
- सुभम् पर्वली
- सुतशेखर वली

Join us on Telegram
@55 BOOK STONE

(2) रजत (Silver - 19)

- रजत (Rajata)

Ref - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -

रजत $\left\{ \begin{array}{l} \text{सहज} \text{ --- } (1) \\ \text{खनिज} \text{ --- } (2) \\ \text{कृत्रिम} \text{ --- } (3) \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया -

Take रजत



Take अंगरूप स्वप्न



Do the सिक्कि



for 3 times .

Harol -

Take शोधित रजत



add माक्षिक, रेनुही and क्षीर



Subject को गजपुट



for 3-7 time



get रजत ग्राम.

property - शंखभाम
- चन्द्रवातर-वचम
- मषरुनम
- शफोथाराहितम

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

Indication - नेत्ररोग
- पाण्डू रोग
- गुल्म
- उदर

मात्रा - 30 - 60mg

આભશિક પ્રયોગ —

- adantakusumakar રસ
- લક્ષ્મી વિલાસ રસ
- મહા યોગ રાજ
- ચન્દ્રદલ્ય રસ

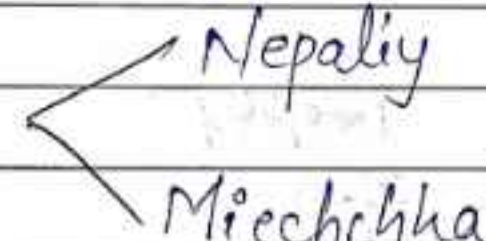
Page No. _____
Date _____

(3) ताम्रा (Copper) (Cu)

- ताम्रा (Tamra)

Ref. - रसशास्त्र / धातुवर्ग

Types -

ताम्रा 
Nepaliy
Miechichha

शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध ताम्रा



add निम्बुखरस



Do निर्वपि



for 8 times.

मारण -

take शोधित ताम्रा



Add वायुनिम्बु रस



Subject to गजपुट

properties -
- सिग्ध
- गुरु
- मृदु

Indication -
- यकृत
- प्लीहा रोग
- कुमि
- परिणाम रूल

मात्रा - 60 - 120 mg

आमशिक प्रयोग -

- आरोग्य वृद्धिनी वली
- ताम्रा पपुली
- लक्ष्मी विलास रस
- कषारा केशरी रस

(4) लोह (Iron - Fe)

- लोह (Loha)

Ref - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -

लोह $\left\{ \begin{array}{l} मृद \\ तीक्ष्ण \\ कठ \end{array} \right. \begin{array}{l} \text{--- ①} \\ \text{--- ②} \\ \text{--- ③} \end{array}$

प्रोद्यन प्रक्रिया -

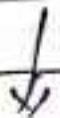
Take लोह



Add त्रिफल चूर्ण



Do the निर्वपि



for 7 times

Join us on Telegram
MAG BOOK STORE

मारा -

Take शोधित लोह

↓
Add त्रिफल गोमूत्र ववाय

↓
Subjected to गजपुट

↓
for 30-50 times.

properties - तन्या
- मृदु

Indication - मेदोरोग
- कामला
- कृमि

मात्रा - 30-240mg

आमयिक प्रयोग - पञ्चामृतपूरी
- सप्तसित लोह
- चन्द्रकाल रस
- कस्तूरी औरक रस

5) नाग (lead - Pb) (ores)

पर्याय - सीसकं
- नागकं
- नाग

Ref. - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -

नाग $\left\{ \begin{array}{l} \text{कुमार} \\ \text{समं} \end{array} \right.$

Join us on Telegram
@56 BOOK STORE

शोधन प्रक्रिया -

Ingredient - नाग - 500 gm.
- निरगुडी मूल स्वरस - 10 kg

Method of Preparation -

Take निरगुडी स्वरस in vessel.

↓
Cover with छिद्र युक्त पिछाक

↓
Take नाग in प्रवि and melt it.

↓
pour it through सिंदूर .
↓

Cover the hole immediately

↓
Repeat for 7 times.

(R.T.)

मीर -

Ingredient -
- शुद्ध नाग - 1 part
- मनशिला - 1 part
- चिञ्चा - $\frac{1}{4}$
- पिप्पली चूर्ण - $\frac{1}{4}$
- कज्जीक - 0.5

Procedure -

Take नाग in शराव melt it

↓
add चिञ्चा and पिप्पली चूर्ण

↓
mix with लोह द्रवि

↓
tilt it become चूर्णित

↓
add मनशिला and कज्जी

↓
make चक्रकीर्ण and kept in शराब

↓
make सम्पुट & give 60 गजपुर

properties -

रस - मधुर

वीर्य - वृद्ध

विपाक - कटु

गुण - स्निग्ध

Indication - प्रमेह
- रक्तार्श
- वात-कफज प्रमेह

मात्रा - $\frac{1}{4}$ to 4 इन्ति
(30 - 125 mg)

योग - नाग भस्म
- त्रिवङ्ग भस्म
- कर्म वृद्धिपल्लवी विलास रस

Join us on telegram
M50 BOOK STORE

६) वङ्ग

- वङ्ग (Vanga)

Ref. - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -
वङ्ग $\left\{ \begin{array}{l} \text{सुरक (श्रेष्ठ)} \text{ --- ①} \\ \text{मिश्रक} \text{ --- ②} \end{array} \right.$

ओषधि प्रक्रिया -

Ingredient - वङ्ग
- निरगुडी स्वरस
- हरिद्र

Ref. - रसतन्त्रिणी .

procedure -

Take पीत रस

↓
add निरगुडी स्वरस and हरिद्र रस

↓
add melted वङ्ग एवं through धूप

↓
close this repeat this
↓
process for 3 times.

आरोग्य -

Ingredient - वाङ्मय
- शुद्ध हरतान
- चिचकार
- अर्कपुष्प
- पिप्पली शर्करा

procedure -

Take अर्कपुष्प in गन्ध यन्त्र

↓
add हरतान make paste

↓
apply on पत्र.

↓
dry it then kept in शीत

↓
which is having चिचकार

↓
add पिप्पली शर्करा

↓
make संग्रह

↓
उ लपुट करे.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

properties -

रस - तिक्त
अम्ल

गुण - रुक्ष

वीर्य - उष्ण

विपाक - मधुर

मात्रा - 1-2 रत्ति

Indication - प्रमेह

- पाण्डू

- गुल्म

- अग्निमन्द्य

- विबन्ध

विशिष्ट योग - वंगभस्म

- स्वर्ण वड्ड

7) यशद (Zinc - Zn)

- यशद (yasada)

Ref. - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types -

शोधन प्रक्रिया -

Ingredient - यशद
- निरगुडी स्वरस .

Ref. - रसतंगिनी

Procedure -

Join us on Telegram
@56 BOOK STORE

Take निरगुडी स्वरस in पितरयन्त्र

↓

add यशद ड्रावि .

↓

Repeat it 7 times .

સારા -

Ingredient - શુદ્ધ ચશક
- અપમાર્ગ ચૂર્ણ - ૧.૬.

Ref. - રસ તરંગિની

procedure -

Take શુદ્ધ ચશક in લોહ પત્ર

↓
Subject to અગ્નિ, melt it.

↓
add અપમાર્ગ ચૂર્ણ slowly

↓
make stir until it

↓
turned into fine ચૂર્ણ form

↓
Shift the દ્રવ્ય in શિરાવ.

↓
give અગ્નિ until it turn red hot.

properties -

ગુણ - લઘુ
- સુધા

रस - कषाय .

विक्त

वीर्य - शीत

विपाक - कटु

मात्रा - $1/2$ - 1 गुण्डा

विशेष योग - यशद भस्म

- त्रिवङ्ग भस्म

- यशद पुष्प .

- यशदामृत मन्त्र .

Indication - कस

- श्वास

- पक्ष्याघात

- राज्यक्षम .

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

8) मिश्र लोह

① पि-तला (pittala) (3/5m)

- made up of ताम्र (2 part)
यशद (1 part).

Ref. - रसशास्त्र / धातु वर्ग

Types $\left\{ \begin{array}{l} \text{शीतिका} \text{ — ①} \\ \text{काकतुण्डी} \text{ — ②} \end{array} \right.$

शोधन प्रक्रिया —

Ingredient — पीतला
— निरगुडी स्वस्स
— हरिद्र

Ref. - रस रत्न समूहर्चन

procedure -

Take पीतला heated to red hot
↓
dipped in the निरगुडी स्वस्स
↓
mixed with हरिद्र



Repeat it for 7 times.

गारण - शोधित गन्धक
- मनशिल
- निम्बु स्वरस
- पीतल

procedure -

शोधित गन्धक and मनशिल



do मर्दन with निम्बु स्वरस



applied to the foils of पीतल



dry it Subject to ३८°



for 8 times.

properties - पीत वर्ण
- शुक्ल
- मृदु
- जीतवीर्य

मात्रा - 1/2 - 1 रत्ति

Join us on Telegram
@156 BOOK STORE

Classmate
Date _____
Page _____

Indication - अकृत
- प्लीहा
- कृमिरोग
- रक्तपित्त
- कुष्ठ रोग

विशिष्ट योग - पीतल रसायना
- रत्न पुष्पा
- पीतल भस्मा
- स्वर्ण सिन्धूर

② कांस्य (Kāmsya) (Bronze)

- also called dull metal.

Ref. - रस शास्त्र / धातु वर्ग

Types - पुष्प (अति श्वेत)
तैलिक (कृष्ण)

शोधन प्रक्रिया -

Ingredient - कांस्य
- गोमूत्र

Ref. - रस रत्न समूह

Procedure - निर्वप

Take गो/पु कांस्य

↓
heat it to red hot

↓
dipped into गोमूत्र

↓
Repeat it 7 time.

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

निर्वप .

मारण -

Ingredient - गन्धक
- हरताल
- निम्बु स्वरस
- कांस्य पत्र

procedure -

Take गन्धक and हरताल in खन्वयेंत

↓
add निम्बु स्वरस do मर्दन

↓
applied on कांस्य पत्र

↓
dried it Subject to पूर

↓
Do this 5 time

↓
get भस्म

properties - तीक्ष्ण शल्य

- स्निग्ध

- मृदु

- निर्मल

- दाह रक्ता

(When Subject to अग्नि
become Red hot)

मात्रा - 50 - 100mg.

Indication -
- प्रमेह
- कुष्ठ
- कुमि
- अक्षि

विशिष्ट योग -
- कांस्थ अस्म
- लक्ष्मी विलास रस
- निव्यान्ध रस
- चिन्तामणी रस

Join us on Telegram
M55 BOOK STORE

Page
(3) कचलोह / वर्तलोह (white metal)

Ref - रसशास्त्र | धातु की

Types - -

Made of - - ताम्र
- लोह
- कांस्य
- पीतल
- नाग

शोधन प्रक्रिया - Ref - रसवल्लभा
सामूहिका

Ingredient - वर्तलोह
- तैल
- तक्र
- गोमूत्र
- कुलथा चवथा
- अजमूत्र

शोधन -

Take वर्तलोह heat it,
↓
dipped into तैल

- तक्र
 - गोमूत्र
 - कुल्या वंवाथ
 - अजमूत्र
- } Individually
heat it and
dip it in follow

Repeat it for 7 times.

Note - वर्त लोह heat, deep → तेल (7time)
 - ————— → तक्र (7time)
 - ————— → गोमूत्र
 - etc.

मार्ग -

Ingredient - अर्क क्षीर
 - वर्त लोह
 - गन्धक
 - हरताल

Procedure -

Take अर्क क्षीर in खल्ल यन्त्र

↓
add हरताल and गन्धक

↓
make paste applied on वर्त लोह पत्र

↓
dry it Subject to सूट.

↓
5 times.

Join us on Telegram
MEG BOOK STORE

Page
Properties - कटु
- रुक्ष
- आमल विपाक
- इति वीर्य

मात्रा - $\frac{1}{2}$ - 1 रत्ति

Indications - नेत्र्य
- दीपक
- पान्चक
- रुचि
- सर्व रोग

विशिष्ट योग - -

सुधावर्ग

Page No.	
Date	

(1) शंख ($CaCO_3$)

- शंख (Shankha)

Ref - रसशास्त्र / सुधावर्ग

Types -

शंख $\left\{ \begin{array}{l} \text{Turbinella Rape} \text{ --- ①} \\ \text{Turbinella pyrum} \text{ --- ②} \\ \text{Xancho pyrum} \text{ --- ③} \end{array} \right.$

• शोधन प्रक्रिया -

Take अशुद्ध शंख in खल्व यन्त्र



Triturate it in powder form



add कज्जी द्रव्य



Do स्वेदन

Join us on Telegram
REC BOOK STORE

शक्र -

Take शोधित शक्र in खल्व रन्म

add निम्ब स्वरस

Do भावना

Subject को गजपुट

for 02 times.

Properties - Dakshinavarta (Right faced) - Best for शो
- वमवर्त (Left faced) - for medical purpose

Indication -
- उदर अन्न - अजीर्ण
- रक्त रोग - अग्नि मून्ध
- गुल्म - गृहणी
- प्लीहा रोग - अम्ल पित्त
- पित्त ज्वर

मात्रा - 250-300 mg.

- आमयिक प्रयोग - शंख भस्म
- पुवल पञ्चासूत
 - विषमज्वरवल्नकार
 - पुवल कपट रस

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

Ref. - रसशास्त्र सिंधुदा वगै

સુવિદ્ય  સુવિદ્ય  મુક્ત
જલ

Take अशुद्ध सुक्ति in खण्ड यन्त्र

triturate it in fine yel

↓
Add अमल रस / ज्यन्तिश्वर रस

Do Revision

मरण -

Take शोधित सुक्ति in खण्ड यन्त्र

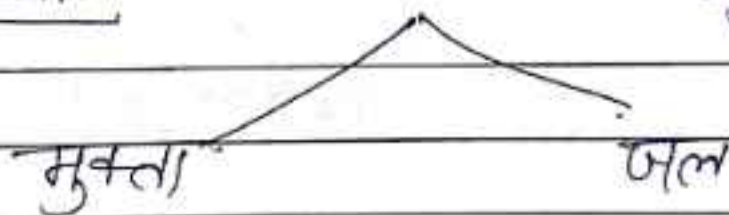
↓
Add कुमारी स्वरस

↓
Do भौदना then

↓
Subject to गणपुट

↓
for 3 time.

Properties -



- More in Length Diameter
- Having rainbow Colour

- Less in Length diameter
- whitish in colour.

Join us on Telegram
M50 BOOK STORE

Indication - उपर शूल
- रक्त रोग
- गुल्म
- प्लीहा रोग
- पित्तज ज्वर

मात्रा ~ 250 - 500 mg

आमयिक प्रयोग -

- महाभन्धक
- वेदवर्णन रस
- अष्टाहृत रस
- कमपुष्प रस

(3) मृग शृंगा (Deer Horn) (CaCO_3)

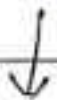
- मृग शृंगा (Mrga Shringa)

Ref: - रसशास्त्र / सुधा वर्ग

Types - शृंगा

शोधित प्रक्रिया -

Take अशुद्ध मृग शृङ्गा



add अम्लवर्ग रस



Do स्वेदन

Join us on Telegram
MSS BOOK STORE

मारण -

Take शोधित मृगशृङ्गा in खट्वरन्त्र



add अर्क कीर दो भावना



Subjected to गरुड पुर



for 3 times

Page No.
 Date
 Properties - Heavy
- strong with Branching
- should Not be warm infected

Indication - हृदय रूल
- हिवका
- श्वास
- शिरा रूल

मात्रा - 125 - 250 mg
(1 रत्ति - 2 रत्ति)

आमयिक प्रयोग - मृगशृङ्गा मरम
- ज्वरा कुश रस
- त्रिनेत्र रस
- बलार्क रस

Page No.
 Date

(4) कुकुटांडु लवक (Hen Egg shell)

- कुकुटांडु लवक (Kukkutanda Twaka)

Ref - रसशास्त्र / सुधावर्ग

Types -

शोधन प्रक्रिया -

Take कुकुटांडु लवक in खल्ल यंत्र



Triturate it and add water



wash it and filter it



Repeat this process 4-6 days.

मारण -

Take शोधित कुकुटाडु त्वक in खल्व यन्त्र

↓
add चेङ्गारी स्वरस, शु. हिङ्गुल, घृत

↓
mix it and add कुमारी स्वरस

↓
Do भावना then subject to

↓
गज पुट नीर 2 times.

Properties -

- clear
- whitish in colour.
- not infected by worm.

Indication -

- हृदय रोग
- शुक्र विकार
- प्रमेह
- कफ प्रकोप

मात्रा -

125 - 500 mg

आमयिक प्रयोग -

- शुखवली वर्ती
- दृष्टि प्रधान वर्ती
- मुक्तादि महा अभ्यसः

Join us on Telegram
MSS BOOK STORE

(5) गोवन्ती (Gypsum)

- गोदन्ती (Godanti)

- Ref - रसशास्त्र / सुधावर्ग

Types - गोदन्ती

शोधन प्रक्रिया -

Take गोदन्ती in खल्व यन्त्र



Add निम्बु रस



Do स्वेदन

मरण -

Take शोधित गोदन्ती in खल्व यन्त्र



add निम्बु पत्र रस



do भावना then



'Subjected' to गजपूर

↓
for 3 times.

Properties -
- slippery
- Transparent
- clear
- whitish

Indication -
- पित्तबु ज्वर
- जीर्ण ज्वर
- वक्कृशत

मात्र - 500mg

आमयिक प्रयोग -
- मुक्तादि क्री
- कस्सीस गोदन्ती भस्मा
- मिरवेदन दूध
- स्नुधा सेवत योग.

Join us on Telegram
@56 BOOK STORE

(6) सुधा (lime)

- सुधा (Sudha)

Ref. - रसशास्त्र / सुधा वर्ग

Types -

• शोधन प्रक्रिया -

Take सुधा and जल in पात्र



leave for 12 hrs.



collect upper sediment portion.



~~मिश्रण~~

filter it through filter paper



Store in Yellow colour glass



do proper Sealing.

Properties -

Indication -
 - अतिसार
 - अम्लपित्त
 - शूल
 - ग्रहणी
 - अजीर्ण

मात्रा -
 1 - 60 drop
 2 - तेल

आमशिक प्रयोग - सुधा पपली

Join us on Telegram
 @50800K STORE

Page No.
 Date

--	--	--

(7) कपर्द (*Cypripaea moneta* linn).

- कपर्द (Karpada)

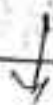
Ref. - रसशास्त्र / सुधा वर्ग

Types -

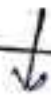
कपर्द $\begin{cases} \text{वर्तिका} & \text{--- ①} \\ \text{वर्ती} & \text{--- ②} \end{cases}$

शोधन प्रक्रिया -

Take कपर्द in खण्ड यन्त्र



Triturate in fine powder



do स्वेदन in ढोला यन्त्र



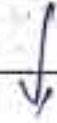
Using अम्ल वर्ग द्रव्य



for 3 hrs.

पारण -

Take कपड़ in शरव



keep on fire until it turn



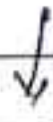
into Red hot colour



स्वादु, शीतल



make powder



then filter through cloth.

Properties - वात हर्
- उष्ण वीर्य

Indication - परिणाम शूल
- ग्रहणी
- क्षय
- कण्डू

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

मात्रा - - २ रत्ति

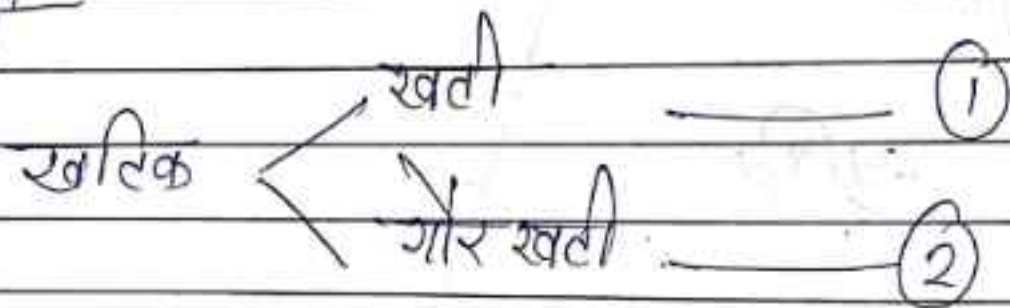
आमयिक प्रयोग - अग्नि कुमार रस
- कपटक रस
- भास्कर रस
- रत्नगर्भ पौलनी रस

(8) खलिक (Chalk)

- खलिक (Khatika)

Ref. - स्मशान / सुधा वर्ग

Types -

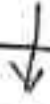


शोधन प्रक्रिया -

Take खलिक in खल्व यन्त्र



Triturate in fine powder



take the चूर्ण of खलिक in pure vessel



add water and mixing it



filter it and Dry in sun light.

मारण -

properties - शीत वीर्य

Indication -
 - अतिसार
 - नेत्ररोग
 - शोथ
 - वर्ण

मात्रा - 1 माष

आमयिक प्रयोग - खलिकादि के पेश
 - मृग्धा रस

Join us on telegram
 @B6 BOOK STORE

Page No.
 Date
 (9) समुद्र फेन (attle fish bone)

- समुद्र फेन (Samudra phena)

Ref: - रसशास्त्र / सुधा वर्ग

Types -

खल्व समुद्र फेन
 कृष्णारूप
 पिप्पल कु कुती
 तुल्य शूति
 कोशेय शूति

शोधन प्रक्रिया -

Take समुद्र फेन in खल्व यन्त्र



triturate in fine form.



do ~~स्वेदन~~ in दोला यन्त्र, do भावना



with निम्बु स्वरस



for 4 hrs.

Properties - शीत वीर्य
- कफानशक

Indication - कर्ण सूत्राव
- विष रोग
- नेत्र रोग
- कुष्ठ रोग

Dose - श्रुति

आमयिक प्रयोग - सुखावली वर्ति
- दृष्टि प्रधान वर्ति
- दन्त वर्ति
- महा नील गुलिक

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

सिक्त वर्ग

- सिक्ता
- दुग्ध पश्न ✓
- माण पश्न ✓
- बदरशम ✓
- व्योमशम
- Kousheyashma ✓
- aRika.

(1) सिक्ता (Silica)

- सिक्ता (Sikata)

Ref. - रसशास्त्र / सिक्ता वर्ग

Types - colour $\left\{ \begin{array}{l} \text{पीत} \\ \text{रक्त} \end{array} \right.$

Size $\left\{ \begin{array}{l} \text{crystal form} \\ \text{moderate crystal form} \end{array} \right.$

शोधन - श्री take सिक्ता

not mentioned

↓
pound in powder form

↓
add गुलाब जल

↓
mix it

मरण

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

Page no. _____
Date _____

properties - वातशमक
- शीत वीर्य

Indication - लेखन
- सन्तानि
- भ्रम
- वर्ण
- उरक्षत

आमयिक प्रयोग

(2) दुग्धपश्मान (Talc)

- दुग्धपश्मान (dugdha pashama)

Ref. - रसशास्त्र / सिकित वर्ग

Types

based on colour { श्वेत
पीत

Size { crystal form
moderate crystal form.

शोधन

Take सिकित दुग्धपश्मान in खल्ल यंत्र



pound into fine powder



add गुन्नाव जल .

मीर

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

properties - पित्तशामक
- शक्ति वीर्य

Indication - दन्तरोग
- पित्तपूजशूल
- हृदरोग
- ज्वर
- कस्त
- अतिसार
- श्वास

मात्रा - 1 गुञ्जा

योग -

(3) नागपश्चान (Serpentine)

- नागपश्चान / जहरमोहर (Nagapashana).

Ref. - रसशास्त्र / शिक्त वर्ग

Types -

शोधन प्रक्रिया -

not mentioned by अचार्य

Uniao यूनानी - used as पिछी form.

द्वारा भावना त गुलाबी अंक

सारण

Join us on Telegram
MAG BOOK STORE

Properties - हरिद्र
 - बल्य
 - मेहधा
 - ओज वृद्धि
 - विषहर

Indication - ओज वर्धक
 - विषहर
 - हृदय दोष निवृत्ति
 - क्षुधि
 - अतिसार
 - विस्मृति

मात्रा - 240 - 960 mg.

आमयिक प्रयोग - जलर मोहर रसायना
 - जलर मोहर पिष्टी
 - गोपन्ती मिश्रण
 - बलवली
 - मुक्तादि वली

वदराशम (Elixir of Lime)

Ref. - रस शास्त्र / सिक्त वर्ग

Types -

शोधन प्रक्रिया -

Take वदराशम



Subject to अग्नि



til it become Red hot



dipped into Raddish स्वरस



Repeat it 7 time.

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

सारण - Take शुद्ध वदराशम



add Raddish juice दो सेदिग



make चककीस → dry



Kept in शराब ←



Subject to छुट.



पिष्टी - take बदराशम चूर्ण

↓
add गुलाब जल

↓
do मर्दिन for 3-4 day

↓
till it become very सूक्ष्म चूर्ण

मात्रा - 4-8 रत्ति

Indication - पुष्क रोग
- मूत्र रोग

व्योमशम / संगेयशत (Jade)

- Vyomasham (व्योमशम)

Ref. - रसशास्त्र / सस्निक्त वर्ग

Types - not mentioned.

- having Yellow green colour
गुरु प्रकृति

शोधन प्रक्रिया -

Take व्योमशम in खल्व शक्ते



triturate it and add



अर्जन त्वक ववाद्य



do निर्वीप for 21 times.

Join us on Telegram
@SIDDHANTH

सारण -

take शोधित व्योमशमा

↓
add अर्जुन त्वक कषाय

↓
do मर्दन and made

↓
चक्रकिस kept in शरवा

↓
Subject to शरावसम्पूर

↓
Subject to गजपूर

↓
for 10 times.

properties - पीत वर्ण
- शुक्ल in nature

Page No.
 Date
 Indication - हृदय अति रूपन्दन
- आमाशय शूल
- पुवाहिक
- मूत्रवाह
- अश्मरी.

मात्रा - 120 - 480 mg.

C2 - 4 रति.

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE



कौशेयश्मा (asbestos)

- कौशेयश्म (Kausheyashma)

Ref. - रसशास्त्र / सिक्ता वर्ग

Types

इति धन प्रक्रिया

मार्ग

Take कौशेयश्मा चूर्ण in खन्वयन्त्र

↓
add कुमारी रस्वरस make paste

↓
make चक्रीस and dry it

↓
Subject to गजपूर for

↓
6-8 times.

properties - -

Indication - श्वेत स्तम्भक
- श्वेत प्रदर
- श्वेत प्रदर
- उन्माद
- प्रमेह

मात्रा - 240 - 480 mg.

Join us on Telegram
@MGBOOKSTORE

अकीक (agate)

- अकीक (akik)

- Ref. - रसशास्त्र / सिक्त वर्ग

Types -

शोधन

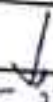
Ingredient - अकीक
- जल
- निम्बु स्वरस

मात्रा -

take अकीक in vessel in small pieces.



wash it and do 3hrs स्वेदन



in दोला यन्त्र by add निम्बु स्वरस



get भस्म / पिष्टी .

Page No.
 Date
 मेरो - - -

Indication - रक्त पित्त
- हृदय रोग
- वृन्त रोग
- अक्षरि

properties - -

मात्रा - 250 mg - 500 mg.

Join us on Telegram
@MSD_BOOK_STORE

27/04/22

पारद (Mercury)

प्रश्न - "वसनात् सर्वधानुर्जां रस इति इत्यभीधीयते ॥"

- 'पारद' is called रस .
- It is in liquid form
- having वसना property.

पर्याय

- | | | |
|------------|-------|-----|
| - रस | _____ | (1) |
| - रसेन्द्र | _____ | (2) |
| - सुत | _____ | (3) |
| - पारद | _____ | (4) |
| - मिश्रक | _____ | (5) |

English - Mercury
Latin - Hydrargyrum
S. g. - 13.6
Symbol - Hg



शुद्ध यन्त्र

(3/5m) रस योगिक

- हिङ्गुल ————— ①
- गिरी सिन्दूर ————— ②
- Coral line ore ————— ③
- Silver Amalgam ————— ④
- Barasemite ————— ⑤

1) हिङ्गुल — Main ore of पारक, Combined to पारक and गन्धक.

2) गिरी सिन्दूर — percentage of पारक is very low.

- is called red oxide of Mercury.
- also called सुरक सोना

3) Coral-line ore -

- Cord type ore chemical Combined of Hg & 2% शिलाजतु - 5%.

4) Silver Amalgam - Combination रजत and पारक.

5) Barasemite - One variety of living stonite.

• Modern Correlation

- Mercurous oxide (1)
- Mercurous chloride (2)
- Mercuric sulphide (3)
- Mercuric chloride (4)

(3/5m) हिङ्गुलता पारद

• श्लोक

हिङ्गुलता सूतम् ग्रहयेत् तन्नी गद्यते जम्बीर ।
निम्बु नीरे सरघी सरपितो हिङ्गुलोन्नयिनः ॥

• procedure

Take हिङ्गुल सूत in a glass vessel

↓
निम्बु स्वरस add

↓
do मर्दिन for 1 day

↓
Kept in lower part of उर्ध्व पातन यंत्र

↓
Subject to अग्नि for 2 hrs.

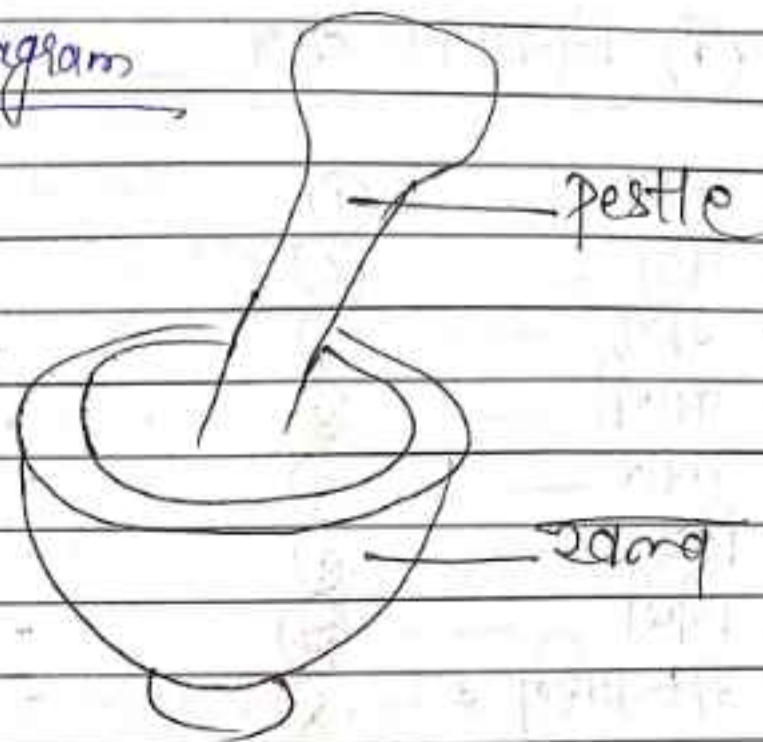
↓
collect the sublimated पारद

↑
add 1/16 हरिद्र चूर्ण → do मर्दिन for 3 days

— वि. १००० ई. , Rishabh Chh.



• शतम्ब यन्त्र diagram



• पारद ग्रह्य-अग्रह्य लक्षणा

- | | | |
|---------------|-------|-----|
| - सुहृदः | _____ | (1) |
| - यतासूचनाः | _____ | (2) |
| - सुनीलो | _____ | (3) |
| - वहि उज्ज्वल | _____ | (4) |
| - सूर्य प्रभा | _____ | (5) |
| - विष्णुदो | _____ | (6) |
| - इ धूमा | _____ | (7) |
| - परिपाण्डू | _____ | (8) |

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

• पारद दोष

निसर्गीक दोष (1)

पारद दोष

योगिक दोष (2)

कंचुका / औपादिक

① निःसर्गिक दोष —

- नाग — (1)
- वड — (2)
- मल — (3)
- वहनी — (4)
- चपल — (5)
- विष — (6)
- गिरी — (7)
- अस्थायि — (8)

③ औपादिक / कंपू

[covering and looking

- यपली → भूमिज
- पाटमी → गिरीज
- मेदी → वारीज
- द्वि } नाग
- मलकरी }
- अन्धाकरी } वड
- दक्करी }

② शौगिक दोष —

- नाग — (1)
- वड — (2)
- विष — (3)

• पारद सामान्य शोधन —

श्लोक —

रसेश्वरं रसमसुधारकं मर्त्येत् श्वम् ।
 ततो विगुणवरान्तर्गतं श्वं स्वमेके न्यसेत् ॥
 रसो न निरुपुं तुल्यं तदर्थं लवणं हरेत् ।
 तत्कल्के मर्त्येत् स्यावदायाति कृष्णताम् ॥
 कृष्णं कल्कं परित्यज्य तथा पक्वान्य भुञ्जितः ।
 श्वमेकेन वारेण रसेन्द्रः शुद्धिमाप्नुयात् ॥

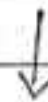
- Useful Dr.
- पारक - 1 part
 - सुधा - 1
 - लसुन
 - सौंध्य
 - कच्ची - S.O.

• Procedure -

Take पारक + सुधा in खल्लयान



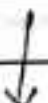
triturate for 3 days



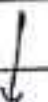
filtered with cloth and get पारक



take पारक in खल्लयान again



add paste of लसुन and सौंध्य (बबु)



triturate untill it become black colour



Then wash with 300 ml पानी



get शुद्ध पारक

प्रविष्ट पारद संस्कार

- शोधन
- तेषन
- ~~पूजन~~ पशन
- दीपन
- चारण
- पातन संस्कार

A/c to R.R.S. -

(5m)

प्रविष्ट
संस्कार
पारद

पारद संस्कार	- स्वेदन	①
	- मर्दन	②
	- मूर्च्छन	③
	- उत्थापन	④
	- पातन	⑤
	- शोधन	⑥
	- नियमन	⑦
	- दीपन	⑧

① स्वेदन - In दोलायन → वो पारद पाक हु
पारद स्वेदन using अमल द्रव्य called as
संस्कार.

② मर्दन - Grinding पारद along to parianus
अमलवर्गीय द्रव्य is called मर्दन

(3) मर्दन मूर्च्छना

- पारद कुंभ तः the अम्लीय तर्पण द्रव्य called नष्ट पिष्ट. This process is called as मूर्च्छना.

(4) उत्थापन - पारद, which is attained the state of नष्ट पिष्टत्व in मूर्च्छन संस्कार is brought back to its original state with the help of स्वेदन in दोषायन्त्र.

(5) पातन - पारद is ground with specific द्रव्य and heating in उच्च, अद्यो and शिक पातन यन्त्र respectively.

(6) रोधन - Take कुम्भ and pour जल तः सैन्धव लवण, keep पारद for 3 days.

(7) नियामन - during रोधन संस्कार, पारद will get energy and चपलत्व, to remove चपलत्व do स्वेदन संस्कार in दोषायन्त्र.

(8) दीपन - In दोषायन्त्र, पारद is processed by स्वेदन in क्षीरादि द्रव्य with metals, minerals and various medicinal substance for 3 days.

• અષ્ટ દશ સંસ્કાર -

- સ્વેદન
- મર્દન
- મૂર્ચ્છન
- ઉત્થાપન
- પાતન
- શેધન
- દીપન
- મગ્નમદ્ધન ગાગન ગ્રામ / અશ્વક મદ્ધન
- ન્યારણ - 102 Pg
- ગચ્છપુત્રિ 1 Pg. 104
- લાલ્યપુત્રિ
- બારણ
- સમ સંખ્યા - 102 / સમ રાગ
- સારણ - 102
- ક્રામણ - 103
- વેધ
- બ્રહ્મણ :

① સ્વેદન -

- In હોલાયન્ડ making પૂરક થાક by પસિંગ અમ્લ વર્ગીકરણ
પ્રક્રિયા is called સ્વેદન સંસ્કાર.

② મર્દન -

- Kristurating પૂરક along with various અમ્લ વર્ગીકરણ
is called મર્દન સંસ્કાર.

③ मूर्च्छना संस्कार -

पारद grinding with अम्लवर्गीय द्रव्य is called मूर्च्छपिष्ट. This process is called मूर्च्छना संस्कार.

④ उत्थापन संस्कार -

पारद which is attained the state of मूर्च्छपिष्टत्व in मूर्च्छना संस्कार is brought back to its original state with the help of स्वेदन in ढोलायन्त्र.

⑤ पातन संस्कार -

पारद is grinding with specific द्रव्य and heating in उद्वेग पातन, अधो पातन and त्रिक पातन यन्त्र respectively.

⑥ नियामन & रोधन - Take कुम्भ and pour जल & सन्धेय लवण. Keep पारद for दूधिंग सेव 3 days.

⑦ नियामन - during रोधन संस्कार पारद will get energy and चपलत्व. To remove चपलत्व दोस्वेदन संस्कार in ढोलायन्त्र.

⑧ दीपन - In ढोलायन्त्र पारद is processed by स्वेदन in क्षीरदि द्रव्य with metals, minerals and various औषधि द्रव्य for 3 days.

(गमन ग्रह)

(9) गमन भक्षण — Diffusion of पारद
So it can be consumable.

(10) चारण — पारद + ग्रह $\rightarrow$ चरण

- To incorporate fused metal into पारद is called चारण.

(11) गर्भ पूति —

liquefying द्रव्य, which is given as ग्रह to the पारद alone is called गर्भ पूति.

(12) बाह्य पूति —

liquefying the द्रव्य like सत्व व अश्वक etc, which is to be given as ग्रह, without separating the पारद.

(13) जारण —

By using विद्य यन्त्र and तालुक यन्त्र adding the ग्रहा into पारद.

(14) रंजन — A process after which पारद loses its bright silvery white lusture and turns pale, yellow etc. called रंजना (means coloring)

(15) शरत - is a process where metals are keep in अंध मूषा containing तेल and पारक to improve their वेद्यशक्ति.

(16) क्रामणा - is a process of transmutation of स्वर्ण, तम्रादि to help of व्यवसी भेषज द्रव्य, सुद्ध पारक.

~~(17)~~

(17) वेद्य

(18) भक्षणा

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

1. The first part of the paper is devoted to the study of the properties of the function $f(x)$ which is defined on the interval $[0, 1]$ and satisfies the conditions $f(0) = 0$ and $f(1) = 1$.

2. The second part of the paper is devoted to the study of the properties of the function $f(x)$ which is defined on the interval $[0, 1]$ and satisfies the conditions $f(0) = 0$ and $f(1) = 1$.

3. The third part of the paper is devoted to the study of the properties of the function $f(x)$ which is defined on the interval $[0, 1]$ and satisfies the conditions $f(0) = 0$ and $f(1) = 1$.

4. The fourth part of the paper is devoted to the study of the properties of the function $f(x)$ which is defined on the interval $[0, 1]$ and satisfies the conditions $f(0) = 0$ and $f(1) = 1$.

(3M) पारक गति - + diagram

- 5 in number -

- जल गति _____ ①
- हँस गति _____ ②
- मल गति _____ ③
- धुम गति _____ ④
- पीक गति _____ ⑤

① जल गति - After मर्दन, मुच्छर्ना, स्वेदन etc संस्कार व wash पारक हू उष्ण जल काज्जीक etc. at that time the सूक्ष्म कण are removed with water.

② हँस गति - After few संस्कार when पारक is shift from 1 पात्र to another पात्र the minute particle will escape like swar.

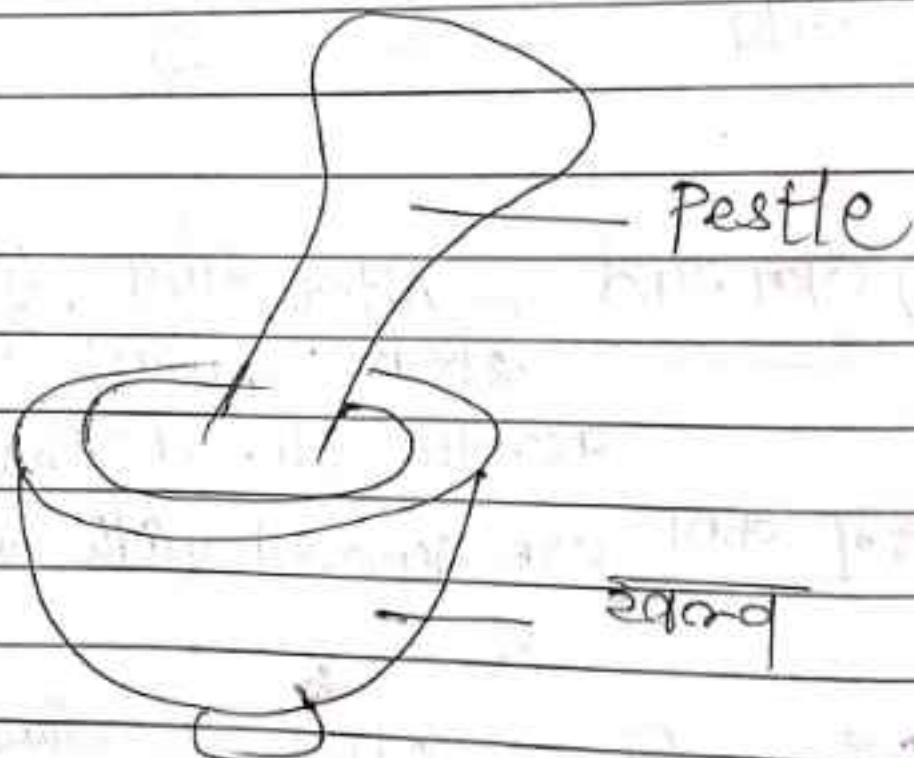
③ मल गति - Doing some processes for the purpose of to remove the मल, पारक will lasses few particles along त मल.

④ धुम गति - at the time व उत्पादन, पालन गन्धक जारण पारक will evaporate and गन्धक etc when we are not sealing along त properly, properly.

(5) जीव गति -

- When doing ^{ह्यान} योग
मन्त्र

- $\bar{c}$ Concentration जीव गति will appear.



खन्व यन्त्र .

==

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

3/5th) गर्भ दूति and बाह्यदूति -

1) गर्भ दूति - liquid substance

2) बाह्य दूति - process of liquid substance

• लक्षणा - निलेपत्व

- दूतत्व

- तेज

- लघु

- अश्मयोगाच्यसूतेन

श्लोक -

दूति लक्षणा -

"निलेपत्व दूतत्वे तेजलघु अश्मयोगाच्यसूतेन पञ्च दूतिलक्षणा

Join us on Telegram
NEW BOOK STORE

सम्बन्ध -

Changing the real state of पारद from liquid to solid state.

Types of રસબંધો - ચાલ not evaporate

basice

રસબંધો $\left\{ \begin{array}{l} \text{અગ્નિ સત્વી બંધો} \text{ --- ①} \\ \text{અનાગ્નિ સત્વી બંધો} \text{ --- ②} \end{array} \right.$

પાર 4 loss line ચલ ગુણ

25 types નુ રસબંધો + Diagram

- | | |
|---------------|--------------|
| - હલ | - મૂર્તિ |
| - અરોહ | - ખલ |
| - અભાસ | - અગ્નિ |
| - ક્રિયાહીન | - સૂક્ષ્મકૃત |
| - પિચ્છીક | - મહાબંધો |
| - સ્વાર | |
| - સ્વોત | |
| - પોત | |
| - કલ્ક | |
| - કઠુખૂલી | |
| - સંસર્જીવ | |
| - નિપૂર્ણિવ | |
| - સર્વજીવ | |
| - નિર્ણીવ | |
| - મૃદુ સ્વભા | |
| - દૂતિ | |
| - બલક (Balak) | |
| - કુમાર | |
| - તરુણ | |
| - વિરહદય પૂરક | |

extra - ખલોક બંધો

Join us on telegram
M58 BOKS STORE

① हठ - पारक बन्धा by using not completely शुद्ध पारक that पारक बन्धा is known as हठ बन्धा.

② अरोट - पारक, which is undergo for अपरसंस्कार that पारक should ~~make~~ made into बन्धा रूप.

③ अमिस - पारक when attains the solid state after surrender its instability by the combination to metal, by grinding with various herb & by subjecting to पुट.

④ क्रिया हीन - पारक is subject to बन्धा, after process to the metals which are not undergone for सोधन संस्कार. Consumption of this पारक causes dreadful disorder.

⑤ पिष्टीक - पारक in खन्य यन and triturate intensively under तीव्रताप, upto it turned into पिष्टी like butter form.

⑥ क्षार - Achieved by processing the पारक to क्षार, शुक्ति and कपट.

⑦ खेट - पारक is made inert to the help of various ~~सिक्का~~ ^{सिक्का} Such पारक is doesn't evaporate on तप in an intense fire.

⑧ मोट (पुष्टी) - Take कजली & melt it, pour over a खादली पत्र, which is kept upon cowdung bed & pressed to a thin plate.

9) कलक बन्धा - After undergoing various संस्कार like स्वेदन etc. पारद obtain the state resembling to excel.

10) कम्पनी बन्धा - take पारद and गन्धक in शल्य यंत्र make मर्दन upto it turn into कम्पनी form.

11) सजीव बन्धा - take पारद भस्म, keep on fire if it will evaporate.

12) निर्जीव - Make पारद भस्म by adopting अधिक/गन्धक जारण.

13) सखीज - पारद जारण is carried out to अधिक सत्व स्वर्ण, रजत, ताम्रा & कपूरलोह make पारद पिष्टी, अब 6 part of गन्धक & make भस्म by grinding पुट.

14) निर्बीज - पारद (1 part) + $\frac{1}{4}$ स्वर्ण + गन्धक $\rightarrow$ शल्य make मर्दन till it turn पिष्टी form $\rightarrow$ पुट.

15) श्रृंखला - पारद भस्म prepared to वज्र etc. mixed to सममात्रा of पारद भस्म mixed it well.

16) दूति बन्धा - पारद prepared to Help दूति process. is converted into भस्म.

17) बालक - पारद, which is subject to जारण by equal quantity of अधिक. Converted into भस्म.

18) कुमार - पारद भस्म prepared after subjecting to जारण to 2x Amount of अधिक.
Consumption - equivalent to a तैल for 3 week to destroy disease occurred by sins.

this रसायना पारद

19) તરુણ બન્ધા -

- ઝરમ બુ પારક prepared after બારણ
- with 4 times અન્નક.
- Consider as શ્રેષ્ઠ. if it consumed for 3 weeks.

Uses - સર્વોરોગ હરણ
- વીર્ય વલપ્પતા.

20) વૃદ્ધ બન્ધા -

- પારક Subject to બારણ
↓
ત 6 time અન્નક
↓
to prepare નિરુદ્ધા ઝરમા

Uses - લોહ વૈદ
- દેહ વૈદ.

21) મૂર્તિ બન્ધા -

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

- without Subjecting to બારણ ત અન્નક.
- ઝર પારક is converted into ઝરમ with help of celestial herb is called મૂર્તિ બન્ધા
- if heated on અગ્નિ, doesn't reduce in quantity.

22) जल बन्धा -

- पारद बन्धा is achieved with the help of शिलोतेय.

Uses - ज्वररोग
- मृत्युधनः

23) अग्नि बन्धा -

- पारद alone / combined with different substance is heated with fire.
- convert पारद into गुटिका.
- गुटिका keep on wire which does not reduce its weight.

24) सुरसंकृत बन्धा -

- Abolus prepared by grinding herb like विष्णु क्रान्ता, शोमलता, कुम्भी, धातुरा, मूल, नागिनी कन्द, etc. and पारद
- पारद in गो मूत्र
- Keep in वालुक यंत्र make पाक.

25) महाबन्धा -

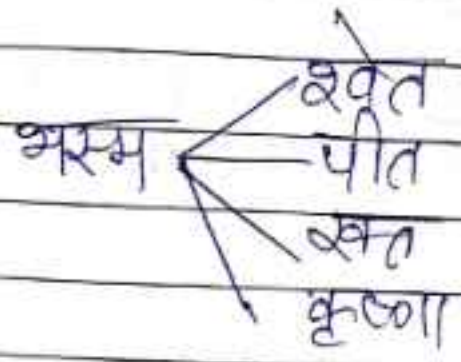
- Take पारद mix with स्वर्ण & रजत.
- Keep on fire, which does not decrease.
- look like massine and heavy.
- having shape of गुटिका with lusture.
- doesn't break like लवण
- not leave blemishes on rubbing.

• पारद भस्म -

A/C to R.R.S = 8 types
R.S.S = 4

• 4 types of पारद भस्म -

ALPED



- 1) श्वेत भस्म - कपूर भस्म
- 2) पीत भस्म - सर्वांग सुन्दर
- 3) रक्त भस्म - रस सिन्दूर
- 4) कृष्ण भस्म - कज्जली

Join us on Telegram
@SS BOOK STORE

① Method

पारद is added to equal quantity of
of प्लाश बीज, जीवक, कण्ड

↓
do मर्दिन in the रक्त जम्बीर स्वरस

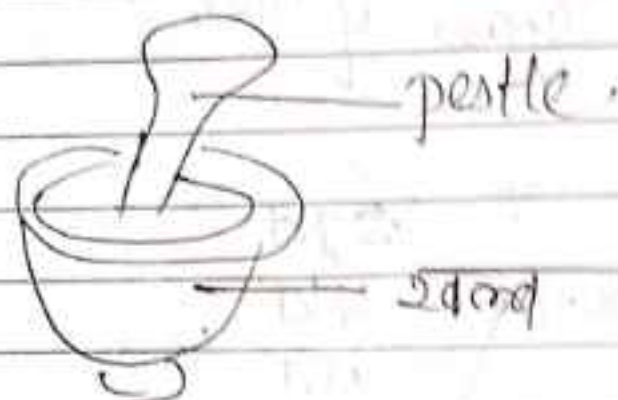
↓
make ball form



Keep in શરાવ સમુદ્ર

↓
adopted heat by using ગરમી

↓
to obtain જારદ ગરમ



• મૂર્ચના and જારણ નુ પારદ —

- (5/10m) - પર્વતી ✓ complete
- (5m) - કમ્પલી ✓ complete
- (5m) - પર્વતી કમ્પલી ✓ e.g. v. n. p. penols
- (3m) - કુપિ પર્વતી રસા ✓ complete
- (5m) - સ્વર્ણ વડા ✓ complete

(3m) - સિદ્ધા મર્ચના ✓ pg. 160 ✓
- પોટલી (5/10m) ✓

(3m) - જારણ નુ પારદ } complete

(3m) - મૂર્ચના નુ પારદ } complete

(3m) जारण व पारक

- Is a process in which पारक remain in its original form.
- In this process पारक doesn't get by गलन filtration or पानन (distillation processes).
- Its weight remain same.

जारण कर्सी

- Give ग्रस like गंधक
अश्वक
- माक्षीक रत्न
- सवर्णादि धातु
- रत्न व
- to पारक त the help of विद्य मन्त्र orderly.

1 do जारण त गन्धक

↓
शुद्ध माक्षीक

↓
सवर्णा

↓
नाग

↓
वर्द्ध धातु

↓
रत्न.

Join us on Telegram
M50 BOOK STORE

3rd मूर्च्छना च पारद -

- Mixing गन्धक in पारद or without adding गन्धक in पारद making to suitable for व्याधि नाशक शक्ति.

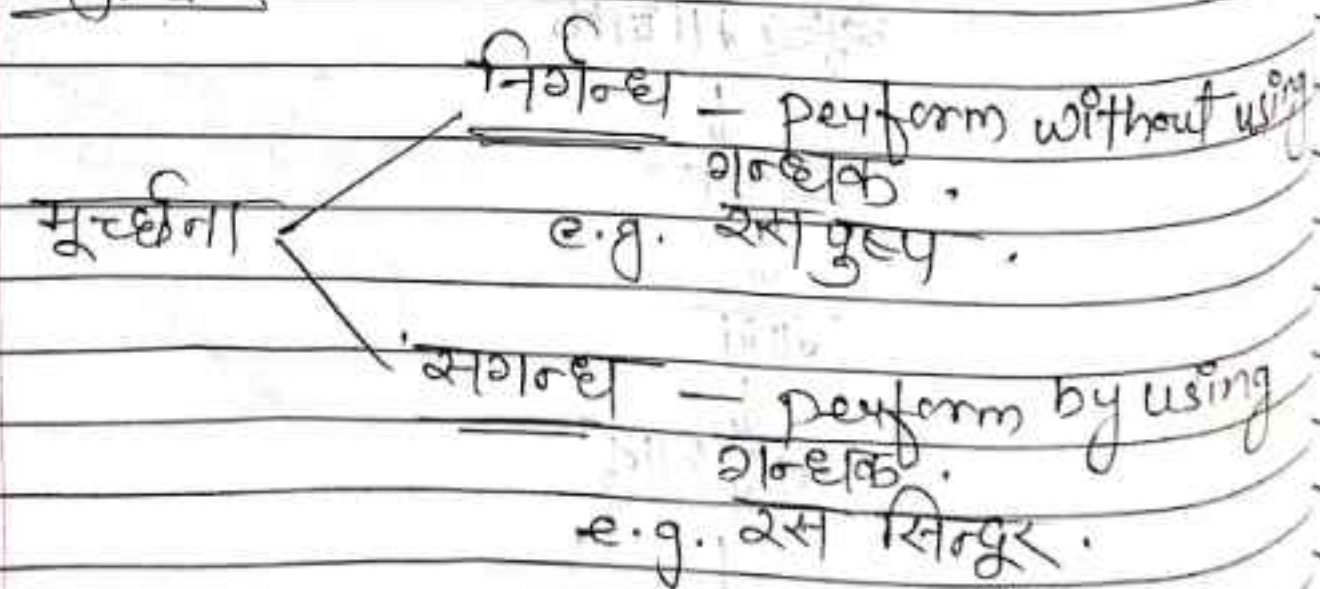
मूर्च्छना लक्षणा -

- during मूर्च्छना पारद lost its -

- चपलत्व
- गुरुत्व
- कञ्चली वर्ण
- रूक्षम -

- Some time look like पीत वर्ण
- श्वेत वर्ण (रस पुष्प)

Types -

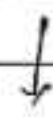


(5m) कज्जली

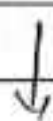
Take शुद्ध पारद and गन्धक / धातु in खल्वयन



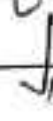
Grind without adding any प्रव प्रत्य



til it turned into कृष्ण वर्ण



free from पारद कण



called कज्जली

• Confirmative test for कज्जली

- | | | |
|--------|---------------|-------------------------|
| कज्जली | रम्यतात्व | ① - Smooth powder |
| | निचन्द्रत्व | ② no lustre particle |
| | रेखा पुनुरत्व | ③ Powder float on water |
| | वर्धितत्व | ④ निप रेखा |

वर्ण of कज्जली

- कृष्ण
- कटु रस
- तिक्त रस
- सिग्ध गुण
- उष्ण विर्य

विपाक - कटु

कर्म - त्रिदोषहर

पर्याय - कञ्जती

=
- काजल
- कञ्जलिक

मात्रा - 100 - 200mg.

Indications

- वमन
- विक्षर्प
- कास
- तन्त्रिक श्वास
- श्वास
- वातरोग
- कुष्ठ रोग

- The word पपरी is derived from पपि means पाप.

पपि - Male gender.

पपरी - female gender.

Definition -

take कञ्जली make it into द्रव रूप

↓
By giving अग्नि

↓
then pour on खदली पत्र

↓
which placed on wet गोमय

↓
then press with another खदली पत्र

↓
After few min. remove upper खदली पत्र

↓
find पापड. shape substance

↓
Called पपरी / पपरिक.

Aim of paperi karnana -

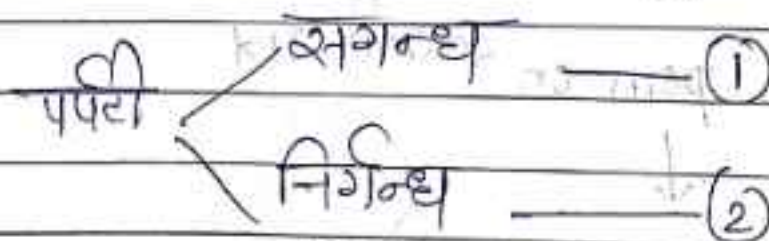
- पोत बन्धा व पारद
- पारद loss मेहर चपलत्व
 - धूगन्ध
 - lost all दोष

- दीपन

- पान्चन

- ग्रहणी

Types of paperi -



(1) सगन्ध -

- Ingredients are पारद and गन्धक along with some metals are present

e.g. - रसपपरी
- सवर्ण पपरी

- ताम्र

- लोहा

- मण्डूरा

- अशक

etc.

② निर्गन्ध -

- In this preparation पारक, गन्धक not present.

e.g. श्वेत पर्पटी

- मल्ल

Useful ingredient -

- खल्व यन्त्र ①
- लोहा ध्रुवि ②
- Small Spoon ③
- अग्नि ④
- गोमय ⑤
- खदली पत्र (नागवल्ली पत्र) ⑥
- पिण्डका ⑦ (plain plate)
- स्नेह प्लव ⑧
- उष्ण जल ⑨

• धातु मिश्रण in पर्पटी निर्माण -

take धातु भस्म / धातुपत्रक + पारक

↓
add गन्धक

↓ कज्जली.
make

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

पर्परी पाक परीक्षा -

पर्परी पाक $\left\{ \begin{array}{l} \text{मृदु} \\ \text{मध्यम} \\ \text{श्वर} \end{array} \right.$

पाक परीक्षा $\left\{ \begin{array}{l} \text{पाककाल} \\ \text{पाकसूत्र} \end{array} \right.$

1) पाक काल परीक्षा -

- At the time of कज्जली liquification,
- what type of temperature should give.
- what colour we should be assess.

A) मृदु पाक - कज्जली वर्ण should be in मूयूरचन्द्रिका वर्ण

B) मध्यम पाक - appear like तैलाभ

C) श्वर पाक - appear like रक्त वर्ण

2) पाकाभ्र

$\left\{ \begin{array}{l} \text{मृदु} \\ \text{मध्यम} \\ \text{श्वर} \end{array} \right.$

अ) मुद्ग पाक - will not break will bending.

ब) मध्यम पाक - during bending it break.
 - appear like black colour.
 - at breaking spot shining appears.

ग) खरपाक - light red in colour.
 - by touch it will turn into गूँस रूप.

- प.प. - रस पर्वटी
- स्वर्ण पर्वटी
 - लोह पर्वटी
 - ताम्र
 - पञ्चामृत
 - विजय पर्वटी
 - बोल पर्वटी
 - पुन्दा पर्वटी
 - श्वेत पर्वटी
 - गगन पर्वटी

१) रस पर्वटी -

M.O.P. -

- Take सुष्क हि जुलोय पार which was शोधित by अष्टक स्वरस for 7 days in खन्व यन्त्र.
- along त गन्धक make कण्ठी.
- Take in लोह द्रवि, keep on charcoal of

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

बहरी करता fire.

- fill it turn into घट form.

- Then remove from fire.

- pour on खदली पत्र which is place on गोमय.

- Then press to another खदली पत्र.

- which was already covered to wet गोमय.

- After few minutes remove पत्र and collect पपटी which is in पापटु form.

मात्रा - 1-2 रन्ति (125 - 250mg)

अनुपान -

1 रन्ति जीरक + 1 रन्ति हिङ्गु + 1 रन्ति रसपपी
ह गोपुग्ध and घृत.

Indication - शुष्णी

✓ क्षय

✓ कास

- शुल्म

- दाह

- ज्वर

- शोथ

- अर्श

- कामल

✓ पापटु

रस - षड् रस
वर्ण - कृष्ण
गुण - लघु
स्निग्ध
वीर्य - उष्ण
विपाक - कटु

2) स्वर्ण पपटी -

Ingredient - शुद्ध पारद - 50gm
- शुद्ध गन्धक - 50gm
- स्वर्ण भस्म - 15gm

M.O.P. -

Take शुद्ध पारद in खल्ल यन्त्र .

add स्वर्ण भस्म make मर्दन for Sufficient time.

↓
add गन्धक make कम्पली

↓
take in दुक्ख यन्त्र

↓
subject to बकर कपडा

↓
make liquify form

↓
Remove from fire

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

↓
pour on खदली पत्र which kept over
गामय.

↓
pressed to another खदली पत्र

↓
few minutes later remove the खदली पत्र

↓
collect पापड़ like substance.

मात्रा - 1 - शरत्ति.

अनुपान - प्रवल फन्चासुत

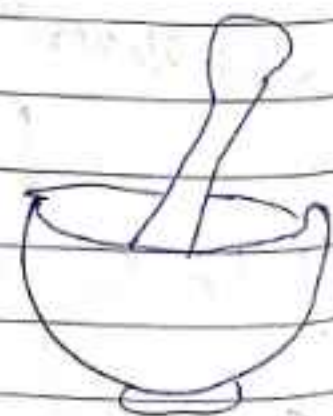
+
त्रिकटु

+
मधु

+ गोदुग्ध.

Indication

- ✓ क्षय
- ✓ कृमि
- श्वास
- ✓ वृण
- अतिसार
- ✓ पाण्डुरोग



खदली यन्त्र

3) ताम्र पर्पली -

Ingredient - शुद्ध पारद - 4 part
 - ताम्र भरुम - 1 part
 - शुद्ध गन्धक - 1 part
 - शुद्ध वल्सनाभ - 1 part.
 - शुद्ध गन्धक - 7 part

M.O.P. -

take पारद in खल्ल यन्त्र

add 1 part of गन्धक make केक खली

add ताम्र भरुम, वल्सनाभ चूर्ण

do मर्दन, then add 7 part of गन्धक

do मर्दन for 1 day

take in लोह प्रसि

Subject to वर कष्टानि

until it become liquid form

pour in खदली पत्र

which is placed on गोमय

pressed with another खदली पत्र

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

↓
few minute later remove शुद्धी कर

↓
collect पेप्टी

↓
which is in पेप्टोसोम form.

Indication ✓ श्वस

✓ कोस

✓ ज्वर

✓ सन्निपात ज्वर

✓ कुष्ठ

✓ वातरक्त

✓ अतिसार

पथ्या - गोधुग्ध

- धृत

- मांस रस

अपथ्या - अम्ल

- तीक्ष्ण

- कटु

- अपक्व फल सेवन

मात्रा - 2 - 3 रत्ति

4) पंचामृत पर्पली

Ingredient - बुध पारक - 40 gm
गन्धक - 80 gm
लोह भस्म - 20 gm
अम्लक भस्म - 10 gm
ताम्र भस्म - 5 gm

procedure -

Take भूंगराज वीरहित गन्धक का खवव रत्न

add हिङ्गुनोय पारक

make मर्दन till it turns into कठपत्ती form

add लोह भस्म, ताम्र भस्म and अम्लक भस्म

make homogeneous mixture by मर्दन

take in लोह प्रवि

Subject to बकर कष्टाग्नि.

till it becom द्रव form.

pour into खदली बत्त.

which is kept into गेसय.

press with another खदली बत्त

Join us on Telegram
MAG BOOK STORE

↓
 Rem mine later remove खपली का
 collect पपली.

रस - तिक्त
 कषाय

गुण - रुक्ष

वीर्य - शीत

विपाक - कटु

मात्रा - 2 इन्ति

Indication - आम
 - अतिसार
 - वमन
 - जीर्ण ज्वर
 - रक्त पित्त
 - शूल
 - शोथ
 - ताप
 - स्त्री रोग

5) बोल पर्पटी

Ingredient - शुद्ध पारद - 1 part
- गन्धक - 1 part
- बोल चूर्ण - 2 part

procedure

Take शुद्ध पारद and गन्धक in खाली यंत्र

make कठ-पल्लव form

↓
take in द्रवि यंत्र keep on fire.

↓
When it change to liquid form

↓
add बोल चूर्ण

↓
pour content on खपली पत्र

↓
which is kept on गोमय

↓
press ~~it~~ with another खपली पत्र

↓
few minute later remove खपली पत्र

↓
collect पर्पटी

पपीली स्वरूप - रुधिर
- कृष्णा वर्ण

मात्रा - 250 mg - 1 gm (2 वरुण पुमाव)

अनुपान - शर्करा
- मधु
- अशोकारिष्ट
- दूत स्वरूप

Indication - रक्तविसार
- रक्तपित्त
- रक्ताशु

रस - कटु
- कषाय

गुण - स्निग्ध

वीर्य - शीत

विपाक - कटु

6) श्वेत पर्परी

पयसि - शीत पर्परी
- वज्र पर्परी
- श्वेत पर्परी

Ingredient - सूर्य भूत - 16 part
- कण्टारी - 2 part
- नवसावर - 1 part

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

Procedure -

Take all ingredient in रत्न यंत्र

↓
make चूर्ण form Collect in शर्करा

↓ fill
Keep on fire it become द्रव form.

↓
pour on खदली पत्र which is kept on गोमय

↓
press with another खदली पत्र

↓
wait for few minutes

↓
Remove खदली पत्र
collect पयसी.

સ્વરૂપ - light rose / white.

માત્રા - 500mg - 1gm.

અનુપાન - શીત પાન
- કર્પૂર યુક્ત પાન
- નારિકેલ પાન

કર્મ - સ્વેદન
- વાતાનુલોમક

રસ - ભવળ

ગુણ - ભદ્રુ

વીર્ય - શીત
વિપાક - કટુ

પ્રિતીક્ષીભ - મૂત્રકૃત્રુષ્ણ
- અશ્મરો
- મૂત્રધાત
- અધ્માન નાશક

પટયા - શીતોપાન્ચાર
- વિહાર સેવન

અપટયા - ઉષ્ણોપાન્ચાર
- અંતાપ સેવન
- તીક્ષ્ણ
- વિવાદિ } આહાર સેવન
- કટુ

अथ गगन पर्परी

Ref. - S. Y. S.

Ingredient - शुद्ध पारक - 1 part
- शुद्ध गन्धक - 2 part
- अत्रक भारभ - 1 part

procedure -

Take all the ingredients in खल्ल यंत्र

↓
make चूर्ण form then collect in शरव

↓
keep on fire till it become द्रव form

↓
pour on खदली पत्र which is kept

↓
on गोमय then press to another

↓
खदली पत्र wait for few minutes

↓
Remove the खदली पत्र

↓
collect पर्परी

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

मात्रा - 1-3 बरति

अनुपान - तक्र

- दुग्ध
- मधु

Indication - वायु

- ग्रहणी

- अतिसार

- क्षय

- कास

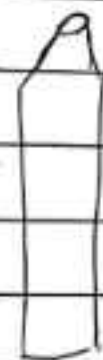
- श्वास

- मण्डगिनि

- रसौषधि which are prepared with the help of -

- कूपि
- अग्नि
- in वातूक रस

- are called कूपि पक्वा रस



Types
 { सगन्धक — ①
 निर्गन्धक — ② कूपि

1) सगन्धक

- पारद + गन्धक = रससिन्दूर etc.

- पारद + गन्धक + अन्यधातु = ताम्र सिन्दूर
 = रजत सिन्दूर

- पारद + गन्धक + अधातु = मल्ल सिन्दूर
 = तल —
 = शिल — etc

- पारद + गन्धक + अधातु + स्वर्ण = पुष्प चन्द्रीपय
 = तल —

2) निर्गन्धक

e.g. - रस पुष्प — ①

उपकरण (Useful material)

- काचकूपि (Glass Bottle)
- वस्त्र
- मुलतानी
- बालुक रत्न
- बालुक (Sand)
- लोह शलक (big lean iron rod).
- अग्नि बाति (furnace)

वस्त्रध्वन्दा for काचकूपि -

- Take one strong, enough in size and width bottle.
- take हस्त प्रमाण वस्त्र total 4 in number.
- each वस्त्र smeared with मुलतानी मिट्टी.
- cover the काचकूपि
- After drying use for कूपि के निमोषि purpose.

लोह शलक -

- select 3 to 4 feet length.
- thin lean rod for removal purpose.

अग्नि	मृदु	- 125°C
	मध्यम	- 125 - 250°C
	तीव्र	- 250° - 350°C.

Using - कृष्ण
- काकील

Ingredient - शुद्ध पारक
- शुद्ध कासीस
- सैन्धव लवण } 100 gm.

M.O.P. -

Take कासीस and लवण in खाली यंत्र

make a ↓ घूर्ण form

add पारक make मर्दन for 5-6 hrs.

make ↓ homogeneous mixture

fill the 7 layer कञ्चकूपि

keep in वालुक यंत्र

close upto neck region to sand.

Subject to अग्नि for 2 यम

remove sand from neck of the bottle

Stop the अग्नि

After श्वर्णशीतल remove the lid and layer

break the कूपि

↓
... ..

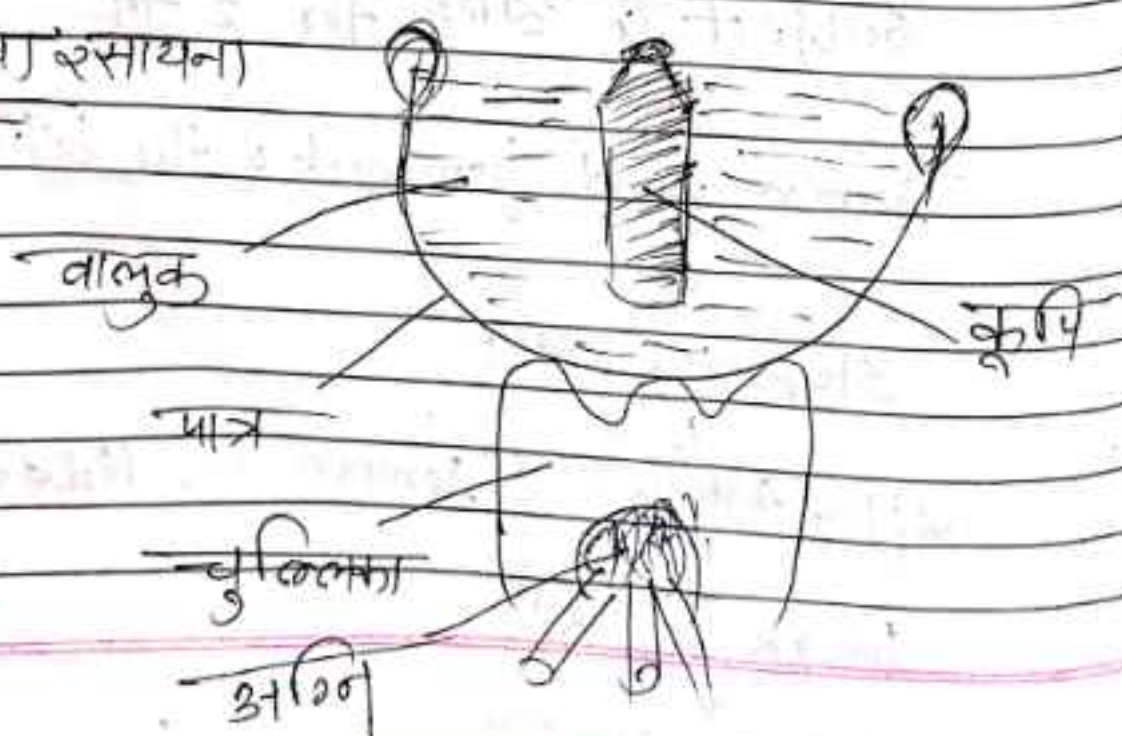
वर्ण - श्वेत
 रस - लवण, कषाय
 गुण - लघु, तिक्त, स्निग्ध
 वीर्य - उष्ण
 विपाक - कटु

मात्रा -

1 year - $1/16$ th रन्ति
 2 yrs = $1/7$ th रन्ति
 6 yrs = $1/3$ th रन्ति
 12 yrs = $1/2$ th रन्ति
 Above 12 yrs = 1 रन्ति

Indication - पुमेह
 - शूल
 - गुल्म
 - राज्याक्ष्म
 - पाण्डू

कूपिपक्व रसायन



04/22

सत्वपातन (metallic particulate कोष्ठी can ask part)

Page No.	
Date	

(5m) कोष्ठी + Diagram (9mp)

Definition -

- which apparatus is used for सत्वपातन purpose and धातु-द्रव purpose that is called कोष्ठी.

Ref - रसशास्त्र / कोष्ठी.

Types -

- सत्वपातन कोष्ठी _____ ①
- चुम्बिका _____ ②
- पातल कोष्ठी _____ ③
- गार कोष्ठी _____ ④
- अंगार कोष्ठी _____ ⑤
- अंगार धानिका _____ ⑥
- वड्कनाल _____ ⑦
- तिर्यक प्रथमना कोष्ठी _____ ⑧

1) सत्वपातन कोष्ठी

- It is a furnace
- prepared by closing all sides
- made like circle shape
- using for सत्वपातन purpose



२) चुमिलाना -

- Construct half moon shaped wall c stones.
- Smeared with clay.
- front side $\rightarrow$ hole for inserting & removing of fire wood and ~~for~~ charcoal.

Diagram -

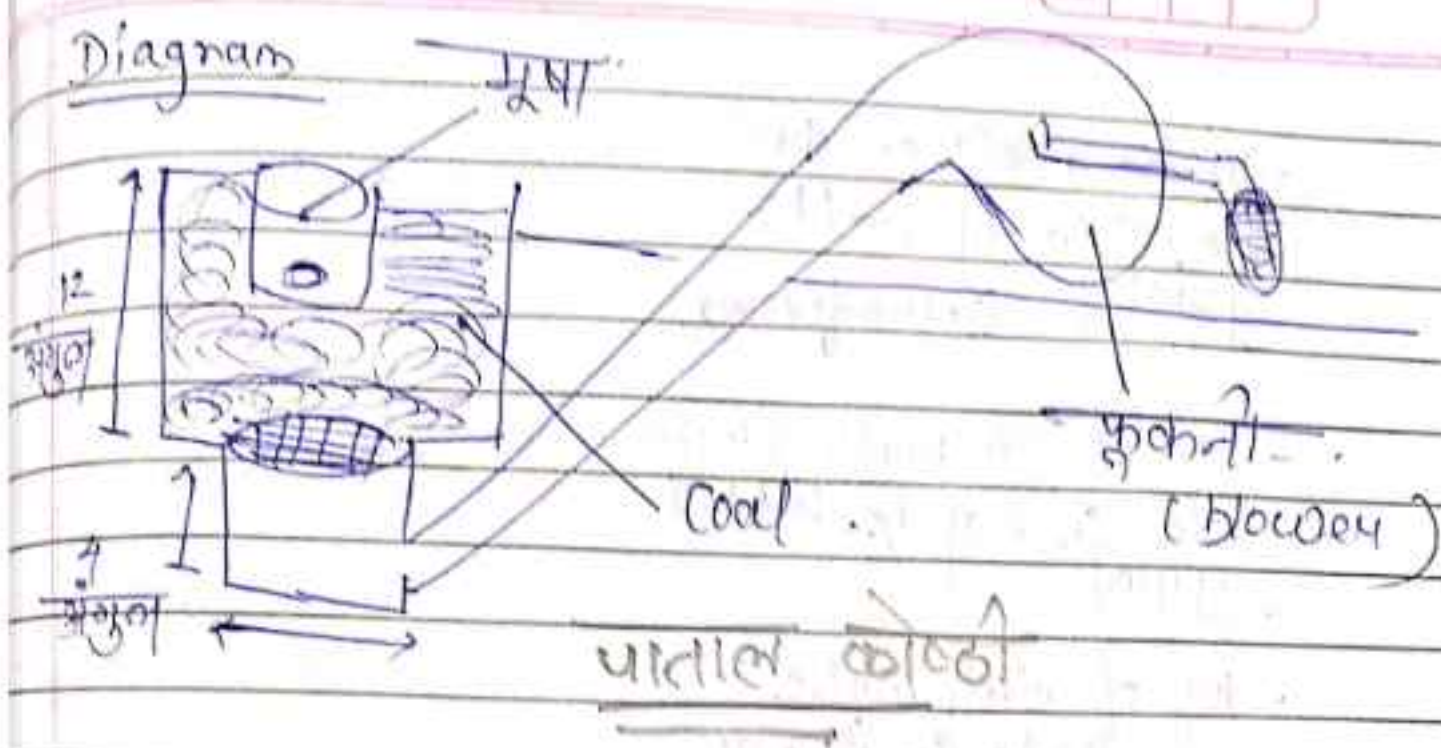


३) पतल कोष्ठी -

- Make a big pit in the earth.
- measurement -
- विस्तार प्रमाण - १ (12 अङ्गुल, 22.86 cm)

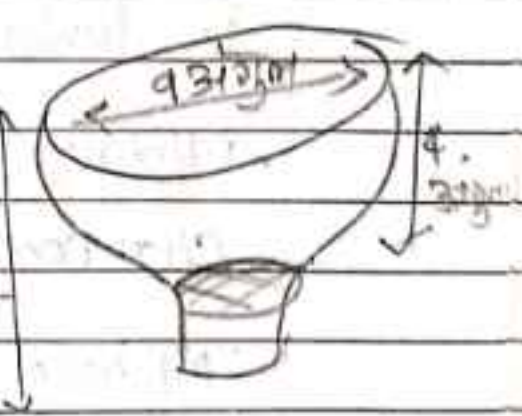
- make 1 more pit in the middle of the 1 pit - 1 अङ्गुल measurement.
- Insert One end of pipe into pit.
- body part present on earth.
- Keep 5 hole plate in middle of small pit.
- arrange coal up on plate.
- Keep ~~मुखा~~ in the middle of a coal.
- Ignite & blow with ~~फुफ्फुस~~ (blower)

Diagram



4) गार कोष्ठी -

- Make round pit -
- measuring - 12 अंगुल deep.
- wide - 9 अंगुल
- Taper wall height - 4 अंगुल
- circular construction at bottom.
- On platform, which made of metal or mud is placed.
- which have more holes
- fill with charcoal
- blow fire to the Help of फुकनी



गार कोष्ठी

Use - for separation of metallic portion from their ores.

5) अंगार कोष्ठी -

- Square shape construction upon earth.
- measurement -
- लंबाई (Length) = 27 अंगुल = 55.88 cm height.
- चौड़ाई (Width) = 27 अंगुल = 55.88 cm height.
- परिधि (Circumference) -

- make a hole on the one side of wall to गुंडा गुंडा Circumference

- Below this make 1 more hole size of $\frac{1}{2}$ बिससी गुंडा

- Top of wall make 1 more hole in size of बिससी

- Insert blower's pipe in lower side hole.

- Middle hole used to remove burn Char coal.

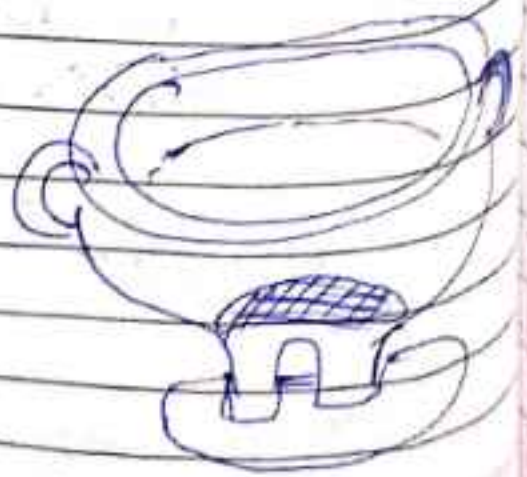
- Top hole used to keep the coal and धातु

Use - extract रस from hard substance

6) अइगार धानिका -

- Means Simple furnace.
- made of clay or brick or any other substance

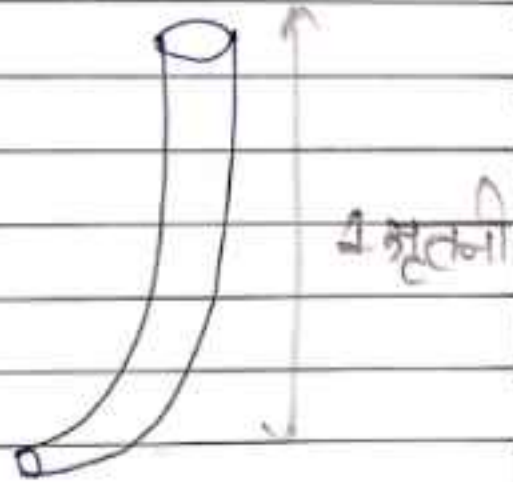
Use - मृदु द्रव्य प्रसाधिक
- वइगादीना बलन



made up iron round in shape.
middle having hollow portion for the filling of the charcoal.
cover that portion with iron mesh.
below the mesh having small way to use for blowing or remove the ash purpose.

7) वश्कनाल -

- Prepared by soil.
- length 1 अंगुली प्रमाण
- having halo pipe like instrument



- for this pipe insert one more pipe which is having length - 5 अंगुली.

- Use - blowing purpose.

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

8) त्रिशक प्रथमना कोष्ठ ए सूधा कोष्ठी

- कोष्ठ measurement -
Height - 12 अंगुली
wide - 4 अंगुली at the lower end.
- pipe (bent) Connected to it.
- also called सूधा कोष्ठ -

Use - शोधन
सिद्धि रक्षादीनां विधानाय .

Diagram

—

पोटली कल्पा

- famous कल्पना in रसशास्त्र
- रस कल्पना in the form of -

- कज्जली
- पपटी
- कूपि पक्वा
- पोटली रस

- पोटली रस are giving सद्योफल (immediate action)

- e.g.
- रस गर्भ पोटली (1)
 - रक्त गर्भ पोटली (2)
 - हेमो (स्वर्ण) गर्भ पोटली (3)
 - हमशा गर्भ पोटली (4)

① रस गर्भ पोटली

- Ingredient
- शुद्ध पारक - 1 part
 - शुद्ध गन्धक - $\frac{1}{2}$ part
 - कुमारी स्वरस - Q.S.

M.O.P. -

Take पारक and गन्धक in खल्व रस

make कज्जली form

add कुमारी स्वरस to मर्दन

↓
 till it become paste form
 ↓
 make मिड़ताकर shape
 ↓
 keep in silk cloth make पोदली
 ↓
 Tie in बोला यन्त्र
 ↓
 which having गन्धक
 ↓
 give मँपाग्नि for 1 यम
 ↓
 After स्वागशीतल
 ↓
 remove पोदली

Indication - भूच्छी
 - अपस्मार
 - सङ्गो नाशन

Note - पोदली कल्पना
 medicine rub on stone by adding दूध

② हेमागर्भ पोदली

Ref. - रसासुत

पोदली

भाण्ड

Ingredient - शुद्ध पारद
- शुद्ध गन्धक
- स्वर्ण भस्म
- ताम्र भस्म
- कुमारी स्वरस



M.O.P. -

Join us on telegram
M56 BOOK STORE

Take पारद and गन्धक in खल्वयन्त्र

↓
make कज्जली add भस्म

↓
add कुमारी स्वरस do मर्दिन
भापना

↓
for 7 days.

↓
make bolus like पुष्पीफल 5 अंक

↓
dry it, take वस्त्र

↓
pour गन्धक चूर्ण

↓
Keep bolus, make पोदली

↓
tie in दोला यंत्र

↓
which contain गन्धक

↓
give मन्दाग्नि for 12 म

↓
अग्नि स्वाग शीतल

↓
remove पोटली

मात्रा - 125 mg.

Indication - सन्निपातज ज्वर .

(3/5/10m)

पुट

- The instruments powder) which gives proper heat for पक of
- GK G - गोबर पुट (cow dung)
 - LK K - लवक कुकट (lavak bird)
 - MK L - लवक (lavak bird)
 - BVG K - कपोत (equal to size of pigeon)
 - M - महा पुट
 - K - कुम्भ (pot)
 - V - बलुक (band)
 - V - वरह (size of pig)
 - G - गज पुट (1500°C heat)
 - L - लघु पुट (lavak पुट)
 - B - भूधर

Def: - Puta is the process in which the degree of the heat, which is necessary for the incineration of

- The degree of heat is neither less or more than in this process.

- Advantage
- दोषहन्ति
 - गुणोदय
 - दीपन
 - शीघ्रव्याप्ति
 - रेखा पुनर्निवृत्ति (for the रेखा of finger)

पुट संख्या - minimum - 10 पुट (for देह वाक)
maximum - 1000 पुट (for वाजिकरण)

1) गोबर पूर

• पूर क्रम -

शोधित प्रव्य

↓
कुमारी स्वयं (non binding agent)

↓
मर्दन

↓
Make चककीस

↓
dry it in sun

↓
kept in शराव सम्पुट

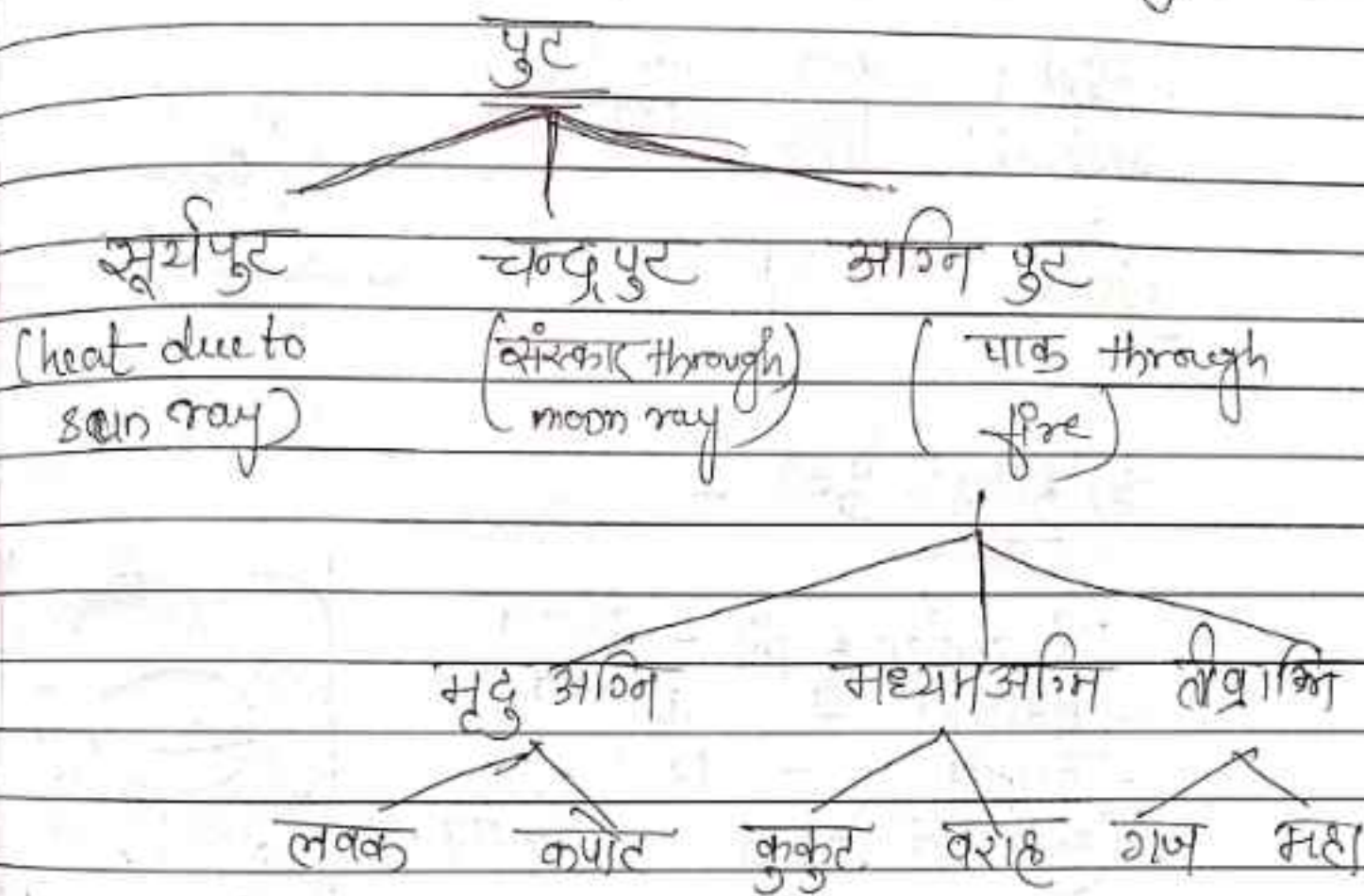
↓
Using शराव

↓
Keep in पूर

↓
स्वाङ्गीत (cool by itself)

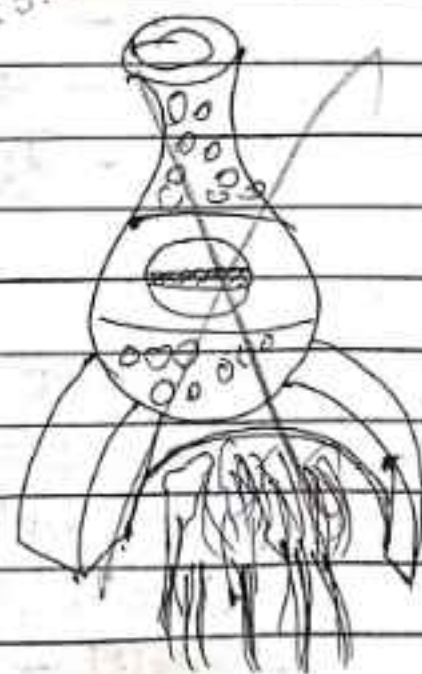
↓
collect 24-28

form the source of अग्नि, पुर is 3 types.



1) गौवार पुर -

- dried cow dung become powder is known as गौवार
- giving पुर by keeping संपुट inside गौवार
- used for सारण of पुर



(गौवार)
गोमय

सराव



गौवार पुर

2) ભલક પુટ -

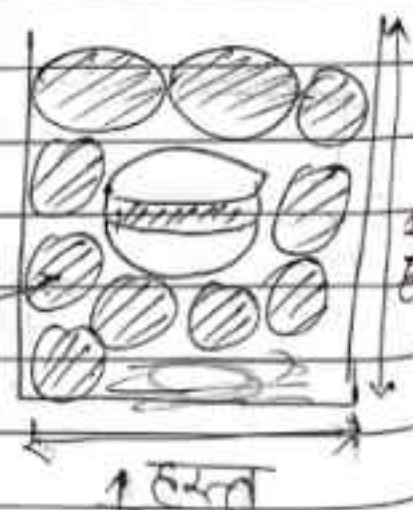
- Hight & measurement are resemble like ભલક પક્ષી.

Uses - મારો



3) કુવકુર પુટ -

- Dimension of pit - 1 હસ્ત
- height - 1 હસ્ત
- ગોમય - 10
- (વ્યનીપત્ર) - 50 ગોમય



Uses - સ્વર્ણ મારુમ

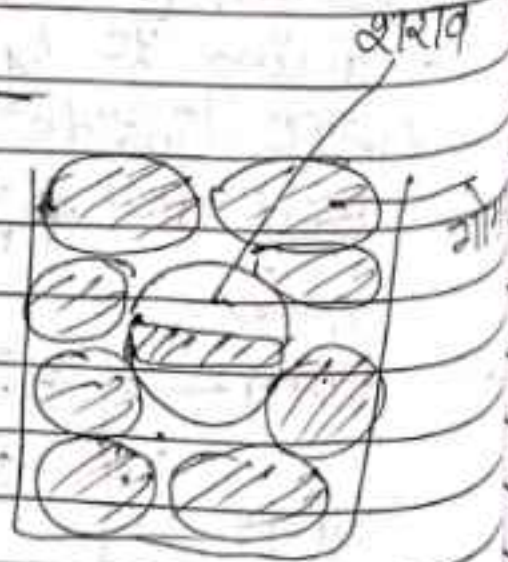
- રાજા મારુમ
- નાગ
- વડા
- મુક્તા

(4) કપોટ પુટ / ભપ્પુ પુટ -

- પુટ which size is equal to pigeon.

ગોમય - 8

- also called ભપ્પુ પુટ
- મૃદુ પુટ
- સ્વલ્પ પુટ

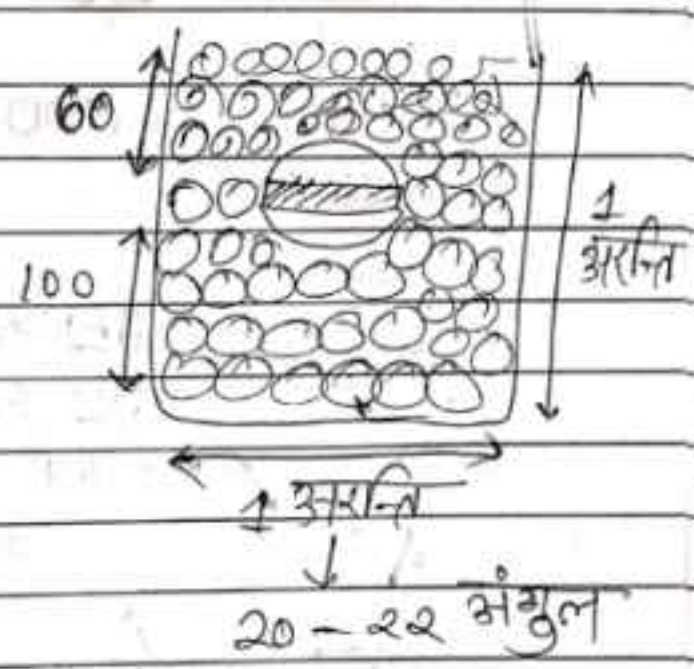


કપોટ પુટ

- Uses - रजत मारण
 - सवण -
 - रस भरम
 - शिलाजतु मारण
 - हस्ताल मारण

5) वरह पुट

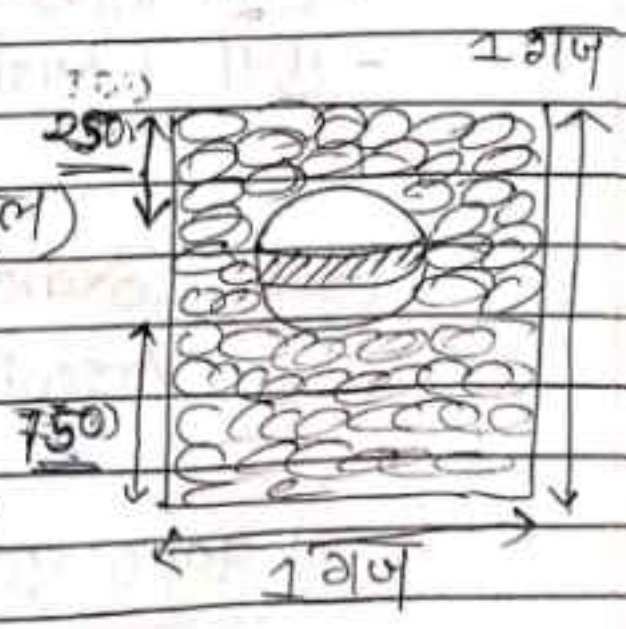
- Dimension - 1 अरन्ति
 - height - 1 अरन्ति
 - वनोपल - 150
 (गोमय) - Concocting cake



- Uses - शंख मारण
 - सुविधि मारण
 - वृत्तिक मारण
 - गोपन्ती मारण

6) गज पुट

- Height - 1 गज (36 अंगुल)
 - width - 1
 - depth - 1
 - वनोफल - 1000 (गोमय)
 below - 750
 Upper - 250



7) महापुट -

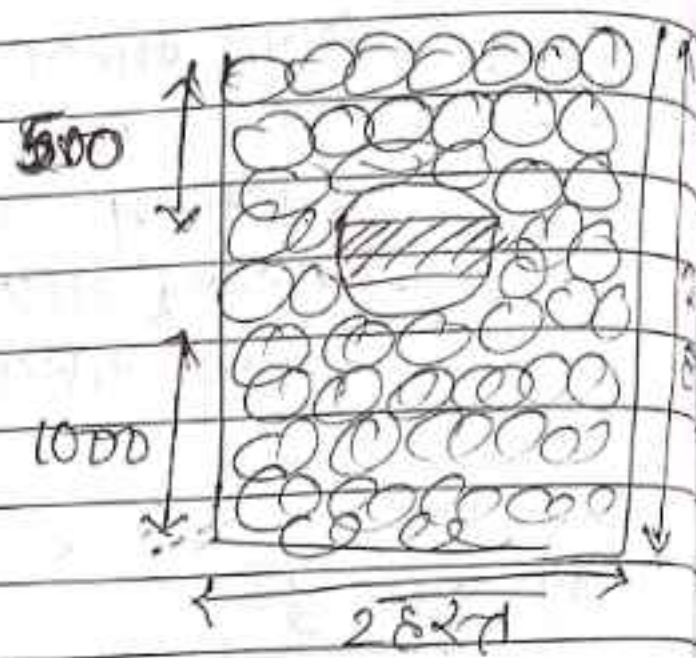
pit measuring

- 2 हस्त
(40 अंगुल)

- depth = 40

- Height = 40

(गामय) - 1000 + 500
वन्योपल



गजपुट

Uses - ताम्र अस्म

- वज्र अस्म

- स्वर्ण -

8) कुम्भा/भाण्ड / मृन्दाण्ड -

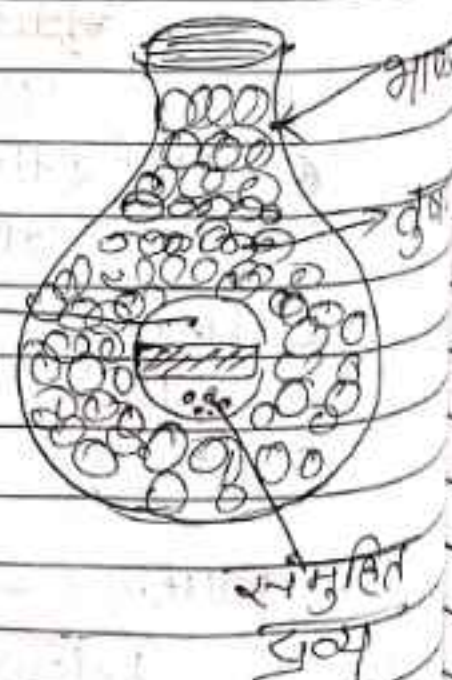
- रथूल भाण्ड - big mud pot

- तुषा (husk)

Uses - हस्तीमरण

(Arsenic group of द्रव्य)

तुषा



9) वलुक पुट

- One big earthen vessel.

- Half fill it वालुक



↓
સામ ઔષધગુસ્તમૂષા

↓
Seal with Sand

do તબીબી

subjected to અગ્નિ

Uses

ગાંધક બારણ

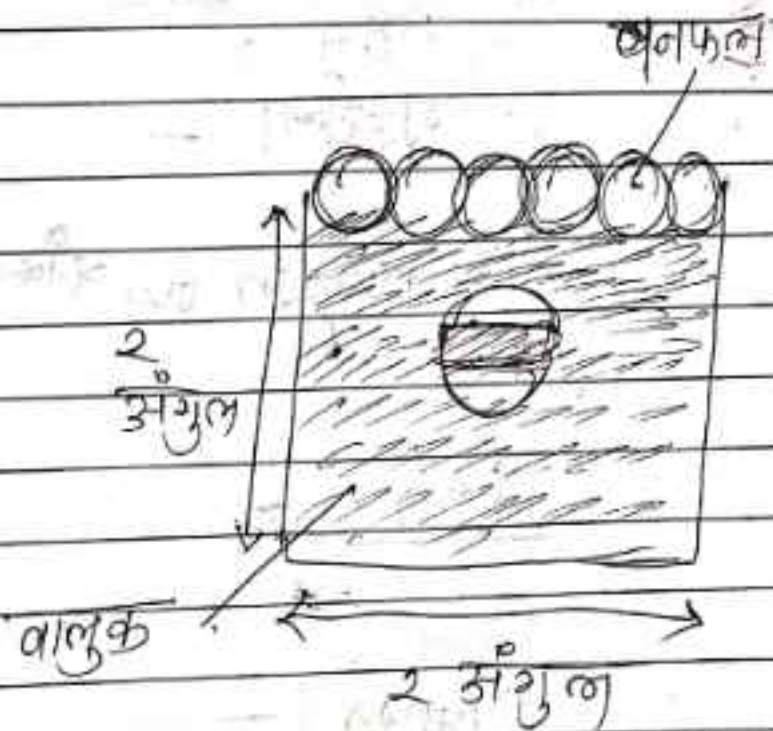
10) મૂધર પુટ

- Height - 2 અંગુલ

- width - 2 અંગુલ

- વાલુક (Sand)

- ગોમય (વિનોપન)



Uses - ઝેરમા વુ પારક
બારણ

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

29/04/22

अनुष्ठान

- Instruments are used to control -

- पारक ————— ①
- स्लेपन ————— ②
- मर्दिन ————— ③
- मूर्च्छना ————— ④

- is known as संस्कारक

Ref: -

Types -

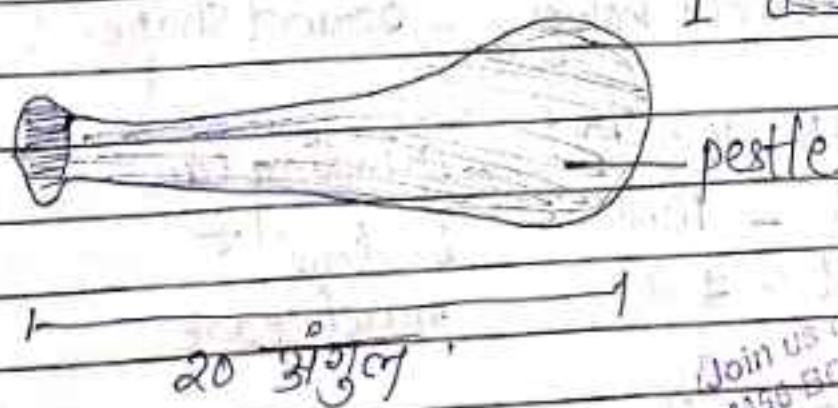
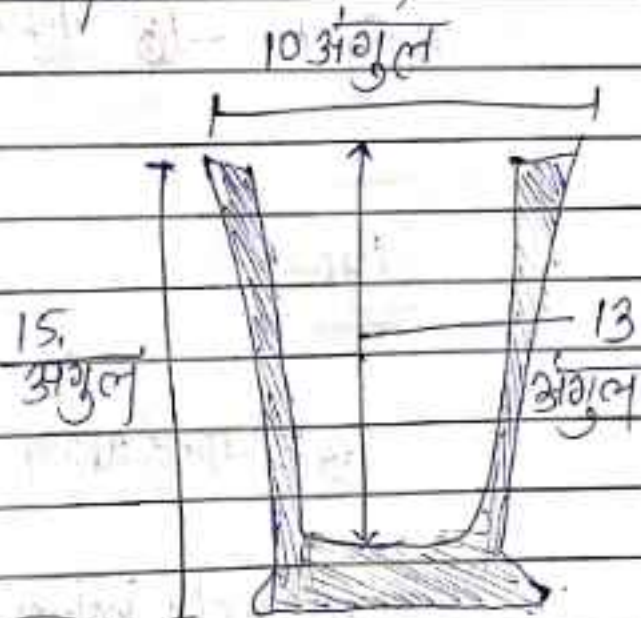
- | | | |
|--------------------|--------------|---------------------|
| १. अनुष्ठान यन्त्र | | |
| - खण्ड यन्त्र | bandon shape | पारक ————— ① |
| २. कर्णपत्र | | मूर्च्छनाया ————— ② |
| - उद्घातन | | वृत्ताना ————— ③ |
| - अधोपातन | | दोषी ————— ④ |
| - त्रिक | | |
| ३. तुलायन्त्र | | |
| ४. दालायन्त्र | | |
| ५. डमक यन्त्र | | |
| - विद्याधर यन्त्र | | |
| ६. पातल | | |
| - चालिक | | |
| - पुट यन्त्र | | |
| - बालूक | | |
| - भूधर | | |

- स्थालियन्त्र
- स्वेदन यन्त्र

1) उलुखन यन्त्र -

- also called pounding machine (mamdaoty)
- made up of iron.
- Measurements

- Height - 15 अंगुल
- Diameter - 10 अंगुल
- Depth - 13 अंगुल
- pestle length - 20 अंगुल



Uses - सर्पन (pounding) hard substance

2) खल्व यन्त्र -

- made up of blue or light black colour stone
- मृदु स्पर्श
- गुरु भार

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

- Devold of 35 गीर
- Having even surface

pestle.



- measurement -

Length

Height - 24 अंगुल

Width - 9 अंगुल

Height - 16 अंगुल



मोर्त यंत्र

Types

अर्ध-चन्द्राकार

गुर्तुल खन्व

ताप खन्व

- Semicircle in shape

- round shape

- made up of Iron

Length - 16 अंगुल

Width - 10-11

Height - 7 इंच

- grinding can be done with much ease

- kept over fire during grinding

pestle length
- 12 अंगुल

measurement

measurement

width - 12 अंगुल

width - 9 अंगुल

Depth - 4 इंच

Depth - 6 इंच

Usage

पारदशोधन

लोहे

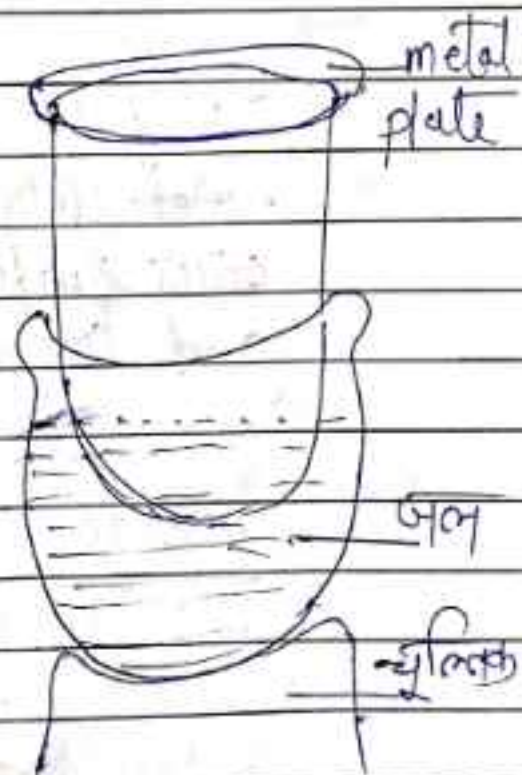
खपर लोहे

Usage

- रस
उपरस
हातु
etc.

कचपायन

- wide vessel like tub is buried upto neck in earth.
- filled w water.
- Another smaller vessel with comparatively bigger mouth.
- placed upon 1 vessel
- so that its lower part touch the water.
- मूषा containing पारद व बिस्
- placed in this vessels
- cover with metal plate
- joints are sealed w muddy cloth.
- Coal made up of wood of खकि and कोल
- spread around the Crucible and lid.



Usages -

- स्वेदन नु पारद

Join us on Telegram
MSS BOOK STORE

4) दुर्ध पावन मंत्र -

made up of combination of 02 vessels or pot.

- bottom container - 16 अंगुल width.
- 2nd container mouth smaller than 1st container

- put/inset mouth of 2nd container into bigger container mouth.

- Seal it paste prepared by grinding -
 मिश्र
 मीठ in महीष दुग्ध

- Dry it.

- wet cloth place over the outer surface of upper container and cool temperature is maintained.



Usage — अष्टूरसंकर
 — अद्योपातन

— extraction of पारद निरहिगुल.
 — upper sublimation of other drug.

३) अद्योपातन

- 2 भाँड - equal size.
 - wide & narrow mouth.
 - lower भाँड - ट जल
 - kept other भाँड mouth
 and seal it

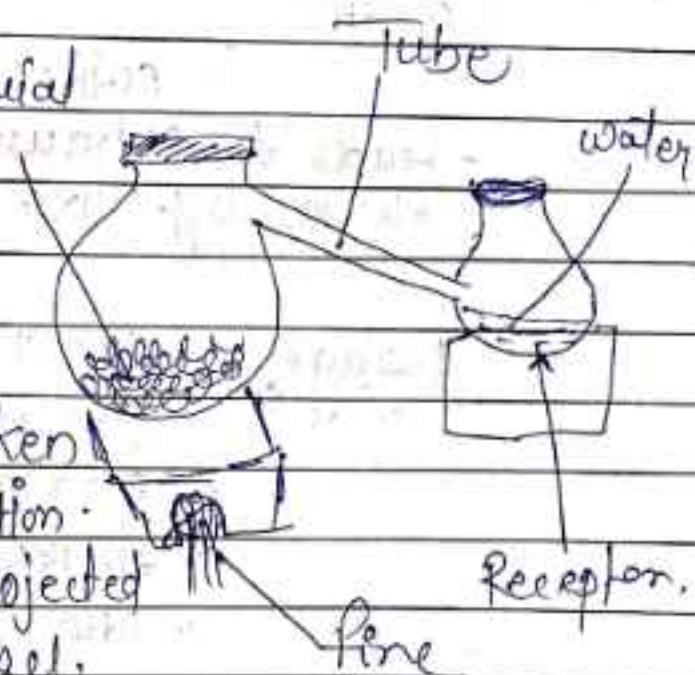


- lower container buried inside the earth.
- upper container buried - पन्योफन (20)

Usages - पारद अधोपातन
- प्रत्य अधोपातन

6) त्रियक पातन - material

- Two pots
- One Hollow tube



- A vessel of more height is taken
- tube connected to neck portion.
- Other end of the tube is projected into body of another vessel.
- kept on lower plane.
- After putting sufficient substance in 1 vessel.
- water in 2nd vessel.
- mouth of vessels are closed and sealed.
- connecting portion of tube are sealed too
- 1st vessels kept on fire.

Usage - Removal of द्रव्य व पारद

7) तुला मंत्र

- Take two वृन्ताकार मूषा
- Joined at lower part by wooden pipe त 1 प्रादेशमत्रा (distance b/w Thumb to little finger).

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Joints closely cemented by
t mud.

- In 1 Crucible, (मूषा)
keep पारक and गन्धक चुर्ण
in other crucible.

- Apply fire which contain
गन्धक

(जारक)
- leads to exhaustion of
गन्धक by पारक.

Usage - जारण गु
- हस्तान
- गन्धक
- मूशरिमा
- लोह एत.



४) डोला यन्त्र -

- fill pot to its $1/2$ t the
prescribed द्रव्य.

- Make 2 holes at neck of pot

- fixed rod in the hole

- make पोदली t ओषध द्रव्य
by using 3-folded cloth.

- tie the पोदली at the middle
of rod.

- place शाल on stove

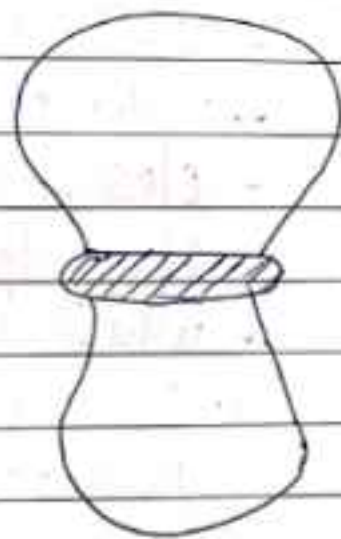
- give मन्दानि for desire. period.



Uses - स्वेदन
- पीपन
- उद्घातन कर्म

9) उमरु यन्त्र -

- take 2 small vessel (स्थाली)
- shape of vessels resemble like उमरु.
- seal the both the mouth with each other.

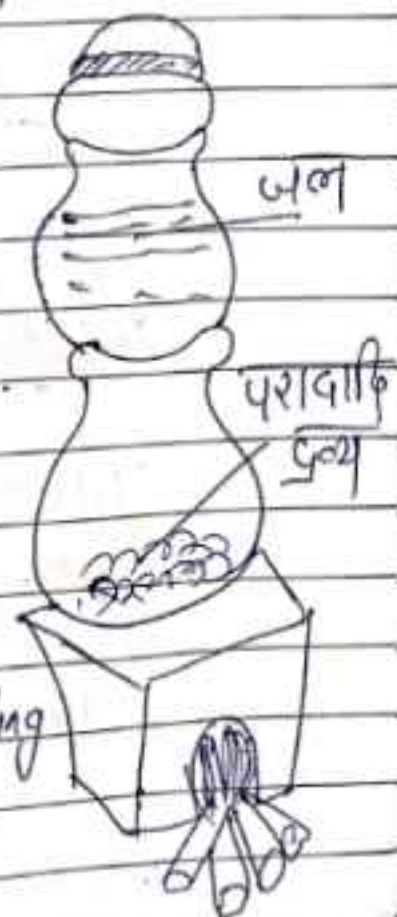


Uses - extract पारद from लिङ्गुल.
- for पारद उद्घातन purpose.

10) विद्याधर यन्त्र

(Join us on telegram
WEB BOOK STORE)

- Take 02 स्थाली
- 1 स्थाली में पारदादि द्रव्य
- 2nd स्थाली में जल
- Seal with mud
- Upper स्थाली mouth should upward
- keep on कोष्ठ [having 4 side opening]



Uses - गन्धक जारण
- लिङ्गुलो द्रिष्ट पारद

11) पातल यन्त्र -

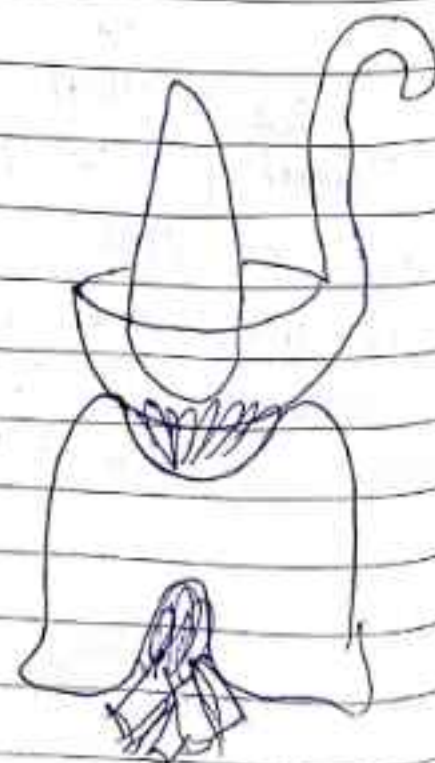
- Make a pit on earth.
- Size - 1 हस्त यमार्ग
- Take 2 pots.
- 1 fill it oil material
- make pores at its bottom
- close mouth it शीरा and seal it
- Place this pot in another pot.
- which is kept in pit & seal it
- Arrange Coal up on the शीरा which is present upon the ground.
- ignite with fire.
- influence of Heat तैल is collected in lower pot through the small pores.

e.g. - धूम्रपातक तैल
- विश्वामृत कफल तैल

12) पालिक यन्त्र -

- Take दुवि यन्त्र
- make first upward bend.
- Then downward bend.

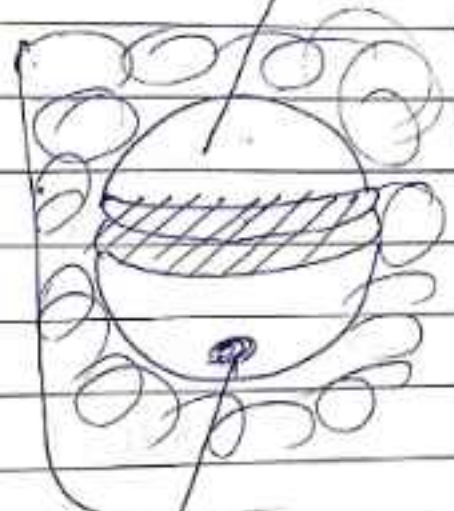
Uses - गन्धक ज्वारण
- पपटी निर्माण



(3) पुल यन्त्र

कारावसम्पुट

- take 2 शीशे make सम्पुट
- which पारद is already kept
- kept सम्पुट in middle of गीमय
- No. of low dung are arrange acc. to hardness of द्रव्य.
- Heat it for 2 प्रस्था/यम.



Uses - अभ्रक
- लोहादि धातु भस्म निर्माण.

(4) पालुक यंत्र

Join us on telegram
MSB BOOK STORE

Sand

grass bottle

cloth plaster

- A strong elongate bottle.
- little constricted mouth.
- cover 1 inch with muddy cloth except mouth and neck portion
- Dry it.
- $\frac{3}{4}$ part fill with पारद कचली
- स्थूल भाग taken
- fill it sand
- lower mouth of bottle त शराव and joints are Seal.
- subjected to मध्यमाग्नि
- 114 ग्रास dry.

कचली



Uses - कृषि पक्ता रसायन
- रस भस्मा
- गन्धक जाह्न
- रस मूच्छना

- मल्ल सिन्दूर
- स्वर्ण चङ्गु निर्माण

(15) भूदरा यन्त्र -

- A pit is dug in earth
- Sand spread in it
- then crucible, which contain पद along with द्रव
- Seal it and kept in pit
- place sand spread
- place गोमय



- Depth of pit - 1 बितसी पमाव

(16) स्थाली यन्त्र

- स्थाली means pot
- Minerals like ताम्र
 - taken along with different द्रव
 - placed in earthen vessel
 - covered with शराव
 - Seal it & heat on stove



- Uses
- Remove toxic
 - Impure substance from द्रव
 - मृदु करण
 - Softening of द्रव

17) स्वेपनी यन्त्र -

- A vessel containing any द्रव्य like

- रस
- कषाय
- कज्जी
- जल दुग्धा

paste of drug



- Covered on the mouth
- with strong cloth
- Sealed and secured.
- On cloth mineral substance kept
- cover with another vessel
- Heat it.

Uses - गन्धक्यादि द्रव्य स्वेदन

Join us on Telegram
MSS BOOK STORE

रत्न वङ्ग

Ref. - रस तरंगिणी .

Ingredient - शुद्ध वङ्ग - 1 part
- शुद्ध पारद - 1 part
- शुद्ध गन्धक - 1 part
- नवसाफर - 1 part
- निम्बुवरुक्ष - Q.S.
- सैन्धव लवण - $\frac{1}{4}$ part.

Apparatus - लोह प्रवि .
- खल्व
- कच्छाकूपि .
- सिक्थ बाँध

Join us on Telegram
@BOKSTORE

M.O.P. -

Melt वङ्ग in an लोह प्रवि on सन्दाग्नि

↓
power शुद्ध पारद

↓
transfer immediately in खल्व

↓
then powder it

↓
add सैन्धव and निम्बुवरुक्ष

↓
wash it till water become transparent

↓
add गन्धक make कम्पली

↓
add नवसागर mix it well

↓
prepare Smooth चूर्ण

↓
fill in कच्छाकूपि

↓
Subject to अग्नि for 4 यम

↓
fill it become निर्धूमा

↓
take कूपि away from बालुका मन्त्र

↓
cool in soil.

↓
break the bottle

↓
collect स्वर्णवट्ट.

मात्रा - 125 - 250 mg.

Indication -
- रसायना
- बलवर्धक
- पुमेहहर
- वाजीकरण

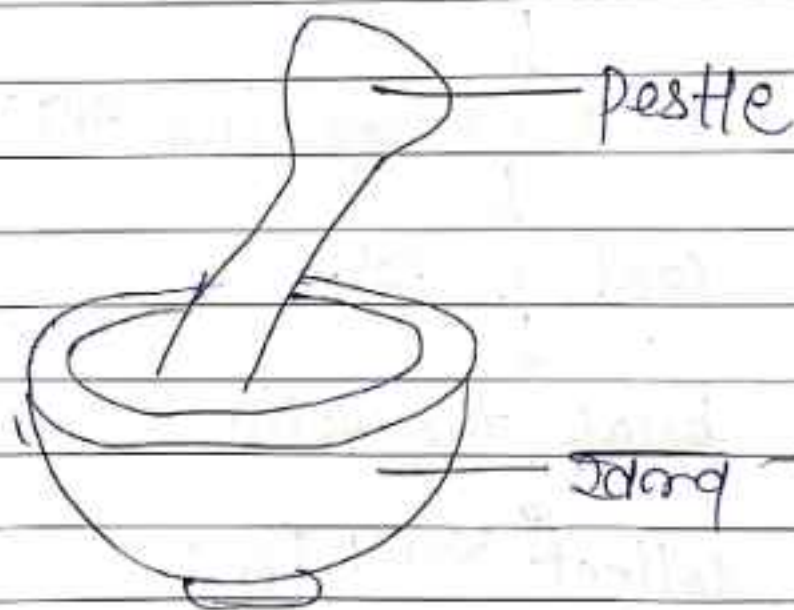
वीर्य - शीत
गुण - रुखा
- सर

रस - तिक्त
- आम्ल
- लवण

विपाक - मधुर

अनुपान - सधु
- गो दुग्ध

Join us on Telegram
MSG BOOK STORE



मोर्तार यन्त्र

Dr. परिभाषा प्रकारों

निशुणानुवृत्तलेशोत्तमसन्दिग्धार्थप्रदीपिका ।
सुनिश्चितार्थः विबुधैः परिभाषा निगद्यते ॥

Types - 21 types of terminology.

- अवाप
- निर्वाप
- ठालन (heating & deeping)
- भावना
- जारण
- मूर्च्छना
- शोधन (purification)
- मारण (Bhrama formation)
- समुत्तिक्करण
- लोहितकारण
- मूल लोह
- सत्व पातन
- सुधा वत
- वीजावर्त
- दूति
- रुध भाग
- घन वलरी भाग
- निरुध परीक्षा
- रेखा घूर्ण परीक्षा
- वरीतर परीक्षा
- घुनर्भन परीक्षा (घनमात + असम मिलन)

1) ઝવણ

- Melted metallic media is called as ઝવણ
- also known as પ્રતિઝવણ.

2) નિર્વીણ - Heating & deeping

- 1st Melt it and pour it in water.
- any liquid media.

3) કાલન -

- Heat the substance → red hot form
- ↓
- pour into liquid media

e.g. સ્વરસ, દુધ, સેવાચ (liquid media)

4) ઝાવના -

- Take દાતુચૂની in સ્વરસ
- add ૫૦ દ્રવ્ય.
- and start ગ્રાઇન્ડિંગ untill it become dry.

5) ઝારણ -

- ઝારણ નું ગ્રાસ
- દ્રવણ નું ગ્રાસ
- ઝારણ નું ગ્રાસ

①

②

③

} stages.

१) मूच्छना -

- mixing गंधक into पारद . making suitable for वायुनाशक .

२) शोधन -

- Remove the chemical & physical impurity .
"तदेव शोधनं कर्म प्रव्य दोष निवारकं ।"

३) मारण -

- Take शुद्ध धातुs and make सम्यक् मारण with कषाय .
- Make चक्रकक्ष
- Subjected to उट .

४) अमृति करण -

- दोष will removed out from the अस्म . +
- this process called अमृतिकरण .
- e.g. - अश्वक
- तास

५) लोहित रक्तकरण -

- When लोहित अस्म not get Red colour in such condition is called लोहित करण .
adopt

11) मूर्त लोह -

- Index finger of thumb

- धातु गरम हो ब्लो the index finger and thumb.

- If that गरम धातु the रेखा के of finger then it is called as

12) सत्व पातन -

- Take all the धातु (metals) from ore

- Extract metal from original ore after शोधन.

13) सुधावर्त -

- fire blown intensely called सुधावर्त.

14) बीजावर्त -

- time of liquifying of धातु will exhibit the particular color

15) द्रुति -

- निर्लेप सत्व

- Page No.
 Date
- द्रव turn into liquid form with influence of the fire.

लक्षणा -

- निर्लेपत्व
- द्रुतत्व
- तेजस्त्व
- लघुता
- असंशोगशून्येन

16) २ कद्व भाग

- भेषज should give 11% दान to the भेषज.
- After sale of medicine in the market.

17) धनवन्तरी भाग -

- Patient should give prepared purchase medicine in case of -
- रसोपधि - $\frac{1}{2}$ quantity
- तैल
- घृत
- लेह } $\frac{1}{8}$ quantity
- लोहि
- वातक } $\frac{1}{7}$ th quantity
- चूर्ण
- To the doctor respect to धनवन्तरी.

18) अपुनर्भव परीक्षा —

- One type of भस्म परीक्षा

M.O.P. — Take मूषा



add particular भस्म

add पञ्चामृत (like गुद, गुग्गुला, लवण, मधु घृत)



Kept in कोष्ठि



Subjected to अग्नि



get धातु भस्म (not original form)

19) निरुद्धा परीक्षा —

Take अपुनर्भव धातु भस्म



in मूषा



add रजत and keep in कोष्ठि



make धामना

↓
 if ~~not~~ mix with धातु भस्म

↓
 Called निरुद्धा धातु भस्म

२०) रेखापूजा निश्चयन परीक्षा -

- Take रस प्रोथ in b/w तर्जनी (index finger) & अंगुली (thumb)

- make slight friction
- all the भस्म occupy all रेखा of both finger
- not fall.

- also called मूर्त लोह.

२१) वारितर परीक्षा

- Take धातु भस्म

↓
 keep it on undisturbed water

↓
 if not mix and not settle at the bottom

Join us on Telegram
 @BOOK STORE

द्रव्य वर्ग

1) अम्ल पञ्चक -

- कोल
- दाडिमा
- वृक्षाम्ल
- चांगेरी
- चिन्चि

A/C to Rasavala Samudhina

1st classification

- दाडिमा
- वृक्षाम्ल
- कोल
- चुल्लक
- अम्लवेतस

2nd classification.

- जम्बीर
- बीजक पुर
- अम्लवेतस
- नरिंगा
- तिन्ती दीका

2) क्षीरान्त्रय -

- अर्क क्षीर
- वात क्षीर
- स्नुही क्षीर

Uses - शोधन } नु रसादि प्रणय .
मारण }

क्षीराष्टक

- गोदुग्ध
- माहिषा दुग्ध
- अवि
- अज
- अउद्
- अश्व
- हरित
- नारी

3) मधु त्रय (3 Sweet substance)

- घृत (Ghee) — (1)
- गुड (Jaggary) — (2)
- माक्षिक (Honey) — (3)

मधुर त्रिफल

- द्राक्षा — (1)
- काशमर्या — (2)
- शतर्जूर — (3)

4) म पंचामृतिक (5 types of soil)

- कुल्लिका (brick)
- गेरिका (red oxide of iron)
- लोहा (piece of broken mud pot)
- भेरुम (ash)
- लोहा (soil of anthill)

अ/क. चक्र रसतरंगीनि

- इष्टिक
- भस्म
- वल्मीक मृत्तिका
- गौरिक
- लवण (Salt).

5) पञ्चगव्य (five cow product)

- गोदुग्ध (Cow milk)
- गोघृत (Cow ghee)
- गोवर्धि
- गोमूत्र
- गोमय (Cow dung)

अ/क

6) क्षार पञ्चक

- मुष्कक्षार
- श्वेत क्षार
- प्लाश क्षार / किंशुक क्षार
- सूरजिक क्षार
- तिलनालक क्षार

क्षार पुत्र

- श्वेत क्षार — ①
- स्वर्जिय क्षार — ②

30/02/22

क्षार त्रय
 $\left\{ \begin{array}{l} \text{शव} \\ \text{स्वर्जिय} \\ \text{द्वक्कण} \end{array} \right.$

क्षाराष्टक -
 - प्लाश
 - स्नुली
 - अपमार्ग
 - चिह्वा
 - अक
 - तिलनाल
 - शव
 - स्वर्जिक

न) द्रवक गण -

- गुड
 - गुग्गुलु
 - गुग्गु
 - माक्षीक
 - धृत
 - द्वक्कण

Used for द्यातु द्रवविरकरण
 Used for मरुम परीक्षा
 called मित्र पञ्चक
 also called पञ्चामृत

8) श्वेत वर्ग

- कुसुम्भ
 - खदिरा
 - लाक्षा
 - मजिष्ठा
 - श्वेत चन्दन

K
 K
 L
 M
 R
 A
 B K

K
 M
 M
 B
 A
 L
 R

Trick

- अधीष
- वन्धु जीव
- कपूर गन्धी
- साक्षीक

व) श्वेत वर्ग

N	- नगर	R	<	
R	- कपूर	J	-	Track
R	- कुन्दा	N	-	
J	- गुच्छा	G	-	
J	- जीवन्ति	S	-	
S	- श्वेताम्लक			

ग) लवण वर्ग

Defn. लवण

लुणति / cutting property that is called लवण.

which is having लुणति (cutting) property that is

classification -

- एक लवण - सैन्धाव लवण
- द्वि लवण - सैन्धाव लवण + सौर्वचल लवण
- त्रिविध लवण - सैन्धाव + सौर्वचल + विड लवण
- चतुर्विध लवण - सैन्धाव + सौर्वचल + विड + सामुद्र
- पंचविध लवण -

- सैन्धव ————— ①
- सौर्वचल ————— ②
- बिड ————— ③
- सामुद्र ————— ④
- औदुविध ————— ⑤

① सैन्धव लवण ~

- mineral
- obtain from पंजाब

Variety $\left\{ \begin{array}{l} \text{White} \text{ ————— ①} \\ \text{Red} \text{ ————— ②} \end{array} \right.$

- श्रेष्ठ Consider (A/c. to चरक).

② सौर्वचल लवण (Black Salt)

- Prepared artificially
- mixing सफ़े धार and सैन्धव लवण in equal मात्रा.

③ बिड लवण (Ammonium) -

- prepared by burning - करीर and पीलु वृक्ष
- Having धार in taste.

④ सामुद्र लवण (Common Salt) -

- prepared by from sea water by evaporating through sunrays.

(5) रोमक लवण (संभार Salt) -

- found in जयपुर (in राजस्थान),
- संभार lake.

(6) औद्योगिक -

- obtained crystal substance.

Digitized by
Sri Laxmi Narayan
Babu

Ingredient - शुद्ध टक्कण वेदित स्वर्णपत्र - 4 part
- अष्टमासविति शुद्ध पारक - 8 part
- शुद्ध गन्धक - 16 part

M.O.P. - Take स्वर्ण पत्र and पारद in खन्व यन्त्र

add ग्लेक मात्रे क-पली form.

fill in कच्चा रूप upto $\frac{1}{3}$ rd

Keep in वालुक यन्त्र

Subject નો અર્થ Using શબ્દો : (2 યમ)

मन्द }
मध्यम } 2 यम
तीव्र }

↓
स्वागशीतल remove from वायु के यंत्र

Scanned with OKEN Scanner

↓
break the bottle

काँटेत मधु सिन्दूर

वर्ण - रक्त

वीर्य - शुष्क

रस - कड़ु रस

गुण - स्निग्ध

विपाक - मधुर

मात्रा - 60-250mg.

अनुपान - मधु

- गोपुग्ध

- घृत

Indication - क्षय

- कास

- पुमेह

Gas stove

- Is a Cooker which uses natural gases.

- propane gas

- butane

- liquified petroleum.

- 1st gas stove were developed as 1820.

- But remain isolated

- James Sharp patented a ~~st~~ gas stove in England in 1826.

- This technology start to become a commercial in 1860s.

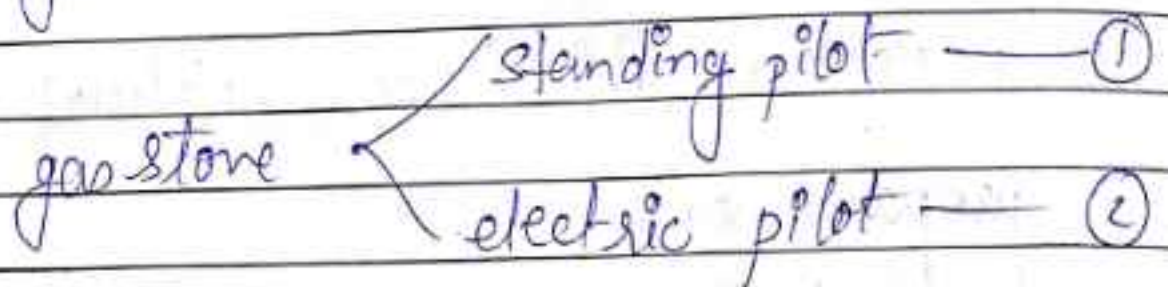
- The 1st gas stove reg rather unsightly.

- after that size reduced for the home purpose.

- 1910, high end gas stove was invented in 1920.

Diary

Types -



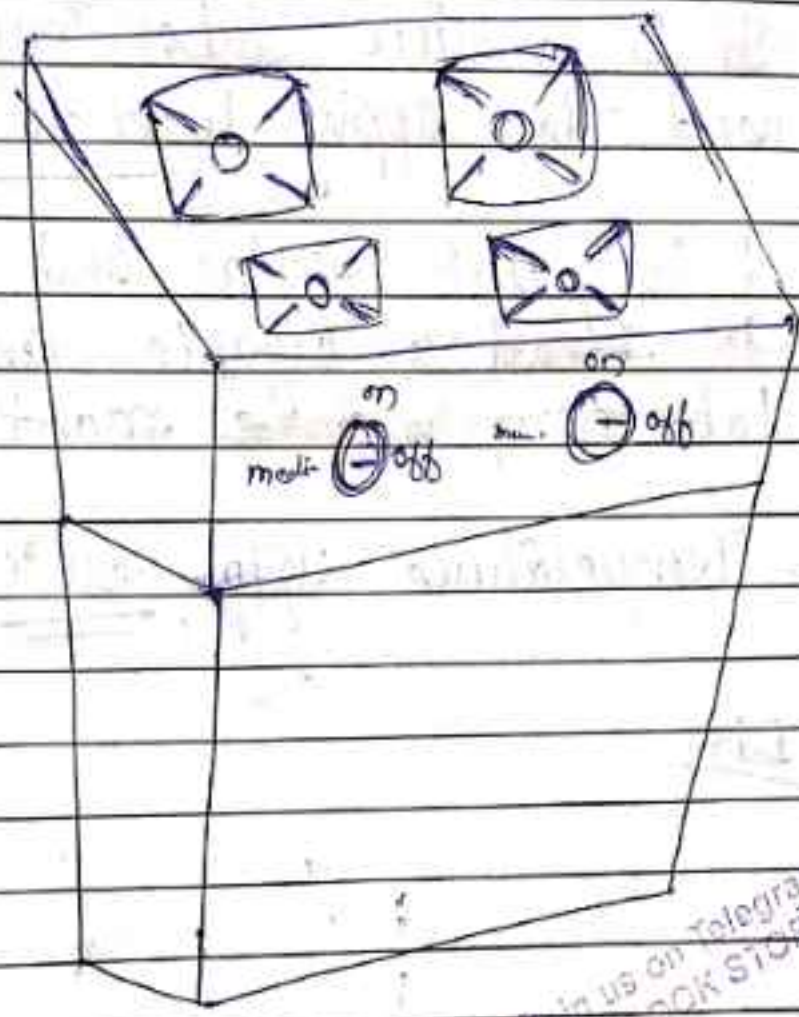
1) standing pilot -

- Has small ~~con~~ and continuously burning gas flame.
- Very simple and completely independent method.

2) electric pilot -

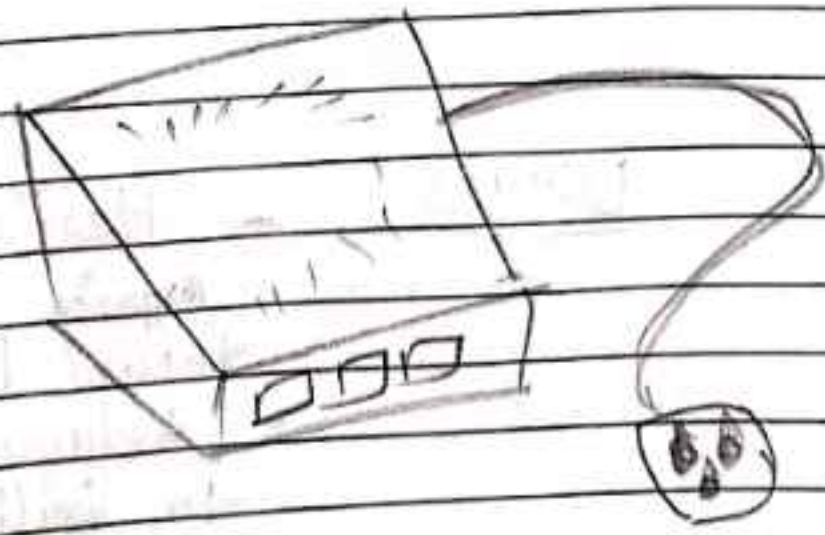
- It used for electric spark to ignite
- In this clicking sound ^{will} come before the burners burn
- Denoted by light lite.

Diagram



Join us on Telegram
 M56 BOOK STORE

• Gas stove



Heating mantle

mantle

• Heating mantle —

- It is a piece laboratory equipment used to apply heat to containers.
- It is most popular and safest method to heat a organic and inorganic laboratory ~~mantle~~ mantle.
- Temperature upto 450 °C are possible.

Uses

Uses

- Heating and tempering organic liquid.
- Round bottom flask.
- Relevant reaction (rx) vessel for boiling.
- evaporation.
- distillation.
- Extraction.

- Variable autotransformer To control input voltage.

- Never plug its directly into 110 volt line.

- Discovered by - mickle and paul
michale

Do

Electric muffle furnace.

- It is a oven type furnace in which subject material is isolated from the fuel.

Usages -

- Isolation — (1)
- Combustion — (2)
- elimination — (3)

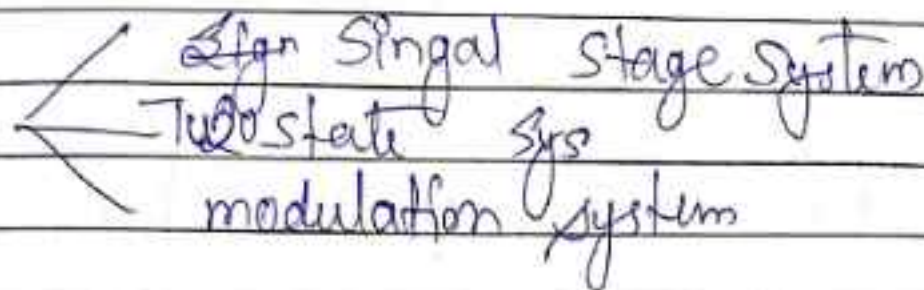
- They are very - durable.
- reliable.

- work well
- Testing for quality control
- Heat treatment
- Ceramics
- Glass

- It refers to the insulation and separation of heating elements from the content.

- It comes from the manufacturers.

• Types of Furnace System -



① Single Stage System -

- Most widely use system -
- 1st developed in 1930.
- Inexpensive oil and gases.

Join us on Telegram
MSU BOOK STORE

② Two stage system

- Next level Comfortness is the T.S.S.

- 4 Main types of furnaces -

- Natural gas ——— ①
- oil ——— ②
- electric ——— ③
- propane. ——— ④

Diagram

Handwritten text, possibly a date or page number, partially obscured by a stamp.

diesel - furnace

- It is a piece of equipment.
- produces heat by burning diesel.
- Diesel used to powder the furnace
- Can be petroleum origin
- Used all over the world for a wide variety
- Manufactured by a number of different companies.

Necessary for

- Smelting of steel.
- production of clinker for cement
- many other process.

People using variation on the basic furnace.

- application Manufacturing.
- Ancient Chinese.

- Burner can be controlled to adjust the rate of combustion to $\uparrow$ or $\downarrow$ the heat of furnace.

D

- for industrial application.
- Using generic diesel furnace.
- Companies can also order custom versions.

Function - cleanly
- effectively as possible in the space.

Dis

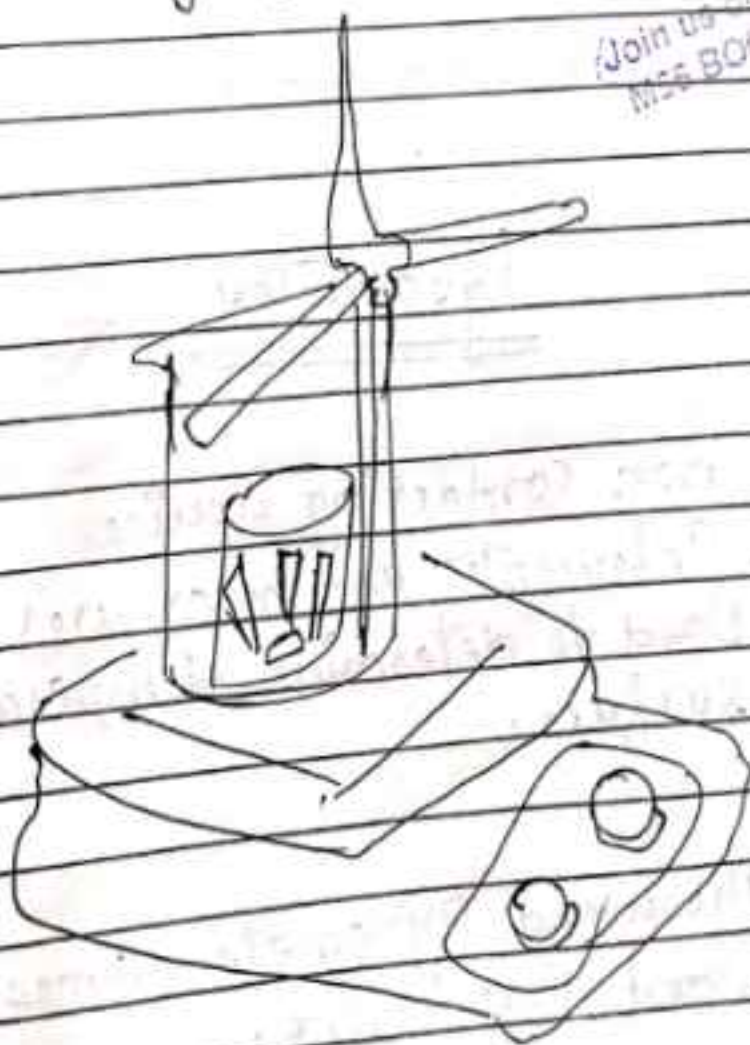
Join us on Telegram
MSG BOOK STORE

Hot Plate

- Self contained table top small appliance.
- Single or double electric heating elements
- portable.
- As a Substitute ~~for~~ one of the burners from ~~over~~ range.
- cook top of a stove.

Used - food preparation.
- generally for small dishes.

Diagn



Hot plate Advantage

- Completely electrical.
- Environmentally responsible.
- Low cost.
- Consider appropriate technology.

Di-

Pyrometer

- non contacting device
- Intercepts and measures thermal radiation
- Used to determine temperature of an object's surface.

The word Pyrometer comes from Greek word for fire.

pyro - fire
mete - measure.

Application -

- Measurement of moving object.
- any surface that cannot be reached.
- (can. not be touched)

Dien

Join us on telegram
@BLACK STONE

#

मूषा

Defⁿ -

- which remove the दोष from द्वातु and कल्पता.

पर्याय - पाचनी

- मूषा

- कुमुद

- वन्दिमित्र

Join us on Telegram
@BOOKSTORE

Basic material used for making मूषा

- वाल्मिकामृत्तिका — (1)
- कलीनी मृत्तिका — (2)
- भूनाग मृत्तिका — (3)
- श्वेत मृत्तिका — (4)
- पीत मृत्तिका — (5)
- श्वेत मृत्तिका — (6)

Types -

- सामान्य मूषा — (1)
- गार्स्तना — (2)
- वज्र — (3)
- महामूषा — (4)
- योग — (5)

- वृत्ताक ————— (6)
- मीलन ————— (7)
- पक्वा मूषा ————— (8)

1) सामान्य मूषा -

- Ingredient - दग्ध तुष
- pieces of jute
 - powder of charcoal
 - Horse dung

procedure -

Take all the ingredient in equal quantity.

↓
mixed with the clay

↓
Mixture is pounded well in कूटनायन

↓
till it become soft

↓
dry it and subject to अग्नि



२) गोस्तनी मूषा -

Ingredient - गेह तूप
- piece of jute
- powder of charcoal
- Horse dung
- मृत्तिका



procedure -

take all the ingredient in equal quantity

↓
mix it properly

↓
pounded well using कूलनारत्र

↓
till it become soft

↓
elongate मूषा in the shape of गोस्तनीकार

↓
dry it and subject to अग्नि

Uses - सत्वप्रवण
- सत्व शोधन

3) वज्र मूषा -

Ingredient -

- मृत्तिका - 3 part
- शालहि (piece of jute) - 2 part
- वेष्टा बुधा - 2 part
- brown husk - 4 part
- मण्डर चूर्ण - 4 part

procedure -

Take all the ingredient are powdered

↓
Using कूटना यन्त्र

↓
make soft and give shape of वज्र

↓
dry it and subject to अग्नि (upto 4 यम)

Uses -

- अल्पपातन
- रसशोधन
- रससूक्ष्मना
- रसमारण
- वज्र प्रविण
- दूध मेलन



4) सहामूषा - also called स्थूल मूषा

Ingredient - दग्धा तुषा
- शवलहि
- Horse dung
- powder of charcoal.
- मृत्तिका

procedure -

Take all the ingredient

↓
mix with मृत्तिका

↓
do मर्दन using कुरमा यन्त्र

↓
make it soft

↓
make a shape which is narrow at lower end
broad - middle
bigger - upward

↓
dry it and subject to अग्नि

↓
Uses - extract रस from लोह
- अभ्रक
- स्वर्णमाक्षिका

5) योग मूषा -

Ingredient - Burnt husk

- powder of charcoal
- white clay
- वालमिका मृत्तिका
- शीत
- गन्धक
- लवणादि बिडा

procedure -

all ingredient are taken in equal quantity.



then make a powder.

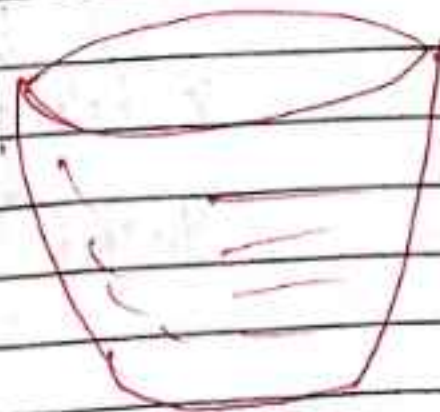


prepared a मूषा



Outer and inner side smeared with this

Uses - पारद शिखर .

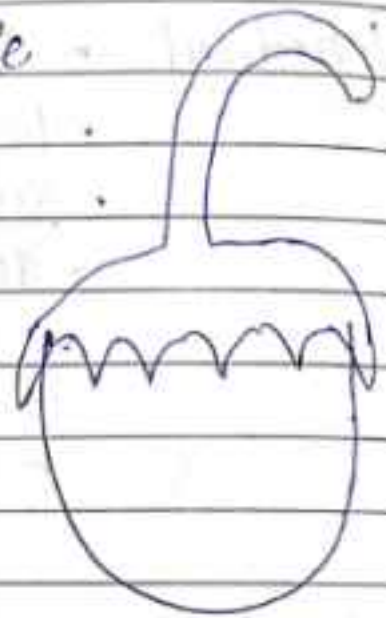


6) वृन्ताक मूषा -

- वृन्ताक means brinjal shape

Ingredient -

- पुच्छा वूषा
- मृत्तिका
- Horse dung
- powder of charcoal



Procedure -

- Take all ingredient mix it

↓
do मर्दन using कूटना सूत्र

↓
make a soft मृत्तिका

↓
12 अंगुली length गोलामूषा

↓
having पीसना like द्वावर पुल्प

↓
7 hole at middle

↓
Insert 8 अंगुली length pipe

Uses - खरपारकादि प्रत्येक सेवपातन .

3) मल्ल मूषा -

Ingredient - 2 शराव
मुलतानी मिट्टी
वस्त्र

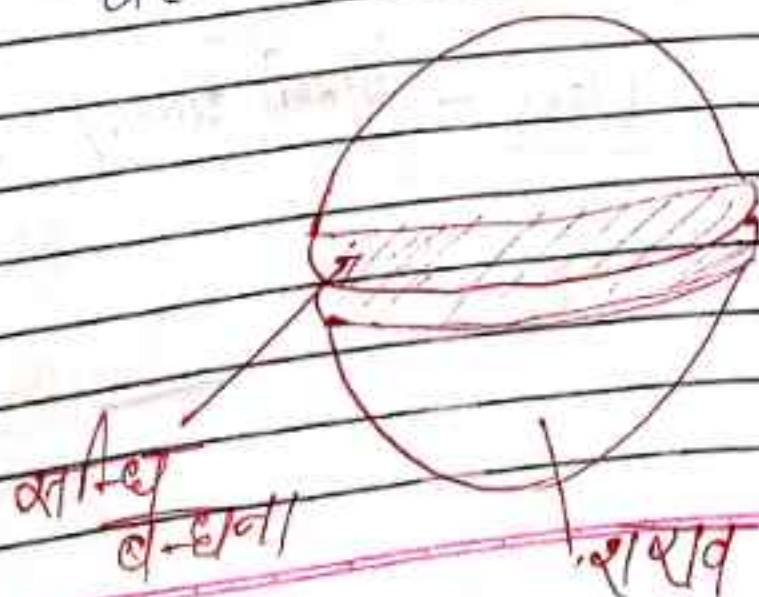
procedure -

make a शराव

↓
place one शराव upon another
↓

in the form of बालपुट

Uses - स्वेदन व पपटी
etc.



8) पक्का मूषा -

Ingredient - मृत्तिका
- दग्धा तुषा
- Horse dung
- powder of charcoal
- piece of jute

procedure -

Take all ingredient

↓
do मर्दन using कुलनायन

↓
make a ball

↓
make कुलाल भाँड रूप

↓
dry it and heat it intensively.

Uses - पोटली चान्चन .

औषधि रोग ज्ञान

Page No.	
Date	

① आरोग्य वर्धनी वरी - रसु - रसरत्न समुच्चय

- Ingredient - शुद्ध - पारद } 1 part
- शुद्ध गन्धक
 - लोह भस्म
 - ताम्र भस्म
 - अभ्रक भस्म
- त्रिकत { 2 part
- हरितकी
 - विभक्तिकी
 - आम्लकी
- शुद्ध बिलजतु - 3 part
 - शुद्ध ~~कस्तुर~~ गुग्गुलु } 4 part
 - चित्रमूल
- कटुक रोहिणी - 18 part
 - निम्बु खरस - R. Q.

M.O.P. -

Take शुद्ध पारद and गन्धक in खल्व रत्न

make कज्जली and add भस्म (ताम्र, अभ्रक, लोह)

make homogeneous form

add remaining द्रव and निम्बु खरस

do आवनी for 2 days

गोलिक in size of कबूतरी

1 रत्ति = 125mg

Page No.	
Date	

(2 रत्ति - 8 रत्ति / कुठ्ठा)

मात्रा - 1 - 4 tablets (2 time)

कर्म - दीपन — (1)
— घान्धम — (2)
— हृदय — (3)

Indication - कुष्ठ रोग — (1) (skin dis.)
— वात रोग — (2)
— ज्वर — (3)
— पृष्ठ — (4) (pale)
— शोथ — (5)
— यकृत वृद्धि — (6) (Hepato)
— प्लीहा वृद्धि — (7) (Spleeno)
— (8) (Hepato
— (9) (Spleeno)

Join us on telegram
@BANK STONE

2) आनन्द भैरव रस -

Ingredient - शुद्ध हिङ्गुल
- शुद्ध तल्सनाभ
- त्रिकटु
- शुद्ध लवङ्ग
- शुद्ध गन्धक
- निम्बु स्वरस . 11.5. पिपली

1 part
कुप्ली
मारिच
पिपली

M.O.F. Ref. - रत्नावली

M.O.F. -

take all the Ingredient in स्वरस रस

↓
do the मर्दन

↓
with निम्बु स्वरस

↓
for 2 यम (6hrs)

↓
make pills in size of 1 रति (125mg)
घटी

मात्रा - 1 - 2 tablets + मधु

Colour - Red

- रस - कटु — (1)
 गुण - लघु — (2)
 वीर्य - उष्ण — (3)
 विपाक - कटु — (4)

- Indication - कास — (1)
 - श्वास — (2)
 - अतिसार — (3)
 - ग्रहणी — (4)
 - ज्वरातिसार — (5)
 - अजीर्ण — (6)
 - मेधा रोग — (7)
 - वातव्याधि — (8)

Join us on Telegram
@THE BOOK STORE

3) कर्पूर रस

Ingredient -

- शुद्ध हिंगुल
 - अहिफेन
 - मूस्ता
 - जातिफल
 - कण्डूज बीज
 - कर्पूर
 - जल - R. Q.
- 1 part.

Ref. - त्रैपण रत्नवली

M.O.P. -

take all ingredient except कर्पूर in खल्व यन्त्र

↓
add जल, do मर्दन

↓
till it turn into semisolid form

↓
add कर्पूर mix it

↓
make pills in the size of 250 mg. (हरति)

Page No.
 Date
 मात्रा - 1-2 pills रती/बोतल/मुटिका

अनुपान - मधु
- जल

Indication - अतिसार (diarrhoea)
- ज्वरातिसार (diarrhoea + fever)
- रक्तातिसार (bleeding + diarrhoea)
- ग्रहणी (abdominal disease)

Join us on Telegram
MSc BOOK STORE

Join us on Telegram
MSc BOOK STORE

3) काम पुष्पा रस

Ref: - रस रत्न सार

Ingredient -

- मुक्ता पिप्पली
 - प्रवला पिप्पली
 - शैव भस्म
 - शुक्लि भस्म
 - वराह भस्म
 - स्वर्ण गैरिक
 - गुडुचि सत्व
- 1 part

M.O.P. -

Take all the द्रव्य in खल्व संज्ञ

↓
do मर्दन by adding अन्यमात्रा जल

↓
make a pills of 2 रति in size.

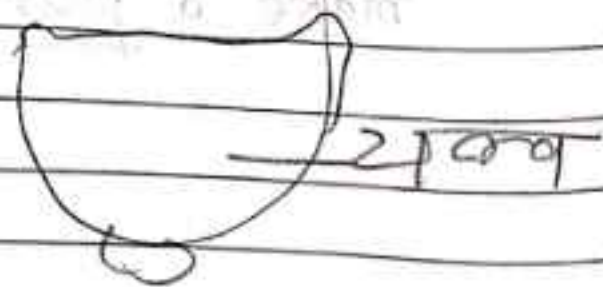
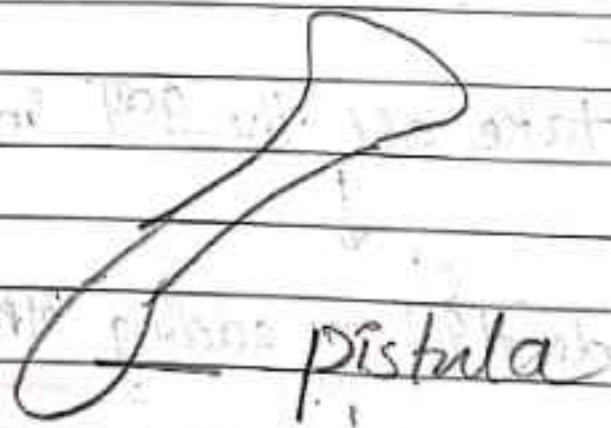
Join us on Telegram
M59 BOOK STORE

मात्रा - 1 - 3 pills.

- 3 time

अनुपान - जीरक
- शंकरा

Indication -
- घूर्ण उत्तर
- पित्त विकार
- अम्ल पित्त
- दाह
- भ्रम
- रक्त पित्त
- दोर्बल्य



यक यंत्र

नवायसा लोह

Ref - अथर्व रत्नावली

Ingredient - शुण्ठी
- मरिच
- पिप्पली
- हरितकी
- विभक्तकी
- आम्लकी
- मुरली
- विड्ग
- चित्रमूल
- लोह भस्म - equal to above quantity.

त्रिकटु
1 part

M.O.P. -

Take all the ingredient

↓
in 200ml water add water / मधुसूत

↓
make मर्दि for 3 days.

↓
make a pills

↓
size of 250mg.

Join us on Telegram
HSS BOOK STORE

માત્રા - ૨ - ૪ ગુણા / રતિ .

Indication - ઉત્કૃષ્ટ વાળુ .

Join us on telegram
MS6 BOOK STORE

हि इन्डुनेश्वर रस

Ref - औषध रत्नावली

Ingredient -

- शुद्ध हिङ्गुल - 1 part ——— (1)
- वल्सनाभि - 1 part ——— (2)
- पिप्पली - 1 part ——— (3)

M.O.P. -

take equal of all Ingredient



in खल्व शिख and add water

↓ मर्दिन

make



til it becom homogeneous mixture



make pills.



Size of $\frac{1}{2}$ गुब्बा पुमाव

($\frac{1}{2}$ रति) (75 mg)

(Join us on Telegram)
MAG BOOK STORE

वर्ण - रक्त

रस - कटु

गुण - लघु

वीर्य - उष्ण

विपाक - कटु

अनुपान - मधु
- अष्टक रस

Indication - वात ज्वर

Join us on Telegram
BABA BOOK STORE

योगेन्द्र रस

Ref. - औषध रत्नावली

Ingredient -

- रससिन्दूर - 2 part
- स्वर्ण भरुम
- कान्त लोह भरुम
- अम्लक भरुम } 1 part
- मुक्ता भरुम
- वड्ग भरुम
- कुमारी स्वरस Q.S.

M.O.P.

Take 1 to 6 ingredient in खन्व यन्त्र

↓
add कुमारी स्वरस

↓
do मर्दन for 7 times

↓
keep it in the छान्यशशी for 3 days

↓
make pill in size of 250mg. 12 रति

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

रस - मधुर
- कषाय

गुण - लघु
रूक्ष

वीर्य - उष्ण

विपाक - मधुर

मात्रा - 1 to 2 tablets. (२ - ४ रत्ति)

अनुपान - त्रिफल
- शीत
- वमशोचन

Indication - वात-पित्त रोग

- पित्त
- अपरमाद
- मूत्रधातु
- मूत्रच्छा
- उन्माद
- शूल

लघुसूतशेखर की

Ref. - समतन्त्रसार - सिद्धा प्रयोग संग्रह...

Ingredient -

- शुद्ध गैरिका - 2 part
- शुण्ठी - 1 part
- नागवल्ली स्वरस - Q.S.

M.O.P. -

Take all ingredient in खम्बरान्न

↓
add नागवल्ली स्वरस

↓
make भोविना for 3 days

↓
make pills

↓
Size of 125 mg. (1 रत्न)

Join us on Telegram
MSB BOOK STORE

मात्रा - 1-4 tablets

अनुपान - जीरेक चूर्ण
- तक्र

Indication - शीत पित्त
- अम्ल पित्त
- उदर
- मुखपाक
- शिराशूल चर.

Join us on Telegram
M50 BOOK STORE

सप्तामृत लोह

Ref. - रसयोगसत्र

Ingredient त्रिकल	हरितकी	}	1 part
	विभक्तकी		
	आमलकी	}	1 part
	- यूपी मधु		
	- लोह भरुम		
	- घृत		
	- मधु		

M.O.P. -

first take त्रिकल चूर्ण and यूपी मधु

↓
Separately in खल्व यन्त्र

↓
add लोह भरुम, घृत and मधु

↓
Make मर्दन until it become

↓
Homogeneous mixture.

मात्रा - 250 - 500 mg. (2 से 4 से)

रस - मधुर

गुण - स्निग्ध

वीर्य - शीत

विपाक - मधुर

Indication - तिमिर

✓ चक्षुर्दृष्टि

✓ शूल

✓ अम्लपित्त

✓ ज्वर

✓ अनाह

✓ शोथ

Uthmaniyasa Telugu
Uthmaniyasa Telugu

हेमागर्भ पोदली

Ref. - रसामृत

<u>Ingredient</u>	✓ शुद्ध पारक	- 4 part
	✓ शोधित स्वरण पत्र	- 4 part
	✓ गन्धक	- 12 part
	✓ मुक्ता पिष्टी	- 16 part
	✓ शिख चूर्ण	- 24 part
	✓ शोधित लवकण	- 1 part
	✓ निम्बु स्वरस	- Q.S.

M.O.P. -

Take the शुद्ध पारक in खन्व यंत्र

↓
add स्वरण पत्र make homogenous form.

↓
add गन्धक make कज्जली.

↓
Add remaining ingredient

↓
Make सर्पन by using निम्बु स्वरस.

Join us on Telegram
@BKS BOOK STORE

↓
Finally made the पोगीफल अर्क

↓
Keep in बदो यन्त्र

↓
make पक for 3 days.

↓
After स्वागशीतल collect it.

मात्रा - 125 - 250 mg.

अनुपान - मधु

Indication

✓ श्वस

✓ कास

✓ क्षय

✓ जीर्ण ज्वर

✓ ग्रहणी

✓ अपाचि

चन्द्रामृत रस

Ref. - भारत औषध्य रत्नवली

Ingredient

त्रिकटु	}	1 तोल
त्रिफल		
चव्य		
जैरिक		
सैन्धव लवण		
शुद्ध पारक		
शुद्ध गन्धक		
लोह अस्म		
शुद्ध लवकण	- 4 तोल	
मैरीच	- 2 तोल	
(Goat milk)	अजपुग्धा	- ०.5

M.O.P. -

Take पारक and गन्धक in समान मात्रा

make कजली and add remaining ingredient.

make भावना with अजपुग्धा

make pills in the size of

१ गुठली (1 gm and 125 mg)

रस - कटु

गुण - रुक्ष

वीर्य - शून्य

विपाक - कटु

कर्म - कृमिघ्न

- वल्य

- वण्य

- ज्वरघ्न

Indication - तृष्णा

- पाह

- भ्रम

- गुल्म

- कृमि

- शूल

- जीर्ण ज्वर

Join us on telegram
MS BOOK STORE

मात्रा - १ गुञ्जान

अनुपान - अप्रक स्वरस

- मधु

Imp

चन्द्रा पुभा वरी (कूपर) - main ingredient

Ref. - भारत - भेषज्य रत्नावली

Ingredient - शिलाजतु
- बससिन्दूर
- अभक भस्म
- लोह भस्म
- नाग भस्म
- वेङ्क भस्म
- खला चूर्ण
- लवंग चूर्ण
- जाति कोष -
- जाति फल
- मधुक etc.

10 parts.

- नाग वल्मी स्वरस - १:5.
- कूपर (चन्द्रपुभा)

M.O.P. -

Take all ingredient in खन्व यन्त्र

↓
make भावना in each स्वरस for 1 day

↓
do भावना निर 3 days.

↓
make pills.

Join us on Telegram
@BOOK STORE

वर्ण - कृष्णा वर्ण

रस - कटु

गुण - गुरु

वीर्य - शीत

विपाक - कटु

कर्म - पुमेद हन

- मूत्र वाता

- मूत्र कृच्छ्रा

- शुक्र दोष

मात्रा - 300 to 600 mg.

अनुपान - मधु

- गुडु चि

- दारुहरि प्रस्वरस

Repeated Topic

Page No.	
Date	

आनन्द वैभव रस

Ref - भारत वैषज्य रत्नवली

Ingredient - शुद्ध शुद्ध हिङ्गुल - 1 part
- शुद्ध वत्सनाभि - 1 part
- त्रिकटु - 1 part
- शुद्ध लवङ्ग - 1 part
- शुद्ध गन्धक - 1 part
- निम्बु स्वस् - 0.5
- कृष्ण

M.O.P. -

Take all the drugs in a mortar



do the सर्पण त निम्बु स्वस्



for 6 hrs (2 यम)



make pills



size of 1 रति.

Join us on Telegram
@BOOK STORE

वर्ण - श्वेत

रस - कटु

- गुण - लघु

- वीर्य - शूल

विपाक - कटु

मात्रा :- - 1 to 2 tablets

अनुपान - मधु

- घृत

- अष्टक स्वरस

Indication - कफ

- श्वेत

- अतिसार

- अजीर्ण

- अपरमार (मिरगी)

- मेधाशोथ

↳ neurological disorders

पञ्चामृत पर्पली

Ref. - रसशास्त्र / पर्पली कल्पना.

Ingredient		Trick
- शुद्ध गन्धक	- 16 part	8x2
- शुद्ध पारक	- 8 part	↑
- लोह भरम	- 4 part	4x2
- अभ्रक भरम	- 2 part	↑
- ताम्र भरम	- 1	2x2
		↑
		1x2

M.O.P - Take शुद्ध पारक and गन्धक

↓
prepared कजली

↓
add लोह भरम, अभ्रक भरम

↓
add ताम्र भरम

↓
do मर्दन

↓
take कजली and in iron pan.

↓
melt it and immediately pour

↓
into कदलीपत्र which is kept on
- गोमय

↓

press with another कदली पत्र

few minute later remove the कदली पत्र

collect the पंचामृत पपड़ी

which is in पपड़ shape.

मात्रा - २-४ रत्ति .

Indication - बहली रोग

- अरुचि

- दुष्ट अशु

- चक्षुषि

- पुराण अतिसार

- ज्वर

- श्वेतपित्त

- अग्निदीपक

- So this is about -

शंख वरी

Ref: - औषध्य रत्नावली

Ingredient - क्षार वु चिम्बा - 48 gm

- लवणपंचक

- सौन्धव लवण

- सावर्चल लवण

- सामुद्र लवण

- लिड लवण

- रोमक लवण

- निम्बु स्वरस

- शरा मसम

- हिड

- शुद्धी

- मारिच

- पिपली

- पारद

- तत्सनात्र

- शुद्ध गन्धक

48 gm.

त्रिकटु

3 gm.

M.O.P. -

take all the ingredient in शतव मत्र

do मर्दन using निम्बु स्वरस

til it become soft paste

↓
make a table

dried if stored if

shelf life - 5 yrs.

(1-2 time a day)

Indication - अग्नि मंद्य

- अजीर्ण

- वात-पित्त शमक

ALL INFORMATION CONTAINED
HEREIN IS UNCLASSIFIED
DATE 08-01-2010 BY 60322
BOOK STORE

मेहालक्ष्मी विलास रस

Ingredient ✓ शुद्ध पारक
✓ गन्धक
✓ अभयक भस्म
✓ शुद्ध हस्ताल
✓ ताम्र भस्म
✓ कपूर
✓ जातीफल
✓ विषरी बीज
✓ धातुर बीज
✓ स्वर्ण भस्म
✓ पड़ भस्म etc.

M.O.P. -

Take पारक and गन्धक in 'खव्व यन्त्र'.

↓
make कज्जली form

↓
add remaining द्रव्य

↓
mix it.

↓
add भस्म and नागवल्ली स्वरस.

↓
make मर्दि.

↓
make pills. → size of 1/2 रति.

वर्ण - कृष्ण

रस - मधुर

- कषाय

गुण - रुक्ष

वीर्य - उष्ण

मात्रा - 1-2 tablets.

Indication - क्षय

✓ पाण्डू

✓ कामला

✓ वातरोग

✓ श्वेत

✓ कास

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

Page No.
 Date
 Brief knowledge of Standardization
वु रसोषधि

- The standardization regarding the any formulation is in 03 stages -

- Befor Process ——— ①
- During process ——— ②
- After process ——— ③

1) Before process standardization -

- Very important aspect in drug standardization.
- attention about gentility of drug.
- asses by taking the ग्रह्य लक्षण

2) During Process standardization -

- start from drug process
- mainly designed with what type of standard procedure we are following.

शोधन — Elimination of physical & chemical impurities

- Transformation of the hard and non homogeneous material like metal or mineral to soft, brittle ductile and homogeneous material.

- Induction of desirable qualities
- Further processing i.e. HRO.

ભાવના -

- To bring minute particles of the material in contact with liquid media.
- Attribution of the properties of ભાવના દ્રવ્ય to મધ્ય દ્રવ્ય.

ચક્રીકરણ -

Shape - Flat or Round
due to its more surface area.

- To increase surface area.
- all portion (inner & outer) heated uniformly
- for easy collection.

चकीक is a parameter for testing the Amount of Heat supplied to the material

(3/3m)
 संयुक्तीकरण -

Def - The चकीक are placed inside the vessel.
 - which are prepared out of diffⁿ metals, mineral etc.
 - wrapping of any substance especially for heating

Objective -

- with minimum/no supply of oxygen.
- oxidation

Types -

- | | | |
|-------------|-------|------|
| - शराव | _____ | (1) |
| - ताम्र | _____ | (2) |
| - कमश्य | _____ | (3) |
| - कान्त | _____ | (4) |
| - लोह | _____ | (5) |
| - अभक पात्र | _____ | (6) |
| - सूत्र | _____ | (7) |
| - लवण | _____ | (8) |
| - सूरण कण्ड | _____ | (9) |
| - खाली | _____ | (10) |

Join us on Telegram
 @BOOKSTORE

Page No.
 Date
 ① शराव सम्पुट -

- prepared out of मृत्तिका
- Used in the preparation of भस्म.

② ताम्र सम्पुट -

- made out of ताम्र
- Used in भस्म preparation.

③ कमश्च सम्पुट - made out of कमश्च / bronze

④ कान्त सम्पुट - made out of कान्त लोह

⑤ लोह सम्पुट -

- made out of लोह.
- Uses - all type of भस्म.

⑥ अक्षक पत्र सम्पुट -

- 2 अक्षक पत्र are used
- द्रव्य kept in b/w 2 पत्र of अक्षक.
- Subjecting to निहूमा अग्नि
- Till drug become red hot.
- remove from अग्नि

Used - इस माणिक्य preparation.



7) सूत्र सम्पुट -

- drug take and ग्रीवणा done with required मात्रा प्रत्येक.
- made into bolus
- wrapped 2 layer of cloth/सूत्र
- subjecting to heat.
- e.g. तैल व वस्त्र

8) लवण सम्पुट -

- preparing भस्म using लवण as an intermediate source of heat.
- e.g. कृषि पक्का रस, लवण रस

9) सूरण कण्ड सम्पुट -

- Drug kept in b/w सूरण कण्ड
- Subjecting to heat.

10) ब्याली सम्पुट -

- ताँबा and other metals which are filled in earthen ब्याली.
- with its mouth tightly closed
- Subject to fire from below
- e.g. पारक निम्मा.

3) After process standardization -

- we should go for analytical standardization to various parameters.

अस्मा सिद्धि लक्षण - physical test
- chemical test
- special test
- Biological change.

physical test - रेखा पुर्णत्व
- उन्म
- लघुत्व
- निरचन्द्रा

chemical test - निर्धूमा
- निरुता
- अपूर्णभाव

Numburi Phased ~~Text~~ Spot Text (NPST)

- designed by नि मुम्बुरी हनुमन्त शव
- Greater Schelon of वसुधैव कुटुम्बकम्

Modern Method of Research

- Hypothesis is tested through collecting data and also by experimentation.
- Next step is the generalization of the things which are legitimately concerned with hypothesis.

• Method to test the hypothesis are as follows -

- Selecting Problem ——— ①
- Selecting the setting. ——— ②
- Pilot study. ——— ③
- Experimental design ——— ④
- Experimental validity ——— ⑤

① Selecting Problem -

- research problem is specified.
- problem should be known
- approach should be determined.
- problem dependent & independent.
- variable should be specified.

Join us on Telegram
@BOOKSTORE

② selecting the setting -

- setting means background in which problem will be studied.
- experiment in laboratory.

③ Pilot study -

- Test done before the application.

④ Experimental Design -

- Testing Relation b/w dependent & independent variable.
- Depend upon the variable manipulated.

⑤ Experimental Validity -

- valid only in experimental setting.
- control of variable is effective.
- problem subject to experiment.

Metallographic equipments & materials

- Metallographic light microscope.
- Acrylic hardness
- metal ring.
- Glass slide.
- Acrylic powder.
- Grease.
- Mounting material
- Emery paper number
- Silver cloth.
- kerosene oil
- wax.
- X-ray.

Glass apparatus

- burette
- pipette
- Beaker
- funnel
- measuring flask.
- measuring cylinder
- Distillation.

क्षार वर्ग

- 1) क्षार क्षार
- 2) श्वेतक्षार
- 3) लवण क्षार
- 4) सूर्य क्षार

(1) क्षार क्षार (Ref.) - रसतरंगीनि

पर्याय - स्वर्णिक
- क्षारि
- सुवर्णिका
- रसिक
- सुखा वर्ण

Procedure -

Take the अक्षरिणी plant



burn it



collect the ash.

मात्रा - 3-12 रत्ति

गुण - तीक्ष्ण

- उष्ण

- लघु

- कृश

कर्म - क्लेदय

- पान्चन

- शुक्ल

- कृमि नाशक

Indication - अम्लपित्त

- दीपन

- वात गुल्म

- स्निग्ध शूल

(2) ચલક ક્ષાર

Ref. - રસ તરંગીની .

પદાર્થ - ચલક
- રસ
- ચતુર્ગુણ
- ચતુર્ગુણ
- ચાલ
- પાક

procedure -

Take ચલક make ક્ષાર by ignite it



add ash in the vessel.



add 8 part water



macerate well



filter for 7 times.



later kept on fire in મરદામિ.



til all water evaporate.



get flaky substance



પાક વર્ષ

मात्रा - 300 - 1000mg. / 3 - 10 रति

अ/त - कम

रस - कटु

गुण - उष्ण

- सार

- लघु

- सिद्ध सिद्ध

कर्म - कफ

- वातहर

- दीपन

- पान्चन

Indication - शूल

- अश्मरी

- हृदरोग

- ग्रहणी

- अनाह

- कास

Join us on Telegram
M56 BOOK STORE

३) तृक्कण क्षार

Ref. - रस त्वंगिनी

परिधि - टंक
- द्रावक
- लोह प्रवि
- सोभाग्र
- स्वर्णशोधन

Occurance - कश्मीर
- Tibet
- California.

शोधन $\left\{ \begin{array}{l} \text{निर्मल करण} \\ \text{निर्जित करण} \end{array} \right.$

① निर्मल करण

Take 1 part तृक्कण



add 24 part purified जल



dissolve it then filter it



make. पाक till it become light solid form



dry it

② निर्जली करण

Take. टक्का चुर्चु → mix water → filter
 ↓
 kept it in बरही (iron vessel)
 ↓
 make भर्जन
 ↓
 till the all water molecule evaporate
 ↓
 get light weight
 ↓
 appear more quantity.

मात्रा - 100 - 200 mg.

अनुपान - मधु
 - घृत

रस - कटु
 गुण - उष्ण
 - रुक्ष
 - तीक्ष्ण

कर्म - कफ विरोधक
 - हृदय
 - पित्तवर्धक

Indication - कास
 - श्वास
 - शपक्
 - तण्डुल

4) सूर्य क्षार

Ref: - इस तरंगीनी .

पर्याय - सौरक
- सौर
- मृत्क्षार
- वनिकार

गुण - कशीतस्पर्शी

रस - कटु , लवण
वीर्य - उष्ण

प्रि

उपेय - आग्नेयशास्त्र निमणि

शोधन -

Take सौरक in खल्व यन्त्र

↓
add खल्वी खतरस

↓
do भावना

↓
Repeat it for 3 time.

सोरक निर्मलकरण -

Take सोरक and 4 पल जल in vessel.



mix it. then filter it



take in wide vessel



Subject to अग्नि मिदम अग्नि



til the water evaporate



collect the crystal line powder.

Indicet ion - अश्वमे
 - मूत्र कृच्छ
 - पाप
 - पुमेद
 - अग्नि मन्ध

मात्रा - 2 - 10 रत्ति

Join us on Telegram
 @156_8386_6706

03/05/22

pharmacovigilance (drug safety)

- also known as drug safety.
- It is related to pharmaceutical sciences.

Factors - - collection
- detection
- assessment
- monitoring
- prevention.

4 main Component -

- Expected reporting
- Aggregate reporting
- signal intelligence
- risk management.

Types -

- Passive Surveillance.
- active Surveillance.
- Cohort event monitoring
- targeted clinical investigation.

Main Area -

- Operation Sector — (1)
- Surveillance Sector — (2)
- System Sector — (3)
- Colligi — (4)

In आयुर्वेद -

- Pharmacovigilance of आयुर्वेदिक medicine
- need for pharmacovigilance
- challenges for pharmacovigilance
- assessment adverse reaction
- prevention of adverse reaction
- recommendation

① Pharmacovigilance of आयुर्वेदिक medicine -

- Improve patient condition
- safety relation
- promote rational drugs
- दवाओं का उपयोग और विकसित करना

② Need for pharmacovigilance -

- Increases the validity of आयुर्वेदिक medicine.
- Increase आयुर्वेदिक medicine industries.
- Commercialization

- classical ayurvedic formulation.
- manufacturing

③ challenge for pharmacovigilance

- Reporting suspected drug.
- Herbal and alternative cause.
- Identification.
- Reporting
- detection
- assessment
- prevention.

④ Assessment of adverse reaction

- information related to adverse medicine.
 - causality assessment.
 - difficult to assess
 - mixed formulation.
 - Reviewed.
- generals Journals

⑤ Prevention of adverse effect

- Communication
- Information collection
- understanding
- proper formulation
- motivation

⑥ Re Commendation —

- Traditional knowledge of digital library (TKDL)
- Ancient scriptures
- digitally performed.
- ~~physician~~ physician
- pharma medical staff
- academic institution
- Strong Cooperation.

Join us on Telegram
@t.me/okendev

- Different apparatus used for various
 वैज्ञानिक प्रक्रिया such as -

- खनन
- मृदा
- शोधन
- मार्ग etc.

- on different रस द्रव्य such as रस

अम्ल
 स्वादा रस etc.

- this procedure is called यन्त्र.

Ref. - रसशास्त्र / यन्त्र

Join us on Telegram
 MSB BOOK STORE

Type - उलुखल यन्त्र
 - शतल यन्त्र

वर्तुला (Circular)

द्वोणीरूप (elliptical)

- तप्तशतल यन्त्र

- कच्छुपा यन्त्र

- पातन यन्त्र

उद्ध

बुद्ध

त्रियक

- तुला यन्त्र

- कला यन्त्र

- इमरु यन्त्र

- विद्याधरा यन्त्र

- पातल यन्त्र

- पालिका यन्त्र

- पुट

- वायु क

खरबूत वड़

Ingredient - खरबूत वड़ - 1 part
- खरबूत - पास् - 1 part
गन्धक - 1 part
नवसाकर - 1 part

M.O.P. - take ख. वड़ in लोह द्रवि .

↓
heat till it become liquefy .

↓
Immediately pour into खरबूत पास्

↓
which contains ख. पास्

↓
do the मर्दन for 30 minutes

↓
till it become द्रव form

↓
add खरबूत नवसाकर

↓
do the मर्दन

↓
then wash repeatedly in water

↓
till remove the all salt .

↓
died on sun.

↓
taken in शव यंत्र

↓
add शुद्ध गंधक

↓
do the मर्दन for 2-3 days.

↓
prepare क-पली

↓
add नवसागर do मर्दन

↓
fill into सुदक्खिणी काचकूपी

↓
mouth of काचकूपी close & cork

↓
Kept in बालुक यंत्र

↓
subject to अग्नि (मृदु, मध्यम, तीक्ष्ण)

↓
for 4 यम (12 hours)

↓
Remove the cork. begining heating प्रथम

↓
for 3-4 hours

↓
fumes start rising from the mouth of bottle

↓
clean & hot iron rod

↓
base of कोचकुपी appears golden red colour

↓
turn off the अग्नि

↓
cork filled and seal it

↓
remove the bottle from अलूक

↓
leave for cool down

↓
Next day break the bottle

↓
collect the स्वर्णवर्ण

मात्रा - 1 - 2 रत्ति

Join us on Telegram
M55 BOOK STORE

Indication - स्नायुना
- बलकर
- वृक्ष
- बुद्धि वर्धक